निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

# नवबिहार टाइम्स

• बोकारो, शनिवार 29 नवम्बर 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 192 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

रांची में चयनित अभ्यर्थियों के बीच नियुक्ति पत्र का वितरण करते मुख्यमंत्री

## संक्षिप्त समाचार

### वृद्ध की चाकू मारकर हत्या

**लोहरदगा(नबिटा ब्यूरो)।** जिले के सेन्हा थाना क्षेत्र में एक वृद्ध की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस हरकत में आई। पुलिस ने हत्या आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के पीछे जो कारण निकलकर सामने आया है, वह हैरान करने वाला है। पुलिस को हत्यारे का आपराधिक रिकार्ड भी पता चला है। आरोपी ने सनक में इस घटना को अंजाम दिया है। मृतक की पहचान 85 वर्षीय बलदेव भगत के रूप में हुई है

### हाइवा ने कार में मारी टक्कर, एक की मौत

**चतरा(नबिटा ब्यूरो)।** चतरा-सिमरिया मार्ग पर हफुवा गांव के पास हाइवा की टक्कर से कार सवार एक युवती की मौत हो गई जबकि पांच लोग जख्मी हो गए। सभी एक ही परिवार से हैं और इटखोरी में रिसेप्शन में जा रहे थे। मृतका की पहचान रामगढ़ जिले के सयाल निवासी मुकेश राम की 18 वर्षीय पुत्री रीया कुमारी के रूप में हुई है। रीया दुल्हन की मौसेरी बहन थी। वहीं घायलों में हजारीबाग जिले के केरेडारी थाना क्षेत्र के जोरदाग गांव निवासी सुजीत राम, इनकी पत्नी गेंदरी देवी, बेटी अराध्या कुमारी, बेटा महाबीर दास व एक रिश्तेदार पिंकी कुमारी का नाम शामिल है।

### हजारीबाग रेलवे स्टेशन पर वृद्ध ने की आत्महत्या

**हजारीबाग (नबिटा ब्यूरो)।** हजारीबाग टाउन रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को एक वृद्ध व्यक्ति ने ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान 65-70 वर्षीय विनय कुमार सिंह के रूप में हुई है जो पेयजल विभाग के सेवानिवृत्त कर्मचारी थे। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और कटकमदाग थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। विनय कुमार सिंह मूल रूप से बिहार के पटना जिले के पुनाडीह गांव के रहने वाले थे। वे पिछले कई वर्षों से हजारीबाग के कनहरी में पत्नी, बहू और बेटे के साथ रह रहे थे।

### इस्ट बस्ताकोला में किशोर की हत्या

**धनबाद (नबिटा ब्यूरो)।** धनसार थाना क्षेत्र स्थित इस्ट बस्ताकोला में शुक्रवार को एक 16 वर्षीय किशोर नीतीश कुमार का शव मिलने से सनसनी फैल गई। किशोर के शरीर पर गंभीर चोट के निशान थे। नीतीश ईस्ट बस्टाकोला के चांदमारी का निवासी था और बारात में लाइट उठाने का काम करता था। परिजनों ने बताया कि गुरुवार रात करीब 11 बजे अनिल नामक एक व्यक्ति नीतीश को लोहा काटने के बहाने घर से ले गया था। इसके बाद नीतीश वापस नहीं लौटा। शुक्रवार सुबह जब उसके पिता पानी भरने कुएं की ओर गए तो उन्हें वहां एक शव पड़ा मिला जिसकी पहचान कपड़ों से नीतीश के रूप में हुई।

## झारखंड सरकार के एक साल पूरे, मुख्यमंत्री ने हजारों युवक-युवतियों को दी नौकरी की सौगात

# युवाओं को नौकरी-रोजगार देना प्राथमिकता : हेमंत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

**रांची।** झारखंड की हेमंत सरकार ने शुक्रवार को अपने दूसरे कार्यकाल की पहली वर्षगांठ मनायी। इस मौके पर मोरहाबादी मैदान में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में हेमंत सोरेन ने हजारों युवक-युवतियों को सरकारी नौकरी का नियुक्ति पत्र प्रदान किया। कार्यक्रम में हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखण्ड वासियों की अपनी सरकार का एक साल पूरा हो रहा है। आज इसी ऐतिहासिक अवसर पर झारखण्ड के हमारे हजारों नौजवानों को सरकारी नौकरी की सौगात दी जा रही है। इस अवसर पर सभी को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार। लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि विपक्ष द्वारा लगातार अड़ंगा लगाने के बाद भी हमने चुनौतियों को पार करते हुए हजारों युवाओं को नियुक्ति पत्र देने का काम किया। विपक्ष ने लगातार साजिश की कि किसी तरह युवाओं का भविष्य न बने, वे पैरों पर खड़ा न हों।

युवा राज्य के विकास का हिस्सा न बने। यहां तक कि कोर्ट-कचहरी के माध्यम से भी हमारे कार्यों को बाधित करने का प्रयास किया। हेमंत सोरेन ने कहा कि विचित्र स्थिति यह रही कि विपक्ष इन्हीं नियुक्ति पर 50 सवाल खड़ा करते थे। अफवाहें फैलाते थे, झूठ बोलकर कई आरोप लगाते थे। इसके बाद भी युवाओं को नौकरी-रोजगार देना सरकार की प्राथमिकता रही। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले समय में भी हजारों पदों पर नियुक्तियां होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सहायक आचार्य के पदों पर जिन अभ्यर्थियों की नियुक्ति हुई है, उनमें 40 प्रतिशत महिलाएं हैं। जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा के माध्यम से से जिन पदाधिकारियों की नियुक्ति हुई है, उनमें 30 प्रतिशत महिलाएं हैं। इनमें से कई महिलाएं मंईयां सम्मान योजना का लाभ लेकर मिलने वाली राशि से प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि नियुक्ति पत्र तो लगभग 10 हजार लोगों को मिल रहा है, लेकिन इससे 50 हजार लोगों (परिवार के सदस्यों) को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार में राज्य में तेजी से बदलाव हुआ है और हो रहा है। 80 उत्कृष्ट विद्यालय खोले गए हैं। 10 डिग्री कॉलेज, आठ नर्सिंग कॉलेज, छह मेडिकल और इतने ही इंजीनियरिंग कॉलेजों की स्थापना हुई है। मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त पदाधिकारियों एवं शिक्षकों से आह्वान किया कि वे जिस जिला में जाएं वहां के एक युवा को अपने जैसा बनाएं। उन्होंने कहा कि वे यह नहीं कहते कि पूरे जिला को अपने जैसा बना दें। लेकिन कम से कम एक युवा को ऐसा जरूर बनाएं ताकि वे भी पदाधिकारी और शिक्षक बन सकें। इस अवसर पर 8,792 अभ्यर्थियों के बीच नियुक्ति पत्र वितरण किया गया। मुख्यमंत्री ने सांकेतिक रूप से कुछ अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपा। जिन अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र मिला उनमें 8,291 सहायक आचार्य सम्मिलित हैं। इनके अलावा नक्सली मुठभेड़ में बलिदानी हुए एवं अन्य कारणों से मृत्यु प्राप्त पुलिसकर्मियों के 22 आश्रितों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया, जिनमें सात बाल आरक्षी तथा 15 सामान्य आरक्षी सम्मिलित हैं। हालांकि राज्य सरकार ने 84 आश्रितों को सामान्य आरक्षी एवं बाल आरक्षी के पद पर नियुक्त किया है। इस अवसर पर सीएम ने पोस्ट कर झारखंड को लोगों को बधाई दी। उन्होंने लिखा जोहार! आज झारखंड की अबुआ सरकार के दूसरे कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण हुआ। इस एक वर्ष में आपकी उम्मीदों और वादों को पूरा करने हेतु सरकार ने लगातार समर्पित भाव से काम किया है। राज्य की हर बहन के सशक्तिकरण के लिए सम्मान राशि हर माह सीधे उनके खातों में बिना रुके भेजी जा रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत संरचनाओं को मजबूत करने की दिशा में तेज़ी से कार्य किया जा रहा है साथ ही सामाजिक सुरक्षा, युवाओं के भविष्य और रोजगार को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। झारखण्ड की जनता के भरोसे पर खरा उतरने और झारखण्ड को विकसित राज्य बनाने के लिए आपकी सरकार निरंतर प्रतिबद्ध है।

## एक साथ तीन बच्चों को जन्म देने वाली महिला की मौत, दो नवजात की हालत गंभीर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

**सिमडेगा।** सिमडेगा निवासी 30 वर्षीय अरुणिमा बा का शुक्रवार सुबह 5 बजे रिम्स रांची में इलाज के दौरान मौत हो गई। अरुणिमा ने 23 नवंबर को ऑपरेशन के जरिए तीन स्वस्थ बच्चों को जन्म दिया था। प्रसव के बाद से ही उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई थी। अरुणिमा बा मूल रूप से सिमडेगा जिले के रेंगारिह थाना क्षेत्र के पाईकपारा डेल्याटोली की निवासी थी। वर्तमान वो अपने पति गुलशन बा के साथ सिमडेगा जिला के ही ठेठईटांगर के ताराबोगा गिरजाटोली में रहती थी। मृतका अरुणिमा के दो नवजात बच्चे रांची के अस्पताल में भर्ती हैं। उनके तीन नवजात बेटों में से दो की स्थिति भी नाजुक बनी हुई है। उनका इलाज वर्तमान में रांची के कटहल मोड़ स्थित एक निजी हॉस्पिटल में चल रहा है। अरुणिमा आर्थिक तंगी और राशन कार्ड में नाम ना होने की समस्या से जूझ रही थी। परिवार आर्थिक रूप से काफी कमजोर है। राशन कार्ड में नाम नहीं होने से सरकारी सहायता प्राप्त करने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पति गुलशन बा इस पत्नी के शव को रांची से अपने पैतृक गांव लाने के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। परिवार ने स्थानीय प्रशासन और समाजसेवियों से इस मुश्किल समय में मदद की गुहार लगाई है।

## विस्थापितों को मिलेगा मालिकाना हक : कोल सचिव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

**धनबाद।** भारत सरकार के कोयला मंत्रालय के कोल सचिव विक्रम देव दत्त दो दिवसीय दौरे पर धनबाद पहुंचे। शुक्रवार को उन्होंने बेलगड़िया टाउनशिप में चल रहे विभिन्न विकास योजनाओं का जायजा लिया और कई महत्वपूर्ण सुविधाओं का उद्घाटन किया। कोल सचिव ने बेलगड़िया टाउनशिप में पुलिस स्टेशन और जेआरडीए ऑफिस का उद्घाटन किया। इसके साथ ही दर्जनों बेरोजगार युवाओं को ई-रिक्शा भी वितरित कियाा ताकि उन्हें रोजगार से जोड़ा जा सके। निरीक्षण के दौरान कोल सचिव ने टाउनशिप में रह रहे विस्थापित परिवारों से बातचीत की। साथ ही उनकी समस्याओं को सुना और समाधान का

आश्वासन दिया। कोल सचिव ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार बेलगड़िया को एक मॉडल टाउनशिप बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि यहां रहने वाले हर परिवार को सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार योजनाएं चलाई जा रही हैं। मौके पर उन्होंने धनबाद के उपायुक्त आदित्य रंजन के प्रयासों की भी सराहना की जो टाउनशिप के विकास पर विशेष निगरानी रख रहे हैं। वहीं धनबाद उपायुक्त आदित्य रंजन और बीसीसीएल सीएमडी मनोज अग्रवाल ने बताया कि बेलगड़िया टाउनशिप में रह रहे विस्थापित परिवार अब तक लीज पर रह रहे थे लेकिन अब उन्हें मकान का मालिकाना हक दिया जाएगा ताकि यहां रहने वाले लोगों को जरूरी कागजात बनाने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। उन्होंने कहा कि टाउनशिप में एक बड़ा अस्पताल, आंगनबाड़ी केंद्र, स्कूल, सड़क, स्ट्रीट लाइट समेत सभी बुनियादी सुविधाएं तेजी से विकसित की जा रही हैं। आने वाले समय में बेलगड़िया को विश्व स्तरीय टाउनशिप के रूप में तैयार किया जाएगा।

## धान खरीद केंद्र नहीं खुलने से किसानों में निराशा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

**खूंटी।** जिले में इस वर्ष धान का बंपर उत्पादन हुआ है लेकिन सरकारी स्तर पर अब तक धान खरीद की प्रक्रिया शुरू नहीं होने से किसान बहुत परेशानी में हैं। मजबूरी में किसान अपनी मेहनत से उपजे धान को बिचौलियों के हाथ औने-पौने दाम पर बेच रहे हैं। बिचौलिये किसानों को मात्र 1600 से 1700 रुपये प्रति क्विंटल की दर पर भुगतान कर रहे हैं जबकि पिछले साल लैंप्स के माध्यम से किसानों को बोनस सहित 2400 रुपये प्रति क्विंटल का मूल्य मिला था। इस वर्ष खरीद केंद्रों के नहीं खुलने से किसानों में निराशा है और बिचौलियों को इसका सीधा फायदा मिल रहा है। नवंबर खत्म होने को है लेकिन सरकार की ओर से अब तक न संकल्प जारी हुआ है और न ही धान खरीद की दर घोषित की गई है। ऐसे में किसान असमंजस की स्थिति में हैं। अनुमान लगाया जा रहा है कि 15 दिसंबर से पहले सरकारी स्तर पर धान की

खरीद शुरू होने की संभावना कम ही है। हालांकि जिला आपूर्ति विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। पिछले वर्ष जिन लैंप्सों में धान खरीद हुई थी, विभाग उसका ऑडिट करा रहा है। इससे संकेत मिल रहा है कि विभाग जल्द ही खरीद केंद्र खोलने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। पिछले वर्ष जिले के 15 लैंप्सों में धान क्रय केंद्र खोले गए थे, जहां 863 किसानों से 44,772 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई थी। इसके बावजूद इस वर्ष अब तक क्रय केंद्र नहीं खुलने से किसान मायूस हैं और आर्थिक दबाव में कम दाम पर फसल बेचने को विवश हो रहे हैं। जिले के एक महिला किसान सहित अन्य किसानों ने बताया कि अब तक लैंप्स में धान क्रय केंद्र नहीं खुलने से नाराजगी है। उन्होंने कहा कि इसी देरी के कारण किसान बिचौलिया के हाथों धान बेचने को विवश हैं। हालांकि कई किसान लैंप्स में धान क्रय केंद्र खुलने के इंतजार में हैं। किसानों ने बताया कि बिचौलिया गांव-गांव एवं घर-घर पहुंच रहे हैं और नकद भुगतान की बात कह खान खरीद रहे हैं। किसानों ने बताया कि बिचौलियों के हाथों धान बेचना ज्यादा बेहतर है क्योंकि सरकारी दर से मिलने वाली राशि में महीनों लग जाते हैं, जबकि बिचौलिए तत्काल भुगतान करते हैं। जिला आपूर्ति पदाधिकारी भीम उरांव ने बताया कि सरकार द्वारा संकल्प जारी होते ही लैंप्सों के माध्यम से धान खरीद शुरू कर दी जाएगी। संभावित तौर पर 15 दिसंबर से धान क्रय प्रारंभ होने की उम्मीद है।

## चौकीदार को बंधक बनाकर दस किलो चांदी उड़ा ले गए चोर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

**रांची।** राजधानी रांची के बेड़ो थाना क्षेत्र में एक जेवर दुकान में बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया है। जेवर दुकान का ताला काट कर चोरों ने लाखों की चांदी पर हाथ साफ किया है। जानकारी मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार की रात रांची के बेड़ो थाना क्षेत्र के बाजारटांड़ के समीप स्थित उत्तम ज्वेलर्स दुकान की चैनल और शटर का ताला काटकर अज्ञात चोरों ने लाखों के जेवरात पर हाथ साफ किया है। चोर जेवर दुकान से 10 किलो चांदी उड़ा ले गए हैं। साथ ही चोर दुकान में लगी सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर भी अपने साथ ले गए। इस संबंध में उत्तम ज्वेलर्स के मालिक ने बताया कि दुकान में 10 किलो चांदी के अलावा सोने के कई गहने मौजूद थे। हालांकि सोने के सभी गहने तिजोरी में बंद थे, इसलिए वह बच गए। लेकिन चोर 10 किलो चांदी अपने साथ ले जाने में कामयाब रहे। जेवर दुकान में चोरी करने वाले चोरों ने इलाके में गश्ती लगा रहे है बहादुर को भी रस्सी से बांध दिया। बहादुर ने बताया कि दुकान में कुछ गतिविधि देखकर उन्होंने जोर से विसिल बजाना शुरू किया तो चोरों ने उसे पकड़ लिया और उसके हाथ-पैर को बांध दिया।

# 1.90 करोड़ से होगा बहुद्देश्यीय कॉन्फ्रेंस हॉल का निर्माण

## शिलान्यास के बाद पीवीयूएनएल की सामुदायिक विकास पहल के तहत शुरू हुआ कार्य

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

**पतरातू।** पीटीपीएस कॉलेज, पतरातू में लगभग 1.90 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले बहुउद्देश्यीय कॉन्फ्रेंस हॉल का निर्माण कार्य शुक्रवार को औपचारिक रूप से शुरू हो गया। निर्माण कार्य का शिलान्यास बड़कागांव के विधायक रोशन लाल चौधरी और पीवीयूएनएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि यह कॉन्फ्रेंस हॉल कॉलेज और क्षेत्र में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को नई दिशा प्रदान करेगा। इस अवसर पर हज़ारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल ने ऑनलाइन संबोधन दिया। उनके संबोधन में कहा गया कि यह परियोजना विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कार्यक्रम में संसद प्रतिनिधि राजीव जयसवाल ने भी उपस्थित लोगों को संबोधित किया। पीवीयूएनएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने अपने संदेश में कहा कि कंपनी शिक्षा,

स्वास्थ्य, कौशल विकास और युवाओं के सशक्तिकरण की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। उनके अनुसार आगामी कॉन्फ्रेंस हॉल सेमिनार, कार्यशाला, सांस्कृतिक आयोजन और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के लिए एक आधुनिक मंच उपलब्ध कराएगा। पीटीपीएस कॉलेज, जिसकी स्थापना वर्ष 1972 में हुई थी, लंबे समय से क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्रदान कर रहा है। जानकारी दी गई कि पीवीयूएनएल इससे पहले भी कॉलेज के विकास के लिए कई प्रयास कर चुका है। कार्यक्रम में विनोबा भावे विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित इंटर कॉलेज क्रॉस कंट्री रेस में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र छोटेलाल कुमार को सम्मानित किया गया। उपस्थित अतिथियों ने उनके प्रदर्शन की सराहना की। कॉलेज के प्राचार्य ने सभी विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया और कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम की सराहना की गई। इस अवसर पर सीजीएम (प्रोजेक्ट)अनुपम मुखर्जी, जीएम (प्रोजेक्ट) विष्णु दत्ता और ज़ियाउर रहमान (हेड ऑफ मानव संसाधन) भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के माध्यम से पीवीयूएनएल की ओर से यह संदेश दिया गया कि संस्था केवल ऊर्ज़ा उत्पादन तक सीमित नहीं है बल्कि समाज और शिक्षा के समग्र विकास में भी अपनी सक्रिय भूमिका निभा रही है।

बिहार-झारखण्ड का अपना अखबार

नवबिहार टाइम्स

आवश्यकता

1. बोकारो जिला मुख्यालय के अलावा प्रत्येक प्रखंड के लिए संवाददाता चाहिए।

2. नवबिहार टाइम्स के बोकारो कार्यालय के लिए उप सम्पादक/कार्यालय संवाददाता की आवश्यकता है। हिन्दी में समाचार लिखने और समाचार की समझ रखने वाले अनुभवी संवाददाता ही सम्पर्क करें। मानदेय-योग्यतानुसार।

3. बोकारो कार्यालय के लिए एक चतुर्थवर्गीय कर्मचारी की आवश्यकता है। बोकारो, चास या आस-पास का ही निवासी होना अनिवार्य है

सम्पर्क करें:-

7295863300/8210783623

'नवबिहार टाइम्स' कार्यालय, 31 कॉपरेटीव कॉलोनी बोकारो (झारखण्ड) मो0- 7004247547/6206165107

E-mai : nbtimesbihar@gmail.com

C M Y K

## संक्षिप्त समाचार

### सोनपुर मेला में कृषि प्रदर्शनी का उद्घाटन

पटना, एजेंसी।कृषि मंत्री रामकृपाल यादव ने गुरुवार को सोनपुर मेला में कृषि प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। कहा कि बिहार की लगभग 76 प्रतिशत आबादी की आजीविका कृषि पर निर्भर है। राज्य की जीडीपी में कृषि क्षेत्र का योगदान लगभग 21 प्रतिशत है। यहां के 90 प्रतिशत किसान लघु और सीमांत श्रेणी के हैं, जिनकी आय और उत्पादन क्षमता बढ़ाना राज्य के आर्थिक विकास की कुंजी है। उन्होंने कहा कि राज्य के कुछ जिलों में धान की कटनी के समय एक विकट समस्या विकराल रूप ले रही है। धान के पुआल को खेत में जलाने की समस्या लगातार बढ़ रही है। पुआल जलाने से एक तरफ वातावरण प्रदूषित हो रहा है, तो दूसरी तरफ मिट्टी की उर्वरा शक्ति खत्म हो रही है। यह चिंता की बात है। लेकिन बिहार सब्जियों के उत्पादन में अग्रणी राज्य है। शहद, मशरुम, मखाना, लीची पैदा करने में भी हम सबसे आगे हैं। अन्नानास, आम, केला, अमरूद, गन्ना, जूट आदि पैदा करने में भी हम बहुत आगे हैं। हमने इन कृषि उत्पादों के लिए बेहतर बाजार एवं प्रसंस्करण की सुविधा राज्य के अंदर उपलब्ध कराने के लिए विशेष पहल की है। उन्होंने कहा कि किसानों से ऑनलाइन आवेदन लेना, आवेदन को स्वीकृत करना और किसानों के घर तक बीज की आपूर्ति सुनिश्चित करना, प्रत्येक कृषि पदाधिकारी का दायित्व है। किसानों को खाद सही समय और उचित मूल्य पर मिले यह शत-प्रतिशत सुनिश्चित होगा। मौके पर राज्य किसान आयोग के अध्यक्ष रूप नारायण मेहता, कृषि विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार, विशेष सचिव वीरेन्द्र प्रसाद यादव, प्रबंध निदेशक कृषि निदेशक नितिन कुमार सिंह, निदेशक उद्यान अभिषेक कुमार मौजूद रहे।

### गरीब रथ एक्सप्रेस के कोच पर गिरा पुल का मलबा

**सीवान, एजेंसी।** उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल अंतर्गत गोंडा-बुढ़वल रेलखंड पर बुधवार देर रात बड़ा हादसा हो गया। जब बुढ़वल स्टेशन यार्ड के समीप रोड ओवर ब्रिज संख्या 394 से एक ट्रक अनियंत्रित होकर रेलवे ट्रैक पर गिर गया। हादसा रात लगभग 21:11 बजे हुआ। पैतेपुर की ओर से रामनगर जा रहा ट्रक अप लाइन पर जा गिरा। उसी समय अमृतसर-सहरसा गरीब रथ एक्स 12204 पुल के नीचे से गुजर रही थी। इस दौरान पुल की रेलिंग का बड़ा पत्थर टूटकर ट्रेन के तीसरे कोच जी-2 पर गिरा, जिससे ओएचई वायर क्षतिग्रस्त हो गया और अप एवं डाउन लाइनें बाधित हो गईं। घटना से यात्रियों में अफरातफरी मच गई। सूचना पर गोंडा स्टेशन स्थित इमरजेंसी सायरन रात 21:40 बजे बजाया गया। राहत टीम लगभग 10:38 बजे रवाना हुई और आधी रात 00:27 बजे घटनास्थल पर पहुंची। पहले रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट बुढ़वल प्रभारी निरीक्षक एवं स्टाफ मौके पर पहुंचे। इसके बाद मंडल रेल प्रबंधक, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त, पुलिस अधीक्षक एवं अन्य अधिकारी भी स्थल पर पहुंचे और बहाली कार्य शुरू किया गया। हादसे में ट्रक चालक पंकज ओझा घायल हो गया उसे बाराबंकी रेफर किया गया। गरीबरथ एक्स समेत 18 ट्रेनें सुबह तक खड़ी रहीं। नई दिल्ली से आ रही बिहार संपर्क क्रांति एक्स, ग्वालियर से आ रही बरौनी मेल समेत 18 ट्रेनें रात भर खड़ी रहीं।

### एडीआर ने की ताजा रिपोट :आपराधिक छवि वालों पर भारी पड़े साफ छवि वाले प्रत्याशी

**पटना, एजेंसी।** बिहार की जनता को आपराधिक छवि वालों की तुलना में शालीन और साफ-सुथरी छवि वाले जनप्रतिनिधि अधिक पसंद हैं। बिहार विधानसभा चुनाव परिणाम के आंकड़े यही बताते हैं। एडीआर ने अपनी ताजा रिपोर्ट में नवनिर्वाचित विधायकों के रिकॉर्ड के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अभी जीतकर आए 112 साफ छवि वाले विधायकों में से 65 ने आपराधिक छवि वाले उम्मीदवारों को शिकस्त देकर जीत हासिल की है। इनमें से 5 ने तो 25 फीसदी से अधिक मतों से आपराधिक छवि वालों को पटखनी दी है। रूपौली विधानसभा सीट का चुनाव परिणाम इसका रोचक नजारा पेश करता है। वहां से जदयू प्रत्याशी कलाधर मंडल साफ-सुथरी छवि के हैं। उन्होंने 32.68 प्रतिशत वोटों के अंतर से जीत हासिल की है। कलाधर प्रसाद मंडल के खिलाफ राजद की बीमा भारती मैदान में थीं। उन्होंने नामांकन के साथ दिए गए शपथ-पत्र में अपने खिलाफ चल रहे आपराधिक मामलों की जानकारी दी है।

**आपराधिक छवि वालों का जीतने का अनुपात कम**–जनता शालीन छवि वाले उम्मीदवारों को अधिक पसंद करती है, लेकिन आपराधिक छवि वालों के साफ छवि वालों से जीतने का अनुपात भी थोड़ा ही कम है। आपराधिक मामले घोषित करने वाले 131 उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की है। इनमें से 43 ने साफ छवि वालों को हराया है। इन 43 में से 3 ने तो 20 फीसदी के अधिक अंतर से जीत हासिल की है। औराई से जीतीं भाजपा की रमा निषाद इसका बड़ा उदाहरण हैं। उन्होंने 27.51 फीसदी मतों के अंतर से अपने प्रतिद्वंद्वी को हराया है। रमा निषाद ने नामांकन के साथ दिए शपथ-पत्र में अपने खिलाफ आपराधिक मामलों के लंबित होने की जानकारी दी है। रमा निषाद के खिलाफ वीआईपी के भोगेंद्र सहनी थे। उनके खिलाफ थाने या अदालत में कहीं कोई मामला नहीं चल रहा है।

**15 गैर करोड़पतियों ने करोड़पतियों को पटखनी दी**–25 ऐसे विधायक जीतकर आए हैं, जिनकी संपत्ति का आंकड़ा एक करोड़ तक को नहीं छू सका है। इनमें से 15 ने तो करोड़पतियों को चुनावी अखाड़े में चित किया है। 2 ने तो कम पैसा होते हुए भी करोड़पतियों को धूल चटाकर जीत हासिल की है। राजनगर से जीते भाजपा उम्मीदवार सुजीत कुमार इसके उदाहरण हैं। उन्होंने 22.11 फीसदी मतों के अंतर से जीत हासिल की है। उनके खिलाफ राजद के करोड़पति उम्मीदवार विष्णुदेव मोची चुनावी बिसात पर शह-मात की दांव चल रहे थे।

# बिहार में 10 लाख महिलाओं के खाते में 10-10 हजार रुपये ट्रांसफर, नीतीश कुमार ने भेजा 1,000 करोड़

**पटना, एजेंसी।** बिहार विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत और एनडीए की सरकार बनाने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज एक बार फिर से 10 लाख महिलाओं के खाते में 10-10 हजार की राशि भेजी है. मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत बिहार की प्रत्येक परिवार की एक महिला सदस्य को नीतीश सरकार ने ?10000 रोजगार के लिए देने की घोषणा की थी.

जीविका दीदियों के खाते में 10-10 हजार रुपये

बिहार विधानसभा चुनाव के बीच अब तक एक करोड़ 56 लाख महिलाओं को यह राशि मिल चुकी है. 27 सितंबर को प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री के साथ इस योजना को लांच किया था. 14 दिसंबर तक राशि भेजने का शेड्यूल भी तय है. विधानसभा चुनाव में महिलाओं को दी जा रही राशि पर खूब सियासी हंगामा भी हुआ था.

14 दिसंबर तक महिलाओं के खाते में भेजी जाएगी राशि

ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने बताया कि विभिन्न चरणों में 14 दिसंबर तक सभी पात्र जीविका दीदियों के खाते में राशि भेजने के लिये सुनिश्चित किया जा रहा है. सभी पात्र जीविका दीदियों को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की योजना का लाभ मिलेगा.

सीएम नीतीश ने दोहराया- 'पहले वाली सरकार ने कुछ किया था जी।'सीएम नीतीश ने 10 लाख महिलाओं को 10-10 हजार रुपए ट्रांसफर किया। आज कुल 1 हजार करोड़ रुपए की राशि ट्रांसफर किया गया। सीएम नीतीश ने कहा, 'आप जानते हैं कि इस बार बिहार के लोगों ने बिहार विधानसभा चुनाव में भारी बहुमत से एनडीए को जिताया है। अगले 5 सालों के लिए हमें सेवा करने का मौका फिर से दिया है। मैं इसके लिए बिहार के सभी महिलाओं के साथ-साथ सभी लोगों का आभार व्यक्त करता हूं।'सीएम नीतीश ने आगे कहा, 'आज 10 हजार रुपए की राशि 10 लाख महिलाओं को भेजी जा रही है। कुल मिला कर 1 करोड़ 56 लाख लोगों को इसका फायदा मिल जाएगा।' सीएम नीतीश ने एक बार फिर से दोहराया- 'पहले वाली सरकार ने कुछ किया था जी। पूरा बिहार आगे बढ़ रहा है। केंद्र सरकार का सहयोग मिल रहा है।'

पश्चिमी चंपारण की सुनीता ने अपना अनुभव साझा करते हुए सीएम नीतीश से कहा- हम लोग को बहुत खुशी है कि आप फिर से मुख्यमंत्री बनकर हमारे बीच आए हैं। जो 10000 हम लोगों को मिल रहा है, उससे हम लोग बहुत खुश हैं। राशन बिजली पेंशन सभी चीजों पर आपने काम किया।भागलपुर से फूलन कुमारी ने कहा- जब हम जीविका में नहीं जुड़े थे, तब अपना काम खुद से नहीं कर पाते थे। जो पति कहते थे, वहीं रहते थे। लेकिन अब हम लोग खुद से अपना निर्णय लेते हैं। अब जो यह ?10000 मिला है, इसे हमने अपना कपड़ा का दुकान शुरू किया है।

दरभंगा से जुड़ी जीविका दीदी ने कहा- हम लोगों ने भगवान से प्रार्थना किया था कि इस बार भी मुख्यमंत्री आप ही बने और भगवान ने हम लोगों की प्रार्थना सुन लिया है।

**किस-किस को मिलेगा लाभ?** मिली जानकारी के अनुसार, राशि पाने वाली महिलाओं में ग्रामीण क्षेत्रों की लगभग 9 लाख 50 हजार और शहरी क्षेत्रों की 50 हजार महिलाएं शामिल हैं। ये सभी जीविका समूह से जुड़ी महिलाएं हैं, जिन्हें पहले भी आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने के लिए प्रशिक्षण और सहायता प्रदान की गई थी। सरकार का कहना है कि इस योजना के तहत अब तक लगभग 1 करोड़ 40 लाख महिलाओं को 10 हजार रुपए प्रति लाभार्थी की दर से सहायता दी जा चुकी है। अब 10 लाख नई लाभार्थी महिलाओं को भी यह लाभ दिया जा रहा है। शेष बची हुई पात्र महिलाओं को जल्द ही भुगतान किया जाएगा।

योजना की आवेदन प्रक्रिया दो हिस्सों में बांटी गई थी। शहरी क्षेत्र की महिलाओं से ऑनलाइन आवेदन लिए गए, जबकि ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं ने पंचायत स्तर पर ऑफलाइन फॉर्म भरे।

प्राथमिकता उन महिलाओं को दी गई है जो पहले से जीविका समूह की गतिविधियों में सक्रिय हैं। हाल में जीविका संगठन से जुड़ी लगभग 13 लाख महिलाओं ने भी ऑनलाइन आवेदन किया है, जिनके आवेदन की जांच की जा रही है और उनके खातों में भी आने वाले चरणों में राशि भेज दी जाएगी। सरकार का दावा है कि यह योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाने और उन्हें छोटे-छोटे रोजगार शुरू करने में सहयोग देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसमें मिलने वाली 10 हजार रुपए की राशि महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रोत्साहित करती है।

ग्रामीण विकास मंत्री ने कहा कि, दिसंबर तक राशि देने के बाद जो भी महिला रोजगार को आगे बढ़ाना चाहेगी, उसकी समीक्षा का आंकलन किया जाएगा और फिर महिलाओं को 2 लाख तक की राशि मदद के रूप में दी जाएगी. इस योजना पर विभाग में काम करना शुरू भी कर दिया है.

मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की शुरुआत 26 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई थी. जिसके बाद 75 लाख महिलाओं को डीबीटी के माध्यम से ?10000 की राशि प्रत्येक के खाते में भेजी गई थी. योजना के तहत 7,500 करोड़ की राशि नीतीश सरकार ने महिलाओं को 26 सितंबर को ही भेज दी थी.

**राशि भेजी गई** –मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिलाओं को 10-10 हजार की राशि भेजने के लिए लगातार कार्यक्रम मुख्यमंत्री के तरफ से आयोजित किए गए और चुनाव की घोषणा से पहले एक करोड़ 21 लाख महिलाओं के खाते में 10-10 हजार की राशि भेज दी गई थी. मुख्यमंत्री ने दिसंबर तक राशि भेजने का शेड्यूल पहले ही बना दिया था और उसके तहत चुनाव के बीच भी महिलाओं को रोजगार के लिए 10,000 हजार की राशि जीविका के माध्यम से भेजी गयी. जीविका पदाधिकारी के अनुसार. अब तक एक करोड़ 56 लाख महिलाओं को 10000 प्रत्येक के खाते में भेजी जा चुकी है.

## पूर्णिया में 2 टन प्रतिबंधित थाई मांगुर मछली बरामद

**पूर्णिया, एजेंसी।** पूर्णिया में डंगराहा ओपी की पुलिस और मत्स्य विभाग ने दो मिनी ट्रक पर लदे 2 टन प्रतिबंधित थाई मांगुर मछली को नष्ट कराया है। मत्स्य विभाग पटना से पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि क्षेत्र से प्रतिबंधित मछलियों की बड़ी खेप गुजरने वाली है। ओपी पुलिस ने नाकाबंदी कर दोनों मिनी ट्रकों को पकड़ा और इस पर लदे 2 टन मछलियों को नष्ट कराया।

पुलिस ने मौके से पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के रहने वाले ड्राइवर मो.आमिन, सुरजापुर निवासी मो. इमदाउल हक, देवाशी दास और अनिमेश गुप्ता को पकड़ा। बाद में पीआर बाउंड पर छोड़ दिया गया। मामला बायसी थाना क्षेत्र के डंगराहा ओपी से जुड़ा है।

**गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई** :बायसी थानाध्यक्ष संजीव कुमार ने बताया कि मत्स्य विभाग की ओर से जानकारी मिली थी कि मिनी ट्रक में भरकर प्रतिबंधित मछली की खेप डंगराहा ओपी क्षेत्र से होकर गुजर रही है। मिली सूचना पर पुलिस हरकत में आई। ओपी पुलिस और मत्स्य विभाग पटना की संयुक्त कार्रवाई में टीम को ट्रक मिला। तलाशी में इसमें 2 टन प्रतिबंधित मांगुर मछलियां पाई गईं। जिनकी अनुमानित कीमत लाखों में है। पुलिस ने आगे की कार्रवाई करते हुए मछलियों को ट्रक समेत ओपी लेकर आई। मत्स्य विभाग पटना की मौजूदगी में जेसीबी से गड्ढा खुदवाकर मछलियों को नष्ट किया गया।

**अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों पर कार्रवाई** :शहर के सदर थानाक्षेत्र के खुश्कीबाग और सिटी मछली बाजार में इस प्रतिबंधित मांगुर मछली को चोरी छिपे धड़ल्ले से बेचा जाता है। मछली आढ़त में बंगाल से आ रही है। तालाब या नदी में डाल दिया जाए तो नदी की सारी छोटी-बड़ी मछली को खाकर अपनी जनसंख्या फैलाने का काम करता है।

क्षेत्र में प्रतिबंधित मछलियों की प्रजातियों की खरीद-फरोख्त पर सख्त नजर रखी जा रही है। इस तरह की अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। चाइना मांगुर पूरी तरह से मांसाहारी मछली है। इसकी खूबी है कि गंदे पानी में तेजी से बढ़ती है, जहां अन्य मछलियां पानी में ऑक्सीजन की कमी से मर जाती है, लेकिन ये जीवित रहती है।

**इलाके में चोरी-छिपे बिक्री की जा रही है** :भारत सरकार ने साल 2000 में ही मांगुर मछली के पालन और बिक्री पर रोक लगा दी थी, लेकिन चोरी-छिपे बिक्री जारी है। इस मछली के सेवन से कैंसर जैसी घातक बीमारी हो सकती है। ये मछली मांस खाना पसंद करती है। सड़ा हुआ मांस खाने के कारण इनका शरीर तेजी से बढ़ता है। यही कारण है कि ये मछलियां 3 महीने में 10 किग्रा वजन की हो सकती हैं। इन मछलियों के अंदर घातक हेवी मेटल्स जिसमें आर्सेनिक, कैडमियम, क्रोमियम, मरकरी, लेड पाया जाता है, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है।

चाइना मांगुर से मुख्य रूप से हृदय संबंधी बीमारी के साथ न्यूरोलॉजिकल, यूरोलॉजिकल, लीवर की समस्या, पेट और प्रेग्नेंसी संबंधी बीमारियां और कैंसर जैसी घातक बीमारी अधिक हो रही है। इसका पालन करने से स्थानीय मछलियों को भी क्षति पहुंचती है। साथ ही आसपास के वातावरण और स्वास्थ्य को नुकसान हो रहा है।

## बिहार में 1700 माफियाओं की संपत्ति होगी जब्त ! : डीजीपी

**पटना , एजेंसी।** बिहार में अपराध और माफियातंत्र पर नकेल कसने की दिशा में पुलिस मुख्यालय ने बड़ा कदम उठाया है. बुधवार को डीजीपी विनय कुमार ने समीक्षा बैठक के बाद राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति और आगामी कार्रवाई को लेकर महत्वपूर्ण घोषणा की. उन्होंने बताया कि राज्य भर के 400 कुख्यात अपराधियों, भू-माफियाओं और बालू माफियाओं की विस्तृत सूची तैयार कर न्यायालय को सौंप दी गई है. 1200 से 1300 अपराधियों की सूची तैयार की जा रही है. उनपर भी एक्शन होगा. मतलब ये आंकड़ा 1700 तक पहुंच जाएगा.

**अदालत के फैसले के बाद एक्शन** :डीजीपी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जैसे ही कोर्ट से आदेश प्राप्त होंगे, इन सभी आरोपितों की अवैध संपत्ति जब्त करने की प्रक्रिया तत्काल शुरू कर दी जाएगी. उन्होंने जोर देकर कहा कि 400 अपराधियों की अवैध संपत्ति, बैंक खाते, जमीन, निवेश और अन्य आर्थिक गतिविधियों से जुड़े सभी आवश्यक दस्तावेज सूची के साथ संलग्न किए गए हैं.

'माफियाओं की कमर तोड़नी है' : डीजीपी विनय कुमार ने आगे बताया कि यह कार्रवाई केवल शुरुआत है. राज्य के बारह सौ से तेरह सौ और अपराधियों, जिनमें भू-माफिया, बालू माफिया और संगठित अपराध से जुड़े बड़े नाम शामिल हैं, की नई सूची तैयार की जा रही है. इन सभी की अवैध संपत्तियों से जुड़े दस्तावेज भी जल्द ही न्यायालय को उपलब्ध कराए जाएंगे. इसके बाद न्यायालय के आदेश मिलते ही उनकी संपत्ति जब्ती की प्रक्रिया भी शुरू होगी.

2000 स्कूटी से महिला पुलिस करेगी निगरानी : समीक्षा बैठक में डीजीपी ने शिक्षण संस्थानों के आसपास बढ़ती छेड़खानी और उत्पीड़न की घटनाओं पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की. इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि 'आईएफ टीचिंग स्क्वाड' के गठन का निर्णय अंतिम चरण में है. इस स्क्वाड के लिए 2000 स्कूटी खरीदी जा रही हैं, जिन पर तैनात पुलिसकर्मी स्कूल, कॉलेज और कोचिंग संस्थानों के आसपास लगातार गश्त करेंगे. इस टीम की प्राथमिक जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी प्रकार की छेड़खानी, उत्पीड़न या असामाजिक गतिविधि को तुरंत रोका जाए.

''छात्र-छात्राओं और अभिभावकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है. किसी भी संस्थान के बाहर यदि कोई व्यक्ति ऐसी गतिविधियों में लिप्त पाया जाता है तो उसके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी. बिहार पुलिस इस दिशा में शून्य-सहिष्णुता की नीति अपनाएगी.''- विनय कुमार, डीजीपी, बिहार 'हर जिले में विशेष निगरानी' : बैठक के बाद डीजीपी ने दोहराया कि राज्य सरकार की प्राथमिकता कानून-व्यवस्था को मजबूत करना और जनता को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है. उन्होंने कहा कि बिहार पुलिस पूरी मजबूती और तत्परता के साथ माफियाओं, अपराधियों और संगठित आपराधिक नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई कर रही है. हर जिले में विशेष निगरानी टीमों को सक्रिय किया गया है, जो अपराधियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखेंगी. 'पुलिस का साथ दें' : डीजीपी विनय कुमार ने कहा कि पुलिस मुख्यालय हर स्तर पर पारदर्शी और कड़ा रुख अपनाए हुए है. आने वाले समय में राज्य में अपराध नियंत्रण को लेकर और भी बड़े कदम उठाए जाएंगे. उन्होंने यह भी कहा कि जनता के सहयोग के बिना अपराधों पर पूर्ण नियंत्रण संभव नहीं, इसलिए लोगों से अपील है कि कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने में पुलिस का साथ दें.

### टीआरई-4 का रोस्टर तैयार करने का आदेश :प्रत्येक जिले में 1-1 मॉडल स्कूल और कॉलेज बनेंगे

**पटना, एजेंसी।** शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने गुरुवार को विकास भवन स्थित कार्यालय सभागार में बैठक की। इस मौके पर मौजूद अधिकारियों को शैक्षणिक सत्र नियमित करने के साथ ही टीआरई 4 का रोस्टर शीघ्र तैयार करने का आदेश दिया। उन्होंने राज्य के सभी विद्यालयों में नियमित शारीरिक गतिविधियों और खेलकूद का आयोजन कराने को कहा। बैठक में शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. बी राजेंदर ने पावर प्वाइंट के माध्यम से विभाग की वर्तमान स्थिति एवं कार्य प्रगति की जानकारी दी।मंत्री ने कहा-राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक को उच्च प्राथमिकता दी जाए। एआई का इस्तेमाल कर पढ़ाई करवाई जाए। अकादमिक कार्यप्रणाली को आधुनिक तकनीक आधारित बनाया जाए।

## दरभंगा में प्राइवेट आईटीआई कॉलेज को बुलडोजर से तोड़ा:जमीन विवाद में फायरिंग

**दरभंगा, एजेंसी।** दरभंगा में जमीन विवाद में फायरिंग और तोड़फोड़ की गई है। एक पक्ष के लोगों ने प्राइवेट आईटीआई कॉलेज को बुलडोजर चलाकर तोड़ दिया। कॉलेज में स्टूडेंट भी रह रहे थे। 4-5 छात्रों के घायल होने की भी सूचना है। तोड़फोड़ की सूचना पर कॉलेज के संचालक रहबर आलम अपने बेटों के साथ मौके पर पहुंचे। उन पर भी फायरिंग की बात सामने आ रही है। घटनास्थल से 2 खोखे बरामद हुए हैं।

तोड़फोड़ फायरिंग की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों का गुस्सा भड़क उठा। तारसराय मुरिया-रैयाम-जीरो माइल सहित पांच जगहों पर सड़क जाम कर दिया। दोषियों की गिरफ्तारी और तत्काल कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। करीब डेढ़ घंटे तक रोड जाम रखा। इस दौरान देने लेन में वाहनों की लंबी कतारें लग गई। घटना बालपट्टी थाना क्षेत्र के मुड़िया की है।

**10 साल से परेशान किया जा रहा है**:संचालक रहबर आलम ने कहा कि मुड़िया निवासी सद्दाम और नेमतुल्लाह (राजा भट्ठा मालिक का बेटा) ने कॉलेज पर हमला किया है। 10 साल से मुझे परेशान किया जा रहा है। जेसीबी लाकर मेरे पूरे घर को तबाह कर दिया गया। अगर 24 घंटे में कार्रवाई नहीं हुई तो हम लोग धरने पर बैठ जाएंगे। कई छात्र भी घायल हुए हैं।

**दोषियों पर सख्त कार्रवाई की कही बात** :जाम की सूचना पर सदर एसडीपीओ राजीव कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे। लोगों को समझा बुझाकर मामले को शांत कराया। उन्होंने बताया कि मामला जमीनी विवाद का प्रतीत होता है। एक पक्ष की ओर से जबरन तोड़फोड़ की गई है, जो साफ दिख रहा है। आवेदन के आधार पर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

**जांच के बाद मामला स्पष्ट होगा** :अगर फायरिंग की पुष्टि होती है, तो संबंधित आरोपियों पर अतिरिक्त धाराएं लगाई जाएंगी। मौके से दो खोखा बरामद होने की बात भी स्वीकार की है।

## मायावती को बिहार में झटका, एक विधायक बनाने वाली बसपा के प्रदेश प्रभारी ने छोड़ी पार्टी

**पटना, एजेंसी।** बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में एक सीट जीतने वाली मायावती की बहुजन समाज पार्टी को झटका लगा है। बसपा के बिहार प्रभारी अनिल कुमार ने अपने पद एवं पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। बसपा प्रमुख मायावती को लिखे पत्र में उन्होंने अपने इस्तीफा को लेकर निजी कारणों का हवाला दिया है। वहीं, अपने कार्यकाल के दौरान मिले स्नेह, सहयोग और मार्गदर्शन के लिए पार्टी नेतृत्व का आभार भी जताया है।

एक दिन पहले अनिल कुमार की मौजूदगी में पटना के महाराजा कॉम्पलेक्स स्थित सभागार में बिहार चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। इसमें बसपा सुप्रीमो मायावती के भतीजे एवं राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद के अलावा राज्यसभा सदस्य रामजी गौतम सहित अन्य नेता शामिल हुए थे। बिहार विधानसभा चुनाव में पार्टी की पहले से स्थिति कमजोर थी और अब अचानक अनिल कुमार के इस्तीफा देने से बसपा को बड़ा झटका लगा है।

**एक सीट ही जीत पाई बसपा, विधायक टूटने का भी खतरा**:हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में मायावती की पार्टी ने अकेले लड़कर एक सीट पर ही जीत दर्ज की। कैमूर जिले की रामगढ़ सीट से बसपा प्रत्याशी सतीश यादव ने भाजपा कैंडिडेट को महज 30 वोटों के अंतर से हराया। बसपा को अब अपने एकमात्र विधायक के टूटने का डर भी सता रहा है।

बीते बुधवार को पार्टी की पटना में हुई समीक्षा बैठक में अनिल कुमार ने कहा था कि बसपा के एकमात्र विधायक को तोड़ने के लिए कई प्रलोभन दिए जा रहे हैं, लेकिन हमारे एमएलए टूटेंगे नहीं। बता दें कि 2020 के विधानसभा चुनाव में भी बसपा ने बिहार में एक सीट (चैनपुर) पर जीत दर्ज की थी। वहां से बसपा के विधायक रहे मोहम्मद जमा खान पाला बदलकर जेडीयू में चले गए थे, जिन्हें नीतीश कुमार ने कैबिनेट मंत्री बनाया था।

**बैठक में नहीं रहा सब कुछ बेहतर** : अनिल कुमार के इस्तीफे को बिहार में बसपा के लिए एक बड़ा नुकसान माना जा रहा है, खासकर ऐसे समय में जब विधानसभा चुनाव के बाद पार्टी पहले से ही कमजोर स्थिति में है. पार्टी के कुछ लोगों का ऑफ रिकॉर्ड करना है की 2 दिन पहले पार्टी की समीक्षा बैठक हुई थी जिसमें पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद शामिल हुए थे. विधायक को तोड़ने का लगाया था आरोपः इसमें कुछ लोगों ने अनिल कुमार के कार्य प्रणाली पर सवाल खड़े किए थे. हालांकि अनिल कुमार ने यह भी कहा था कि उनके पार्टी के एकमात्र विधायक सतीश यादव को सत्ताधारी पक्ष की ओर से तोड़ने की कोशिश की जा रही है.

**पार्टी की नहीं मिली प्रतिक्रिया**:हालांकि, पार्टी की ओर से अभी इस इस्तीफे पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है. माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में बसपा नेतृत्व बिहार में नए प्रदेश प्रभारी की नियुक्ति को लेकर कोई बड़ा निर्णय ले सकता है.

अनिल कुमार का इस्तीफा ऐसे समय पर आया है, जब बिहार की राजनीति एक बार फिर नए सियासी समीकरणों की ओर बढ़ रही है. पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजी गौतम का मानना है कि पिछले चुनाव की अपेक्षा इस बार बिहार में बसपा का वोट प्रतिशत बढ़ा है और पार्टी के लिए प्रदेश में करने के लिए बहुत अवसर है.

# निशांत कुमार सिन्हा को मिला पुलिस उपाधीक्षक का पद

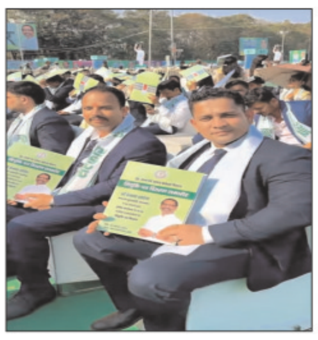

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**गिरिडीह।** शुक्रवार को डी ए वी पब्लिक स्कूल सीसीएल गिरिडीह के लिए बहुत गौरव का अनुभव लेकर आया था क्योंकि उस दिन झारखंड लोक सेवा आयोग ने सिविल सेवा परीक्षा 2023 का परिणाम घोषित किया था। इस घोषणा के साथ विद्यालय के कई छात्रों ने इस सिविल सेवा परीक्षा 2023 में अपना परचम फहराया था । इस परिणाम ने डी ए वी पब्लिक स्कूल सीसीएल गिरिडीह को भी गौरवान्वित करने का कार्य किया। जिसमें निशांत सिन्हा ने 61 वाँ स्थान, दिव्या भारती ने 101 वाँ स्थान तथा रूपाली रोशन ने 106 वाँ स्थान प्राप्त कर खुद को साबित करते हुए परिवार सहित पूरे विद्यालय के मान को भी बढ़ाया। विद्यालय की ओर से प्राचार्य ओमप्रकाश गोयल ने कहा की पूर्व में भी कई छात्रों ने सिविल सेवा परीक्षा उत्तीर्ण की है ।यह परिणाम भी विद्यालय के बच्चों को प्रोत्साहित करेगा कि वे भी देश के कठिनतम परीक्षाओं को उत्तीर्ण कर परिवार ,विद्यालय,जिला सहित पूरे राज्य का मान बढ़ाए। आज झारखंड सरकार से निशांत कुमार सिन्हा को पुलिस उपाधीक्षक के पद पर नियुक्ति प्राप्त हुई एवं अन्य सफल अभ्यर्थियों को भी नियुक्ति पत्र मिला। पूरे विद्यालय प्रबंधन ने सफल विद्यार्थियों के आने वाले सुनहरे भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी है। विद्यालय प्रबंधन आशा करता है कि ये सभी नव नियुक्त अधिकारी अपने कार्य से विद्यालय, परिवार एवं क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे।

# अंतिम दिन शिविरों में उमड़ा जनसमूह

## 1,40275 प्राप्त आवेदनों में से 74114 आवेदनों का हुआ निष्पादन

हजारीबाग ब्यूरो

**हजारीबाग।** आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत आज जिले के विभिन्न पंचायतों में सेवा का अधिकार सप्ताह के अंतिम दिन 28 नवंबर को सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस अभियान का उद्देश्य झारखंड राज्य सेवा देने की गारंटी अधिनियम, 2011 में सूचीबद्ध विभिन्न सरकारी सेवाओं को आम जनता तक समयबद्ध रूप से पहुँचाना था। शिविरों में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने हिस्सा लिया और विभिन्न सेवाओं से जुड़ी समस्याओं एवं आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कराया गया। सभी आवेदन पत्रों का प्राथमिकता के आधार पर तत्परता से निष्पादन करने की प्रक्रिया को तेज कर दिया गया है।

आज आयोजित जिलेभर के शिविरों से प्राप्त आवेदनों में अब तक पूरे जिले में कुल

1,40,275 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 74,114 आवेदनों का निष्पादन किया जा चुका है। जिला प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सेवा का अधिकार सप्ताह के अबतक के शिविरों से प्राप्त प्रत्येक आवेदन का त्वरित और पारदर्शी तरीके से निष्पादन हो, ताकि अधिक से अधिक नागरिकों तक सरकारी सेवाओं का लाभ पहुँच सके।

# बोलेरो से 28 पेटी अवैध शराब जब्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। हुसैनाबाद थाना की पुलिस बल रात्रि गश्ती के दौरान एक बोलेरो नमक वाहन से 28 पेटी में बंद अवैध शराब को पकड़ा है। इस संबंध में हुसैनाबाद थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी ने प्रेस के समक्ष गाड़ी संचालित कर रहे आरोपी व अवैध शराब को प्रस्तुत किया। थाना प्रभारी ने बताया कि गश्ती दल 27 नवंबर की रात्रि क्षेत्र की गश्ती पर निकले थे। इसी बीच नारायणपुर बाजार के पास गश्ती दल पहुंचा ही था कि विपरीत दिशा से पथरा गांव की ओर से एक उजाला रंग का बोलोरो आ रहा था। पुलिस की गाड़ी को देखकर अपनी गाड़ी को घुमाकर भगाना चाहता था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए भगा रहे बोलेरो वाहन सहित उसमें लदे हुए अवैध शराब को जप्त किया। उन्होंने बताया कि वाहन को पकड़ने के बाद हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के अलीनगर निवासी 24 वर्षीय वाहन चालक सौरभ सिंह से पूछताछ की गई। चालक से शराब से संबंधित कागजात की मांग की गई । लेकिन वह किसी तरह का कागजात नहीं दिखा सका। उन्होंने बताया कि बोलेरो की तलाशी ली गई, तलाशी के दौरान प्लास्टिक के पांच बोरे में 28 कार्टुन देशी शराब जप्त किया गया। साथ ही हुसैनाबाद थाना कांड सं. 269/25 दर्ज किया गया। कांड में गिरफ्तार अभियुक्त सौरभ सिंह न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी ने बताया कि गश्ती दल में सअनि कालिका राम, हवलदार नवकिशोर प्रधान, आरक्षी सोभनाथ साव, आरक्षी अरविन्द कुमार, लचा आरक्षी सुरेन्द्र पाल शामिल थे।

# जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में उपायुक्त ने दिये कई निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**गिरिडीह ।** स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ और सुगम बनाने के उद्देश्य से आज जिला उपायुक्त रामनिवास यादव ने आज अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक की। बैठक में उपायुक्त ने स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ और सुगम बनाने पर जोर दिया। इस दौरान सदर अस्पताल समेत सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने और मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु अस्पताल प्रबंधन की बैठक में कई अहम बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा किया गया। उपायुक्त ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में उपलब्ध कराए गए संसाधनों का बेहतर तरीके से उपयोग कर स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता में सुधार व विस्तार का लाभ लोगों को अधिक से अधिक दिया जा सके। इसके लिए सभी स्वास्थ्य कर्मियों को जिम्मेवारी एवं संवेदनशीलता के साथ प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से प्रतिनियुक्ति सभी कर्मी अपनी जिम्मेदारियों को समझें। साथ ही कड़े शब्दों में निर्देशित किया कि जो भी स्वास्थ्य कर्मी, चिकित्सक, नर्स, एएनएम अपने दायित्वों में लापरवाही बरतने का काम करते हैं उन्हें चिन्हित कर स्पष्ट अनुशंसा के साथ कार्रवाई के लिए लिखें। साथ ही एमओआईसी को निर्देशित किया नियमित समीक्षा करें, आधारभूत संरचना निर्माण कार्यों की गुणवत्ता जांच करें, उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करने की जिम्मेवारी का निर्वहन करें।इसके अलावा उपायुक्त ने सदर अस्पताल में कार्यरत स्टॉफ की संख्या, चिकित्सकों की उपस्थिति तथा नियमित मॉनिटरिंग, दवाओं की उपलब्धता, संसाधनों की उपलब्धता, अस्पताल की नियमित

साफ-सफाई, महिला चिकित्सकों नर्सों की उपस्थिति, ओपीडी का संचालन एवं रख-रखाव, आयुष्मान भारत के तहत लाभान्वित संख्या, ब्लड बैंक का संचालन समेत विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा कर स्वास्थ्य सुविधाओं को सुगम बनाने का निर्देश दिया। आगे उपायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारियों को स्पष्ट शब्दों में निर्देशित किया कि स्वास्थ्य सुविधाओं और सेवाओं को सुदूरवर्ती क्षेत्रों में सुगमता पूर्वक पहुंचाना हमारी प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक है। मरीजों को सुगम तरीके से स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलें, सभी संबंधित अधिकारी यह सुनिश्चित करें। इस कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही और कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सबकी जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और उन्हें और अधिक सुलभ बनाने के लिए ठोस कदम उठाने का निर्देश दिया। सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे स्वास्थ्य सेवाओं को जनहित में सर्वोच्च प्राथमिकता दें और निर्धारित समय-सीमा में सभी कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करें। उपायुक्त ने सिविल सर्जन को सभी अनुमंडल अस्पतालों में अनुभवी चिकित्सकों की प्रतिनियुक्ति करने की बात कहीं। ताकि अस्पतालों में रोगी देखभाल की गुणवत्ता और विशेषज्ञता को बढ़ावा मिलेगा बैठक में उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी, गिरिडीह, सिविल सर्जन, अस्पताल उपाधीक्षक, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी, डीपीएम, एनएचएम समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

## चौपारण-2 क्षेत्र की स्वास्थ्य समस्याओं पर हुआ गंभीर मंथन

# जिप सदस्य रवि शंकर अकेला ने स्वास्थ्य मंत्री को सौंपा प्रतिवेदन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**चौपारण (हजारीबाग)।** रांची में शुक्रवार को झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी से मुलाकात के दौरान जिला परिषद क्षेत्र-2 चौपारण के जिप सदस्य रवि शंकर अकेला ने स्वास्थ्य व्यवस्था की गिरती स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने बैठक में चौपारण व बरही विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली से संबंधित विस्तारपूर्वक रिपोर्ट मंत्री को सौंपी। श्री अकेला ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के साथ ही कई स्वास्थ्य उप-केंद्र डॉक्टरों, नर्सों और आवश्यक चिकित्साकर्मियों की भारी कमी से जूझ रहे हैं। दवाइयों की नियमित आपूर्ति नहीं होने के कारण मरीजों को निजी क्लीनिकों पर निर्भर होना पड़ रहा है। साथ ही एम्बुलेंस सेवा की अनियमितता के कारण गंभीर मरीज और प्रसूता माताएँ समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पा रही हैं। इस पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने शिकायतों को गंभीरता से लिया और आश्वासन दिया कि सरकार जल्द आवश्यक कदम उठाएगी और प्राथमिकता के आधार पर चौपारण व बरही क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत किया जाएगा।

मुलाकात के अंत में जिप सदस्य रवि शंकर अकेला ने

मंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जल्द ही क्षेत्र की आम जनता बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ पाने की उम्मीद कर रही है।

# डीआईजी ने किया थानों का निरीक्षण

## लंबित कांडों के निष्पादन पर दिया जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**कटिहार नगर।** पूर्णियाँ क्षेत्र के पुलिस उप-महानिरीक्षक प्रमोद कुमार मंडल ने जिले का आधिकारिक दौरा किया। इस दौरान उन्होंने जिले स्थापित साइबर थाना और महिला थाना का गहन निरीक्षण किया। कटिहार आगमन डीआईजी को सम्मानपूर्वक गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। डीआईजी प्रमोद कुमार मंडल ने दोनों थानों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने विशेष रूप से थानों में लंबित कांडों के शीघ्र और प्रभावी निष्पादन के लिए संबंधित थानाध्यक्षों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आपराधिक और साइबर अपराधों से जुड़े मामलों के त्वरित निवारण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। डीआईजी के निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर अभिजीत कुमार सिंह व पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय मृदुलता उपस्थित रहे।

# अरदास और शब्द-वाणी की गूंज के बीच 350वां महान शहीदी शताब्दी गुरुपर्व सम्पन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**बरारी /कटिहार ।** श्री गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहीदी शताब्दी के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय भव्य गुरुपर्व का समापन शाम को ऐतिहासिक श्री गुरु तेग बहादुर गुरुद्वारा लक्ष्मीपुर में विश्व कल्याण की अरदास और गुरु का अटूट लंगर सेवा के साथ हो गया। पंजाब, हरियाणा, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, असम, झारखंड और बिहार प्रान्त के विविध शहरों से लगभग दो हजार संगतों के अलावा कटिहार जिले के विभिन्न क्षेत्रों से करीब 25 हजार श्रद्धालु गुरुद्वारा पहुंचे और गुरु महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। समापन अवसर पर बिहार अल्पसंख्यक आयोग के प्रदेश उपाध्यक्ष लखविंदर सिंह लक्खा, जिला परिषद अध्यक्ष रश्मि सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज राय,पूर्व केंद्रीय मंत्री निखिल कुमार चौधरी, सेमापुर भाजपा मंडल अध्यक्ष संतोष

भगत सहित कई विशिष्ट व्यक्तियों ने माथा टेका।

सभी अतिथियों ने गुरुद्वारा की धरोहर हस्तलिखित गुरुग्रंथ साहिब, गुरु गोविंद सिंह महाराज द्वारा भेजे गए माछीवारा हुक्मनामा तथा अन्य ऐतिहासिक ग्रंथों का दर्शन कर अध्ययन भी किया।तीन दिवसीय कार्यक्रम की शुरूआत मंगलवार को श्री गुरु ग्रंथ साहिब के अखंड पाठ और पंच प्यारों की अगुवाई में निकाले गए नगर कीर्तन से हुई थी।

गुरुद्वारा परिसर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसने क्षेत्र के अलग-अलग हिस्सों का भ्रमण किया। समापन दिवस पर देशभर से आए प्रसिद्ध रागी जत्थों–लखनऊ की बीबी जसप्रीत कौर,भाई सुखप्रीत सिंह, भाई पवनदीप सिंह, रांची के भरपूर सिंह, अमृतसर के भाई चरनजीत सिंह फानी, और जालंधर के ढाढी जत्थे भाई जगजीवन सिंह ने अपनी स्वर-नाद से संगत को गुरुवाणी के विचारों से निहाल किया।गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी ने सभी गणमान्यों को शिरोपा एवं श्री साहब देकर सम्मानित किया। समापन के दौरान लखविंदर सिंह लक्खा ने गुरुतेग बहादुर जी की शहादत को मानवाधिकार, धर्म-सुरक्षा और आत्मसम्मान की सर्वोच्च मिसाल बताया। पूर्व केंद्रीय मंत्री निखिल कुमार चौधरी और भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज राय ने कहा कि गुरु महाराज की कृपा से उन्हें पुनः दरबार में माथा टेकने का सौभाग्य मिला। जिला परिषद अध्यक्ष रश्मि सिंह ने कहा कि गुरु दरबार में आकर हर कष्ट दूर हो जाता है और यहां की सेवा सभी के लिए प्रेरक है। ग्रामवासियों के सहयोग और सेवा भावना ने पूरे गुरुपर्व को सफल बनाया। समापन अरदास के बाद गुरु का लंगर सेवा अटूट जारी रही।

# स्वास्थ्य केंद्रों का सिविल सर्जन ने किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**मेदिनीनगर (पलामू)।** सतबरवा में स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से पलामू सिविल सर्जन डॉ. अनिल श्रीवास्तव व स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारियों की टीम शुक्रवार को एएएम, पीएचसी व सीएचसी का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहे कार्यों की प्रगति, उपलब्ध चिकित्सकीय सुविधाओं व संसाधनों का आंकलन किया। सिविल सर्जन ने ट्रॉमा सेंटर शुरू करने की संभावनाओं पर भी चर्चा की। इसके लिए मौजूद भवन व अवसंरचना, आवश्यक मानव बल, चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता व अतिरिक्त संसाधनों की जरूरत का बारीकी से मूल्यांकन किया। सिविल सर्जन डॉ अनिल श्रीवास्तव के निरीक्षण के दौरान थाना परिसर में लंबे समय से खड़ी एम्बुलेंस का भी मुद्दा सामने आया। अधिकारियों ने एम्बुलेंस के पार्क रहने के कारणों की पड़ताल की। साथ ही जल्द समाधान निकालकर इसे सेवा में वापस लाने के निर्देश दिया। सिविल सर्जन ने कहा कि निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

# शिविरों में उमड़ रही लाभुकों की भीड़, ग्रामीणों को हो रही सहूलियत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**गिरिडीह।** प्रखंड के मांगरोडीह चुजका, अकडोनीखुर्द सोनादोनी पंचायत में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार शिविर लगा। मांगरोडीह पंचायत में लगे शिविर में मुख्य रूप से बीडीओ गणेश रजक मुखिया आशा देवी ने लोगों से अपील की सभी ईस केम्प का लाभ ले केम्प मै उपस्थित पंसस, वार्ड सदस्य, सहिया एवं आंगनबाड़ी सेविकायें व अन्य कार्यालय कर्मी शामिल हुए। शिविर में पंचायत के ग्रामीण महिला-पुरूष उपस्थित थे। मौके पर ग्रामीणों को कार्यक्रम का उद्देश्य योजनाओं राशनकार्ड, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, सर्वजन पेंशन योजना, पीएम आवास, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना सहित अन्य योजनाओं एवं लाभुकों की आहर्ता और आवेदन देने की प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी देते हुए इसका लाभ उठाने की अपील की गई। शिविर में विभिन्न योजनाओं का अलग अलग स्टॉल लगाया गया था। जहां लाभुकों से आवेदन लिये गये। कई लाभुकों के बीच धोती साड़ी एवं मनरेगा लेबर कार्ड का वितरण किया गया। वहीं इस दौरान सभी पंचायतों में एक-एक शिशु का अन्नप्राशन मुंहजुठी एवं एक-एक गर्भवती महिला की गोद भराई की गई। इस मौके पर प्रखंड अध्यक्ष एवं प्रखंड कार्यालय कर्मी आदि उपस्थित थे।

इसी तरह गिरिडीह प्रखंड के चूजका में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार शिविर लगा। चुजका पंचायत में लगे शिविर का उदघाटन 20 सूत्री अध्यक्ष संजय सिंह के द्वारा किया गया। मुखिया सावित्री देवीने कहा इस कैम्प का ग्रामीण लाभ उठाएं। कैम्प में पंसस, वार्ड सदस्य, सहिया एवं आंगनबाड़ी सेविकायें व

अन्य कार्यालय कर्मी शामिल हुए। मौके पर ग्रामीणों को कार्यक्रम का उद्देश्य जनकल्याणकारी योजनाओं राशनकार्ड, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, सर्वजन पेंशन योजना, पीएम आवास, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना सहित अन्य योजनाओं एवं लाभुकों की आहर्ता और आवेदन देने की प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी देते हुए इसका लाभ उठाने की अपील की गई। शिविर में विभिन्न योजनाओं का अलग अलग स्टॉल लगाया गया था। जहां लाभुकों से आवेदन लिये गये। कई लाभुकों के बीच धोती साड़ी एवं मनरेगा लेबर कार्ड का वितरण किया गया। वहीं इस दौरान सभी पंचायतों में एक-एक शिशु का अन्नप्राशन मुंहजुठी एवं एक-एक गर्भवती महिला की गोद भराई की गई। इस मौके पर प्रखंड अध्यक्ष, झामुमो नेता, मुखिया, प्रखंड कार्यालय कर्मी आदि उपस्थित थे।

# उम्मीदों की सरकार है अबुआ सरकारः झामुमो

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

**गिरिडीह ।** अबुआ सरकार का एक साल पूरा होने के अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विभिन्न सेवाओं के लिए चयनित हजारों अभ्यर्थियों को शुक्रवार को रांची में नियुक्ति पत्र दिया। नियुक्ति पत्र मिलने से अभ्यर्थियों के चेहरों पर खुशी छा गई । अबुआ सरकार का एक साल पूरा होने के अवसर पर झामुमो के जिला प्रवक्ता कृष्ण मुरारी शर्मा ने कहा कि अबुआ सरकार उम्मीदों की सरकार है। आज पूरे झारखंड में उत्सव का माहौल है। सभी वर्गों को इस सरकार से उम्मीद है। विशेष कर एससी, एसटी, ओबीसी, अल्पसंख्यक को अबुआ सरकार से ज्यादा उम्मीद है। आज वो उम्मीद साकार होता दिख रहा है। उन्होंने कहा कि झारखण्ड की जनता ने पिछले साल अबुआ सरकार को अपना भरपूर आशीर्वाद देकर इतिहास रचा था। आज झारखण्ड सरकार का एक साल पूरा हुआ। इसी ऐतिहासिक अवसर पर झारखण्ड के हजारों नौजवानों को सरकारी नौकरी की सौगात दी गई । उन्होंने सभी नव नियुक्त अभ्यर्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

# जनता दरबार में समस्याओं का हुआ ऑन स्पॉट निष्पादन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**गिरिडीह।** आज उपायुक्त, रामनिवास यादव ने अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में जनता दरबार लगाकर आमजनों की शिकायतों को सुना और उसके त्वरित निराकरण को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया। जनता दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से व्यक्तिगत एवं सामाजिक समस्याओं के निराकरण हेतु आए करीब दर्जनों से ज्यादा लोगों से उपायुक्त ने मिलकर उनकी समस्याएं सुनी तथा प्राप्त आवेदनों को संबंधित अधिकारियों को अग्रसारित करते हुए यथोचित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इस प्रकार बारी-बारी से लोगों ने विभिन्न प्रकार की समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। इस दौरान कई समस्याओं का ऑन द स्पॉट भी निष्पादन किया गया। जनता दरबार में उपस्थित फरियादियों ने जमीन विवाद, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, पेंशन, राशन, शिक्षा एवं अन्य

समस्याओं से संबंधित आवेदन दिए। प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित पदाधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। साथ ही भूमि विवाद से संबंधित शिकायतों पर अंचलाधिकारियों को तत्काल समाधान हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। प्रत्येक मामले में फोन पर संबंधित अधिकारी से अद्यतन स्थिति की जानकारी ली और पारदर्शी ढंग से निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा। उपायुक्त ने उपस्थित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करें ताकि आमजन को राहत मिल सके। जनता दरबार के प्रति आमजनों का बढ़ रहा है भरोसा, हर मंगलवार और शुक्रवार को सौ से ज्यादा लोग जनता दरबार में पहुंच रहे हैं, अपनी शिकायत से उपायुक्त को अवगत करा रहे हैं।

CMYK

# पंचायत चुनाव में सभी आरक्षित पदों में होगा फेरबदल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**पटना।** राज्य निर्वाचन आयोग को अब त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव कराने के लिए निर्धारित प्रविधान के तहत सभी आरक्षित कोटि के पदों के चक्र में बदलाव करना होगा। दरअसल, पिछले दो चुनावों में जिन पदों पर जिस कोटि के प्रत्याशियों को आरक्षण का लाभ दिया गया था अब वहां पर आरक्षण का चक्र बदल जाएगा।

त्रिस्तरीय पंचायत आम चुनाव में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अत्यंत पिछड़ा वर्ग एवं महिलाओं को अधिकतम 50 प्रतिशत आरक्षण का प्रविधान है। ऐसे में राज्य में होने वाले पंचायत चुनाव में तीसरी बार आरक्षण के चक्र में बदलाव होगा।

पंचायती राज अधिनियम में व्यवस्था है कि लगातार दो आम चुनावों के उपरांत आरक्षण का चक्र बदल जाएगा। विदित हो कि नीतीश सरकार ने वर्ष 2006 में पहली बार सभी पदों का आरक्षण लागू किया गया था जिसका चक्र 2011 में समाप्त हो गया।

वर्ष 2016 एवं वर्ष 2021 का पंचायत आम चुनाव में एक पद पर लगातार दो बार जिस कोटि के प्रत्याशियों लिए आरक्षित किया गया था। अब वर्ष 2026 में पंचायत आम चुनाव वह चक्र बदल जाएगा। अब जिस कोटि के प्रत्याशियों के लिए 2021 में पद आरक्षित थे उसे समाप्त कर जनगणना के आधार पर नए सिरे से आरक्षण का लाभ दिया जाएगा।

त्रिस्तरीय पंचायतों में पदों का आरक्षण अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति को उसकी जनसंख्या के अनुपात में दिया जाता है। अगर किसी निर्वाचन क्षेत्र में अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति की आबादी 25 प्रतिशत है तो वहां उस कोटि के पदों का आरक्षण भी 25 प्रतिशत होगा। शेष पदों में अत्यंत पिछड़ा वर्ग के प्रत्याशियों को 20 प्रतिशत के निकट होगी।

# निगरानी की टीम ने राजस्व कर्मी को रंगे हाथ दबोचा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**सिवान।** निगरानी विभाग की टीम ने शुक्रवार को हसनपुरा अंचल के राजस्व कर्मचारी को घूस लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। टीम ने गोपालपुर बाजार में संचालित उनके निजी कार्यालय से पकड़कर पूछताछ के लिए अपने साथ लेकर पटना चली गई। इस दौरान उनके सहयोगी निजी ऑपरेटर से भी पूछताछ की गई।

गिरफ्तार राजस्व कर्मचारी दिलीप कुमार सिन्हा हैं। इस संबंध में निगरानी डीएसपी श्याम बाबू प्रसाद ने बताया कि थाना क्षेत्र के हसनपुरवा निवासी श्रेय राज ने निगरानी थाना में आवेदन दिया था कि उनकी दादी विंध्यवासिनी देवी के नाम से पचरूखी प्रखंड के पड़ौली गांव में है जो 10 कट्ठा चार धुर खतियान में दर्ज है। उक्त जमीन की बिक्री मुखिया विपिन सिंह से की गई थी। जिसका दाखिल-खारिज अंचल कार्यालय में नहीं हो पाया था। ऐसे में उनके आवेदन को अंचल द्वारा अस्वीकृत कर दिया गया था। इसके बाद उन्होंने सदर भूमि सुधार उप समाहर्ता के यहां वाद संख्या 352/23-24 अपील दायर की थी।इस मामले में डीसीएलआर ने मुखिया विपिन सिंह के पक्ष को रि-स्टेट करते हुए सीओ हसनपुरा को दाखिल-खारिज के लिए निर्देशित किया था। जब श्रेयस राज के पिता अंचलाधिकारी व राजस्व कर्मचारी दिलीप कुमार सिन्हा से मिलने पहुंचे तो इस संबंध में पहले उन्हें उक्त जमीन का परिमार्जन कराने की बात कही गई।

इसके बाद ही आगे की कार्रवाई करने को कहा गया। जब वादी ने परिमार्जन हेतु अंचल कार्यालय में आवेदन दिया, इसके काफी दिन बीत जाने के बाद भी परिमार्जन की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई। तब जाकर उन्होंने पुनः राजस्व कर्मचारी से मुलाकात की। वहीं, राजस्व कर्मचारी द्वारा इसके एवज में 65 हजार रुपए घुस देने की बात कही गई।

पैसे की व्यवस्था उनके द्वारा नहीं होने पर उनके पहले आवेदन को पुनः अस्वीकृत कर दिया गया। जब उन्होंने दूसरा आवेदन दिया तो राजस्व कर्मचारी द्वारा बताया गया कि 65 हजार रुपए की व्यवस्था करें और दो से तीन किस्त में राशि का भुगतान कर दें। उन्होंने 15 हजार रुपए की व्यवस्था करते हुए 10 नवंबर को निगरानी थाना में आवेदन दिया। थाना में प्राप्त आवेदन के आलोक में 18 नवंबर को मामले का सत्यापन कराया गया।

सत्यापन में रिश्वत मांगने की बात सही पाई गई। इसके बाद 27 नवंबर को कांड दर्ज करते हुए डीएसपी श्याम बाबू प्रसाद को अनुसंधानकर्ता बनाते हुए उनके नेतृत्व में धावा दल का गठन करते हुए एमएच नगर थाना क्षेत्र के गोपालपुर चौक पर अवैध रूप से संचालित हो रहे निजी कार्यालय पर छापेमारी की गई। इस दौरान शिकायतकर्ता श्रेय राज से घुस के 15 हजार रुपये नकद राशि लेते राजस्व कर्मचारी को रंगेहाथ पकड़ लिया गया। इस संबंध में धावा दल नेतृत्वकर्ता डीएसपी श्याम बाबू प्रसाद ने बताया कि अवैध रूप से संचालित कार्यालय से राजस्व कर्मचारी के सहयोगी सह निजी ऑपरेटर धनंजय कुमार को भी मामले में संलिप्तता को लेकर हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

# छात्रों की थाली से अंडे हुए गायब

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**शेखपुरा।** सरकारी विद्यालयों में बच्चों को मिलने वाला दोपहर के पके हुए भोजन की थाली से अंडा गायब हो गया है। बच्चों की थाली से अंडा गायब हुए लगभग दो वर्ष हो चुके हैं। सरकार ने विद्यालयों के दोपहर के भोजन में बच्चों के पोषण को मजबूत करने के लिए शुक्रवार को निर्धारित मेनू के साथ अतिरिक्त रूप से प्रत्येक बच्चा एक उबला हुआ अंडा देने का मानक तय किया है। मगर स्कूलों में इस मानक को ताक पर रखकर गुरु जी एक केला या दूसरे फल बांटकर मेनू की खानापूर्ति की जा रही है।

अंडा के मानक को ताक पर रखने के पीछे सरकार का ही एक प्राविधान मौका उपलब्ध करा रहा है। इस प्राविधान में कहा गया है,जो बच्चे शाकाहारी हैं,उन्हें अंडा के बदले मौसमी फल देना है,मगर यहां अपने लाभ के लिए सभी बच्चों को शाकाहारी बनाकर उन्हें अंडे के बदले मौसमी फल के रूप में केला,सेव,नारंगी दिया जा रहा है।

इस संबंध में शिक्षा विभाग के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी ने बताया एमडीएम का नियमित निरीक्षण और निगरानी की जाती है। इस क्रम में अनियमितता मिलने पर कार्रवाई भी की जाती है।एमडीएम में निर्धारित मेनू का पालन करने का निर्देश दिया हुआ है। इधर अंडे की अधिक कीमत की आड़ में कई विद्यालयों में बच्चों को मौसमी फल से भी वंचित रखा जा रहा है।मौसमी फल के नाम पर सर्दी में भी केला खिलाया जा रहा है,वो भी निचली कक्षा के बच्चों को नहीं दिया जाता है।स्कूलों के एमडीएम से शुक्रवार को अंडा गायब होने को लेकर सरकारी विद्यालयों के प्रधान तथा शिक्षक अपना ठोस तर्क देते हैं। अपनी पहचान सार्वजनिक नहीं करने पर कई विद्यालयों के प्रधान ने बताया सरकार एक अंडे का मूल्य मात्र 5 रुपया निर्धारित किया हुआ है,जबकि बाजार में एक अंडा 8 रुपए में मिलता है।

# लोहरसी में सेवा का अधिकार सप्ताह कार्यक्रम का शुभारंभ

**स्वास्थ्य शिविर, वस्त्र वितरण और लेबर कार्ड से लाभान्वित हुए ग्रामीण**

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**मेदिनीनगर (पलामू)।** पांकी प्रखंड के लोहरसी पंचायत में सेवा का अधिकार सप्ताह कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन लोहरसी की मुखिया चिंता देवी ने फीता काटकर किया। उद्घाटन के साथ ही परिसर में लोगों की सुविधा के लिए स्वास्थ्य शिविर, वस्त्र वितरण और लेबर कार्ड वितरण जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। कार्यक्रम स्थल पर स्वास्थ्य विभाग की टीम मौजूद रही, जहां ग्रामीणों की जांच के साथ आवश्यक परामर्श भी दिया गया। मुखिया चिंता देवी ने सामाजिक दायित्व का परिचय देते हुए महिलाओं के बीच साड़ी और पुरुषों के बीच धोती वितरित की। इसके साथ ही श्रमिकों के लिए लेबर कार्ड वितरण शिविर का आयोजन किया गया। मुखिया चिंता देवी ने कहा कि सेवा का अधिकार सप्ताह आम जनों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने और जागरूक करने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों से अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की। कार्यक्रम में स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी दिखी। मौके पर मुखिया पति सह समाजसेवी अरविंद सिंह, थाना प्रभारी सुबोध कुमार, पांकी प्रखंड विकास अधिकारी ललित प्रसाद सिंह, प्रकाश बर्धन, तुलसी कुमार, डॉ. रियाज अनवर, अजय ठाकुर, सुरेंद्र यादव, नागेन्द्र कुमार, नगीना डीलर, पिंटू अंसारी, मालती देवी, अनीता देवी, रेखा देवी सहित कई लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम के सफल संचालन के बाद ग्रामीणों ने कहा कि ऐसी पहलें गांव में जागरूकता और सुविधा दोनों बढ़ाती हैं। सेवा का अधिकार सप्ताह के तहत आने वाले दिनों में भी विभिन्न विभागों द्वारा कई तरह की सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

## प्रखण्ड स्तर पर स्नातक स्तर की पढ़ाई की कवायद शुरू

**मुजफ्फरपुर।** राज्य के सभी जिलों में प्रखंड स्तर पर उच्च शिक्षा की व्यवस्था की जाएगी। वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में सरकार ने इसकी घोषणा की है, जिसे धरातल पर उतारने के लिए विभागीय तैयारी शुरू है। बीआरए बिहार विवि के अधीन छह जिलों के 44 प्रखंडों में नए डिग्री कालेज खुलेंगे। मुजफ्फरपुर के चार प्रखंडों औराई, बोचहां, मुरौल वर गायघाट को चिह्नित किया गया है। यहां अब तक एक भी डिग्री कालेज नहीं है। वहीं वैशाली, पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, सीतामढ़ी व शिवहर जिले के प्रखंडों में भी कालेज खोलने के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। जिन प्रखंडों में अब तक स्नातक की पढ़ाई नहीं हो रही, वैसे प्रखंड को चिह्नित कर कालेज की स्थापना के लिए सभी विश्वविद्यालयों से प्रस्ताव भेजा गया है।

# ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा का उदाहरण बने रेल के उप सीटीआई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**कटिहार।** कटिहार जोगबनी रेलखंड में यात्री का छुटा समान कर्मी के सहयोग से मिला। जानकारी के अनुसार रेल मंडल के उप सीटीआई मोहम्मद कलीम की ड्यूटी ट्रेन संख्या 12488 सीमांचल एक्सप्रेस में कटिहार से जोगबनी तक थी। ड्यूटी के दौरान जब ट्रेन फारबिसगंज से प्रस्थान कर चुकी थी। तब कोच बी/3 के बर्थ संख्या 17 पर एक महिला यात्री का पर्स छूटे होने की जानकारी मिली।पर्स को सुरक्षित कब्जे में लेकर जाँच की गई। जिसमें मोबाइल फोन,कुछ नकद राशि, आधार कार्ड, पेन कार्ड, वोटर कार्ड सहित महत्वपूर्ण दस्तावेज मिले। यात्री का नाम संतोष गोयल (65),पीएनआर नंबर 2939762779,यात्रा आनंद विहार से फारबिसगंज तक का था । उसके बाद एचएचटी के माध्यम से यात्री का विवरण प्राप्त कर मोबाइल नंबर निकाला गया और संपर्क किया गया। कॉल यात्री के बेटे रोहित गोयल ने उठाया। सत्यापन के बाद वे जोगबनी स्टेशन पहुँचकर पर्स को सुरक्षित रूप से प्राप्त किये यात्री के पुत्र ने इस ईमानदार कार्य हेतु मोहम्मद कलीम और रेल प्रशासन को हार्दिक धन्यवाद दिया तथा इस उत्कृष्ट कर्तव्यनिष्ठा की प्रशंसा की।

## प्रशासन का चला बुलडोजर

**जमशेदपुर।** स्वणरिखा घाट से लेकर सिद्धू कान्हू चौक तक अतिक्रमण हटाया गया। जिससे बहुत सारे परिवार बेघर हो गए। उनके समक्ष इस ठंड में सर छुपाने का कोई स्थान नहीं रहा। स्वर्ण रेखा शमशान घाट स्थित काली मंदिर में 40 परिवारों ने किसी ढंग से रात बिताया।झारखंड के पूर्व मंत्री दुलाल भुइयां ने कहा कि जिला प्रशासन और टाटा कंपनी ने एक बार भी नहीं सोचा कि घर में बच्चे, बुजुर्ग सब है। इनका ऊपर छत नहीं रहेगा, तो यह लोग कहां रहेंगे। जब विस्थापन नीति बनी हुई है, तो पहले इन सब का पुनर्वास किया जाता। उसके बाद हटाया जाता। बिना कोई सूचना के जिला प्रशासन और टाटा कंपनी ने मिलकर बुलडोजर चला दिया है।

वहीं समाज सेवी शिव शंकर सिंह ने कहा कि हमारा मन बड़ा दुखी है। हम अपने समर्थ के अनुसार कुछ भोजन सामग्री और अन्य वस्तु लेकर आए हुए हैं, ताकि कुछ व्यवस्था इन लोगों के लिए हो जाए। इन लोगों ने अपना बना हुआ भोजन नहीं खाया और कल भूखे ही रहे। इसलिए कुछ इन लोगों के लिए हमने सामग्री लाया है और हम लोग विचार विमर्श करेंगे कि कैसे इन लोगों को बसाया जाए।

**अशोका यूनिवर्सिटी की यंग इंडिया फेलोशिप**

# 15 साल पूरे होने पर नया डिप्लोमा कोर्स किया लॉन्च

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**रांची।** इंटरडिसिप्लिनरी उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी अशोका यूनिवर्सिटी ने यंग इंडिया फेलोशिप (वाईआईएफ) के 16वें बैच, सत्र 2026-27 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। फेलोशिप के 15 वर्ष पूरे होने के अवसर पर विश्वविद्यालय ने घोषणा की है कि अब वाईआईएफ इंटरडिसिप्लिनरी स्टडीज में पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा प्रदान करेगी। इस बैच के सभी चयनित फेलोज को एचडीएफसी बैंक के सहयोग से स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी। करीब 100 सीटों वाले इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में पूरे देश, विशेषकर पटना और रांची जैसे शैक्षणिक रूप से उभरते शहरों से प्रतिभाशाली युवाओं को आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। आवेदन की पहली राउंड 19 जनवरी 2026 तक खुली रहेगी। फेलोशिप की विरासत पर बात करते हुए, अशोका यूनिवर्सिटी के बोर्ड ऑफ ट्रस्टी के संस्थापक और चेयरपर्सन प्रमथ राज सिन्हा ने कहा, अशोका की शुरूआत यंग इंडिया फेलोशिप से हुई थी, इसलिए इसका विश्वविद्यालय में बेहद खास स्थान है। प्रोग्राम का उद्देश्य ऐसे युवाओं को तैयार करना है, जिनमें नेतृत्व क्षमता और सामाजिक बदलाव लाने की प्रतिबद्धता हो। पिछले 14 वर्षों में लगभग 2400 पूर्व छात्र सरकार, सिविल सोसायटी, विकास क्षेत्र, अकादमिक जगत, शोध, खेल, परफॉर्मिंग आर्ट्स, बहुराष्ट्रीय संगठनों, कॉरपोरेट जगत और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं। फेलोशिप के प्रभाव पर बात करते हुए, अशोका यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर सोमक रायचौधरी ने कहा, ह्ययंग इंडिया फेलोशिप ने विश्वविद्यालय में ऐसे नेताओं को तैयार करने में बड़ी सफलता हासिल की है, जो आज दुनियाभर में अपना नाम बना रहे हैं। इसमें सभी आयु वर्ग और राष्ट्रीयताओं के उम्मीदवार, जिनके पास जुलाई 2026 तक किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से स्नातक की डिग्री होगी (अंतिम वर्ष के छात्र भी पात्र), आवेदन कर सकते हैं।

# छात्रों को किया गया अग्निवीर योजना में भर्ती होने को प्रेरित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**कटिहार।** सेना भर्ती कार्यालय कटिहार की ओर से राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, कटिहार में छात्र-छात्राओं को अग्निवीर में भर्ती होने के लिए प्रेरित करने के लिए आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में निदेशक एवं एनसीओ अधिकारी मुख्य रुप से मौजूद रहे।इस क्रम में उन्होंने अग्निवीर योजना के बारे विस्तार से जानकारी दी।जिसमें चार वर्षों तक मिलने वाला वेतन,अन्य सुविधा एवं सेवा अवधि के बाद के लाभ के बारे में विस्तार से बताया।वहीं अग्निवीर में भर्ती की पूरी प्रक्रिया,आवेदन पत्र भरते समय बरती जाने वाली सावधानियों, लाभ,विभिन्न विकल्पों, बोनस अंकों,दलाली से बचने के साथ पूर्व के चयन प्रक्रिया में किये गये बदलावों के बारे में सहज भाषा में विस्तार जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में जिले के कुल 160 छात्र - छात्राओं ने हिस्सा लिया। जिन्हें बताया गया कि अग्निवीर एक महत्वपूर्ण योजना है।जिसके माध्यम से थल सेना,जल सेना एवं वायु सेना में विभिन्न पदों पर भर्ती होकर देश सेवा करने के साथ अन्य क्षेत्रों में रोजगार का अवसर भी प्राप्त होता है।

# एकल अभियान हजारीबाग के अंचल आरोग्य सचिव बने शिवकुमार पांडेय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**बरही हजारीबाग।** एकल अभियान हजारीबाग अंचल समिति का विस्तार करते हुए बरही के शिवकुमार पांडेय को अंचल आरोग्य सचिव की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। अंचल आरोग्य प्रभारी इंद्रदेव गुप्ता की अनुशंसा पर पांडेय का मनोनयन किया गया।इस मौके पर अंचल कार्यालय बरही में एक सादे समारोह का आयोजन हुआ, जिसमें अंचल अध्यक्ष भरत यादव, अंचल सचिव कृष्णा प्रजापति एवं श्रीहरि कथा सत्संग अध्यक्ष बिपिन बिहारी पांडेय ने उन्हें अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया और पदनाम की घोषणा की।

शिवकुमार पांडेय योग एवं आयुर्वेद विशेषज्ञ होने के साथ-साथ हवन चिकित्सा पद्धति के ज्ञाता भी हैं। अब तक वे 2,000 से अधिक लोगों का हवन चिकित्सा पद्धति के माध्यम से उपचार कर गंभीर बीमारियों से राहत दिला चुके हैं, जिसे समाज में व्यापक सराहना मिली है।नई जिम्मेदारी मिलने पर एकल अभियान से जुड़े समिति सदस्य एवं सेवा-व्रती कार्यकताओं ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुखों में प्राथमिक शिक्षा प्रभारी सुनील कुमार राणा, आरोग्य प्रभारी इंद्रदेव गुप्ता, एकल अभियान प्रमुख विनोद कुमार और कार्यालय प्रमुख मनोज कुमार शामिल रहे।

## पुरूष नसबंदी मेला का आयोजन

**समस्तीपुर।** सदर अस्पताल में जनसंख्या स्थिरीकरण को लेकर पुरुष नसबंदी पखवाड़ा मेला का आयोजन किया गया। इस वर्ष पखवाड़ा की थीम 'स्वस्थ एवं खुशहाल परिवार - पुरुष सहभागिता से ही सपना साकार' दिया गया है। उद्घाटन सिविल सर्जन डा. एसके चौधरी ने दीप प्रज्वलित कर किया। साथ ही आमजन में जागरूकता के लिए सारथी वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उपस्थित लोगों को मेला के उद्देश्यों की जानकारी दी गई। इसमें मुख्य रूप से पुरुष नसबंदी के साथ-साथ महिला बंध्याकरण के बारे में लोगों को जागरूक किया गया।

यह भी बताया गया कि पुरुष नसबंदी के लिए लाभार्थियों को तीन हजार रुपये तथा उत्प्रेरक को चार सौ रुपये देय है। यह सरल आपरेशन दक्ष शल्य चिकित्सक द्वारा किया जाता है।

सीएस ने कहा कि परिवार नियोजन केवल महिलाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें पुरुषों की समान भागीदारी जरूरी है।

पुरुष नसबंदी एक सुरक्षित, सरल और स्थायी प्रक्रिया है। जिससे जुड़े मिथकों और भ्रांतियों को दूर करने की आवश्यकता है।

# खुले मे जली पराली तो किसान सलाहकार होंगे बर्खास्त : डीएओ

**कटिहार।** जिले में धान की कटाई के बाद खुले खेतों में पराली जलाने की बढ़ती प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन और कृषि विभाग ने कमर कस ली है। जिला कृषि पदाधिकारी मिथिलेश कुमार ने इस संबंध में कड़े दिशा-निर्देश जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि पराली जलाने जैसी पर्यावरण विरोधी गतिविधियों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। डीएओ ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि खुले में पराली जलाने की सूचना उच्चाधिकारियों तक पहुंचाना किसान सलाहकार की प्राथमिक और अनिवार्य जिम्मेदारी है। यदि किसी भी क्षेत्र में पराली जलाने की घटना होती है और संबंधित किसान सलाहकार इसकी जानकारी देने में विफल रहता है तो उसे तत्काल सेवा से बर्खास्त कर दिया जाएगा।

उन्होने कहा कि सिर्फ किसान सलाहकारों पर ही नहीं,बल्कि खुले में पराली जलाने वाले किसानों पर भी कार्रवाई करने का निर्देश है। डीएओ ने बताया कि ऐसे दोषी किसानों की पहचान कर उनका कृषि पंजीकरण तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा।

उन्होंने जानकारी दी कि यह कार्रवाई महज चेतावनी नहीं है। बल्कि इस पर अमल शुरू हो चुका है। उन्होंने बताया कि बलरामपुर जिले में एक किसान पर नियमों का उल्लंघन करते हुए खुले में पराली जलाने के आरोप में उसके कृषि पंजीकरण को प्रतिबंधित करने की कार्रवाई की गई है। पंजीकरण रद्द होने से किसान सरकार की विभिन्न योजनाओं जैसे कृषि इनपुट सब्सिडी, बीज अनुदान, और किसान सम्मान निधि के लाभ से वंचित हो सकते हैं।जिला कृषि पदाधिकारी ने कि पराली जलाना न सिर्फ प्रदूषण बढ़ाता है, बल्कि खेत की मिट्टी की उर्वरता को भी खत्म कर देता है। किसानों को चाहिए कि वे पराली का उपयोग मल्चिंग या खाद बनाने में करें। कृषि पदाधिकारी मिथिलेश कुमार ने रबी मौसम की शुरूआत को देखते हुए जिले में उर्वरक की उपलब्धता को लेकर भी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने आश्वस्त किया कि जिले में उर्वरक का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है और किसानों को घबराने की जरूरत नहीं है।उन्होंने सभी किसानों से अपील किया कि वे उर्वरक क्रय करते समय दुकानदार से अनिवार्य रूप से पक्की रसीद प्राप्त करें। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि यदि यह शिकायत मिलती है कि कोई दुकानदार सरकार द्वारा तय कीमत से अधिक रुपए में उर्वरक बेच रहा है, या जमाखोरी कर रहा है, तो उस दुकानदार के खिलाफ लाइसेंस रद्द करने सहित सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

# राज ट्रैक्टर वर्कशॉप ने ग्राहक को सौंपी ट्रैक्टर की चाभी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**बरही।** बरही धनबाद रोड स्थित अनुमंडलीय अस्पताल के पास संचालित राज ट्रैक्टर वर्कशॉप पुराने तथा नए ट्रैक्टरों की खरीदझबिक्री के लिए क्षेत्र में जानाझपहचाना नाम बन चुका है। पिछले पांच वर्षों से वर्कशॉप ग्राहकों को उचित मूल्य पर ट्रैक्टर उपलब्ध करा रहा है, जिससे किसानों और व्यवसायियों को लाभ मिल रहा है।

वर्कशॉप के मालिक मो. आजाद हुसैन के अनुसार शुक्रवार को एक ग्राहक ने सेकेंड हैंड ट्रैक्टर खरीदा। इस अवसर पर क्त्रह्रख (इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट) के सदस्य मो. उस्मान ने ग्राहक को वाहन की चाभी सौंपकर डिलीवरी की औपचारिक शुरूआत की।

मो. आजाद हुसैन ने बताया कि वर्कशॉप में नए और पुराने दोनों तरह के ट्रैक्टर उपलब्ध रहते हैं तथा ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए फाइनेंस की व्यवस्था भी की जाती है।

उन्होंने यह भी जानकारी दी कि राज ट्रैक्टर केयर सेंटर ने वर्ष 2022 से 2025 तक कुल 486 ट्रैक्टर बेचकर ग्राहकों का विश्वास जीता है। न सिर्फ बिक्री बल्कि ग्राहक को वाहन घर तक डिलीवरी तथा ट्रैक्टर के सभी आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराना भी वर्कशॉप की खास विशेषता है।

इसके अलावा ग्राहकों की सुविधा के लिए कभीझकभी घर पर जाकर ट्रैक्टर सर्विसिंग की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है, जिसके कारण वर्कशॉप की लोकप्रियता लगातार बढ़ती जा रही है।

# अंतर्राज्यीय गिरोह का पदार्फाश, पांच गिरफ्तार

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

**गिरिडीह।** बेंगाबाद निवासी रीना देवी पति सुनील कुमार के द्वारा घर के सामने दरवाजे के पास खड़ा स्कोर्पियो वाहन पंजीयन संख्या जेएच 10बीके -0365 को अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी कर ले जाने के आरोप में थाना में दिये गये आवेदन के आधार पर बेंगाबाद थाना कांड सं० 177/25 दर्ज की गयी है। पुलिस अधीक्षक द्वारा काड के त्वरित अनुसंधान एवं उदभेदन हेतु अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर गिरिडीह के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा तकनिकी एवं मानवीय सहयोग से सूचना इकट्ठा कर छापामारी करते हुए अन्तर्राज्य गिरोह का पदार्फाश किया गया। अन्तर्राज्य गिरोह में शामिल अमित कुमार पिता चन्देश्वर राय उम्र करीब 28 वर्ष ग्राम मझौलिया थाना हरि लोचन पुर सुक्खी जिला वैशाली, बिहार गुरुशरण उर्फ मुन्ना उम्र करीब 34 वर्ष पिता स्व० सोहन प्र० शर्मा ग्राम पेरुमंडल थाना बरियारपुर जिला मुंगेर, बिहार संदीप कु० सिन्हा उम्र 37 करीब वर्ष पिता स्व० नवीन कु० सिन्हा ग्राम सिरसिया थाना मुफ्फसिल जिला गिरिडीह सुभाष कु० सिंह उम्र करीब 45 वर्ष पिता स्व० बालेश्वर प्र० सिंह सा० पहाड़पुर थाना बलिगाँव जिला वैशाली, बिहार राहुल कुमार उम्र करीब 23 वर्ष पिता अरुण राय सा0 महुआ सिंहराय, थाना महुआ जिला वैशाली, बिहार को गिरफ्तार किया गया है। उपरोक्त अभियुक्तों के द्वारा घटना कारित करने में प्रयोग किया गया स्कॉर्पियो वाहन पंजीयन सं0-बीआर 33एम-2792 को जप्त कर थाना लाया गया है। एक संदिग्ध स्कॉर्पियो एस 3 वाहन को वैशाली जिला अंतर्गत महुआ थाना, बिहार को सुपूर्द किया गया जिसका जाँच किया जा रहा है। अभियुक्त सुभाष कुमार सिंह का अपराधिक इतिहास रहा है कि चोरी किये गये वाहनों का पंजीयन सं०, ईजन स० तथा चेचीस सं० में छेड़-छाड़ कर गाँजा, शराब की तस्करी एवं अन्य अवैध कार्य किया जाता है। घटना में शामिल अन्य अभियुक्तों के विरुद्ध अनुसंधान जारी है तथा जाँचोपरांत संदिग्ध वाहन को हाजीपुर से लाया जायेगा जप्ती बरामदगी: घटना कारित करने में प्रयुक्त स्कॉर्पियो वाहन पंजीयन सं0-बीआर33एम -2792 अलग-अलग साईज का रेच, पेचकश, स्क्रूड्राईवर एवं प्लाश वाहन को मोडिफाई करने में प्रयुक्त क्रोमियम कवर, ब्लैक फिल्म पेपर, डिस्पले, ब्रश आदि।अलग-अलग लोगों का आरसी कार्ड विभिन्न प्रकार के चाभी काटने में प्रयुक्त ग्राइन्डर मशीन छेद करने में प्रयुक्त ड्रील मशीन वायर कटर गिरफ्तार अभियुक्तों की विवरणी संदीप कु० सिन्हा उम्र 37 करीब वर्ष पिता स्व० नवीन कु० सिन्हा ग्राम सिरसिया थाना मुफ्फसिल जिला गिरिडीह गुरुशरण उर्फ मुन्ना उम्र करीब 34 वर्ष पिता स्व० सोहन प्र० शर्मा ग्राम पेरुमंडल थाना बरियारपुर जिला मुंगेर, सुभाष कु० सिंह उम्र करीब 45 वर्ष पिता स्व० बालेश्वर प्र० सिंह सा० पहाड़पुर थाना बलिगॉव अमित कुमार पिता चन्देश्वर राय उम्र करीब 28 वर्ष ग्राम मझोलिया थाना हरि लोचन पुर सुक्खी राहुल कुमार उम्र करीब 23 वर्ष पिता अरुण राय सा० महुआ सिंहराय, थाना महुआ चारों जिला वैशाली, बिहार।छापामारी दल में शामिल पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी का नाम पु०नि० ममता कुमारी, प्रभाग निरीक्षक बेंगाबाद पुअनि जितेन्द्र कुमार सिंह, थाना प्रभारी बेंगाबाद।पुअनिरविन्द्र कुमार सिंह, बेंगाबाद थाना। विजय मंडल, बेंगाबाद थाना आ0-1268 जोधन महतो तकनिकी शाखा आ0-523 राजेश गोप तकनिकी शाखा आ0-605 शशिभूषण प्रसाद तकनिकी शाखा हव0 प्रमोद कु० दास आ0-391 अनुज कु० सिंह शामिल रहे।

# निकाली आभार यात्रा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**भागलपुर।** बिहार विधानसभा में भाजपा की ऐतिहासिक विजय के बाद आज भागलपुर क्षेत्र से भाजपा विधायक रोहित पाण्डेय ने आभार यात्रा निकाला और सभी मतदाताओं को साधुवाद दिया। बुढ़ानाथ मंदिर से निकले इस आभार यात्रा के दरम्यान भाजपा विधायक रोहित पांडे ने शहर के अधिकांश क्षेत्रों का भ्रमण करते हुए विजयी बनाने के लिए जनता का आभार व्यक्त किया और उनका स्नेह व आशीर्वाद लिया । इस यात्रा के दौरान उत्सव का माहौल देखा गया और पुरे रास्ते में आमलोगों ने पुष्प की वर्षा कर अपने नवनिर्वाचित विधायक का स्वागत किया। आभार यात्रा के क्रम में पार्टी कार्यकताओं के बीच काफी उत्साह था। भारत माता की जय, वन्दे मातरम, रोहित पाण्डेय जिंदाबाद के नारों से यात्रा गुंजायमान रहा। विधायक श्री पाण्डेय के साथ खुली गाड़ी पर भागलपुर नगर निगम की मेयर डॉ वसुंधरा लाल एवं जिला भाजपा अध्यक्ष संतोष कुमार थे । जबकि योगेश पांडे, नितेश सिंह, कन्हाई मंडल, दिलीप निराला, देवव्रत घोष, संजीव सिंह, अभिनव सिंह, राजेश टंडन, मनीष दास, निरंजन सिंह, आशीष सिंह, अमृत लाल, उमा भूषण तांती, इंदु भूषण झा,सोमनाथ शर्मा, पंकज सिंह, मुन्ना सिंह, मनोज हरि, संजय हरि, संदीप शर्मा, मंतोष कापड़ी, शशि मोदी, पंकज गुप्ता, डॉ बिहारी लाल, संजय सिंह, रूबी दास, सुनीता गोस्वामी, संगीता सिन्हा, संजय समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल थे।

**मुख्यमंत्री ने पी.एम.सी.एच. स्थित आपातकालीन इकाई भवन का किया निरीक्षण**

# निर्माण कार्य निर्धारित समय पर पूर्ण कराने का निर्देश

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**पटना।** मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल स्थित आपातकालीन इकाई भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में मुख्यमंत्री ने आपातकालीन इकाई में उपलब्ध करायी जाने वाली चिकित्सा संबंधी सुविधाओं एवं सेवाओं के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली।

इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने आपातकालीन इकाई भवन के तीसरे तल का निरीक्षण किया। इस दौरान सामान्य औषधि वाह्य विभाग, दंत चिकित्सा वाह्य विभाग, स्त्री एवं प्रसूति वाह्य विभाग आदि का निरीक्षण कर मरीजों को उपलब्ध करायी जाने वाली चिकित्सकीय सुविधाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के क्रम में मुख्यमंत्री ने छठे तल पर पहुंचकर मॉडयूलर ओ.टी., गहन चिकित्सा इकाई, ऑक्सीजन पाइप लाइन सेवा, परामर्श कक्ष सहित अन्य उपलब्ध करायी जाने वाली चिकित्सकीय सुविधाओं एवं सेवाओं की अधिकारियों से जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने आपातकालीन इकाई भवन के सबसे ऊपरी तल पर जाकर एयर एम्बुलेंस लैंडिंग एरिया का निरीक्षण कर प्रगति कार्य की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुये कहा कि निर्माण कार्य में तेजी लाकर निर्धारित समय सीमा के अंदर कार्य पूर्ण करायें। निर्माण कार्य बेहतर ढंग से हो, इसका विशेष रुप से ख्याल रखें। सुरक्षा के दृष्टिकोण से एयर एम्बुलेंस लैंडिंग एरिया के चहारदीवारी की ऊंचाई पर्याप्त होनी चाहिये। ज्ञातव्य है कि पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल, पटना का पुर्नविकास निर्माण कार्य का शिलान्यास मुख्यमंत्री द्वारा 8. फरवरी 2021 को किया गया था। मुख्यमंत्री द्वारा 27 फरवरी 2024 को कम्बाइंड अल्ट्रासाउंड एंड बायोकेमिकल स्क्रीनिंग (सीयूबी), (एमएलसीपी), नर्सेज एवं गर्ल्स हस्टल का उद्घाटन किया गया। साथ ही पावरग्रिड का शिलान्यास किया गया। उद्घाटन के पश्चात् सीयूबी में द्वितीय तल पर बिहार राज्य रक्त अधिकोष का संचालन शुरू किया गया। मुख्यमंत्री द्वारा 3 मई 2024 को नवनिर्मित भवन टावर-01-02 का उद्घाटन किया गया। इस नवनिर्मित भवन टावर-01-02 में बेसमेंट में 120 चार पहिया एवं दो पहिया वाहन का पार्किंग संचालित है। नवनिर्मित भवन टावर-01-02 में प्रथम तल पर सीटी स्कैन/एमआरआई/ अल्ट्रासाउन्ड एवं एक्स-रे जांच की सुविधा उपलब्ध है। इसके अलावा इस तल पर इएनटी आइपीडी भी संचालित है। नवनिर्मित भवन टावर-01-02 में द्वितीय एवं चतुर्थ तल पर औषधि आइपीडी, चर्म तथा रति रोग आइपीडी का संचालन किया जा रहा है। इस भवन के तृतीय तल पर पीएसएम/औषधि/ जेराट्रिक्स/शिशु/ दन्त/स्त्री एवं प्रसूति रोग/चर्म एवं रति रोग/ कार्डियोलॉजी/ पीएमआर/ इएनटी/ नेत्र वाह्य विभाग का संचालन किया जा रहा है।

# टिकट फर्जीवाड़ा से बचने के लिए दानापुर स्टेशन पर नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**पटना।** दानापुर मंडल ट्रेनों के परिचालन के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में समाज कल्याण से जुड़ी गतिविधियों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसी क्रम में दानापुर मंडल के वाणिज्य विभाग द्वारा मंडल संस्कृतिक संघ की प्रस्तुति नुक्कड़ नाटक रहे सदा सतर्क का दानापुर स्टेशन पर मंचन किया गया। अरुण कुमार द्वारा निर्देशित इस नाटक में टिकट काउंटर पर टिकट दलालों एवं फर्जी टिकट से बचने के लिए एवं आम जनमानस को जागरूक करने के उद्देश्य से बहुत रोचक ढंग से नाटक की प्रस्तुति की गई। इसमें यह बताया गया कि कैसे कभी-कभी टिकट काउंटर पर टिकट दलालों के द्वारा यात्रियों को गुमराह करते हुए असली के बदले नकली टिकट पकड़ा दिया जाता है। इसके साथ ही कंफर्म टिकट के नाम पर भी टिकट दलालों के द्वारा यात्रियों को नकली टिकट पकड़ा दिया जाता है। कभी-कभी पुरानी टिकट का भी इस्तेमाल इस फर्जीवाड़ा में किया जाता है जिससे यात्रियों को सावधान रहने की जरूरत है। नाटक का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को नकली टिकट से बचने के लिए जागरूक करना था। इसके साथ ही यात्रियों को ट्रेन में वेंडर के द्वारा पानी की बोतल अथवा किसी खाद्य पदार्थ में एक्स्ट्रा चार्जिंग से बचने को लेकर भी जागरूक किया गया। नाटक में शिव कुमार पासवान, अरुण कुमार, रंजन कुमार सिंह, राजेश कुमार, चंदन शर्मा, पवन कुमार, गोपाल चंद्र वर्मा, रूबी कुमारी ने अपने अभिनय से आकर्षित किया। वही ढोलक पर विजय कुमार थे। यह नाटक मंडल वाणिज्य प्रबंधक अभिषेक कुमार तिवारी एवं सहायक वाणिज्य प्रबंधक प्रदीप कुमार की उपस्थिति में प्रदर्शित की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में यात्री भी उपस्थित थे। आगे भी दानापुर मंडल के द्वारा विभिन्न स्टेशनों पर इस प्रकार के नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से जन जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

# बी.डी. कॉलेज और इक्विटी फाउंडेशन ने किया मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता पहल का आयोजन

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**पटना।** इक्विटी फाउंडेशन ने बी.डी. कॉलेज, पटना के राष्ट्रीय सेवा योजना के सहयोग से परियोजना 'अभियान' के अंतर्गत एक व्यापक मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। यह पहल सूचना, शिक्षा और संचार के माध्यम से समुदाय के कल्याण हेतु व्यवहारिक परिवर्तन पर केंद्रित थी। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के सेमिनार हॉल में किया गया जिसकी शुरुआत महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. रत्ना अमृत के प्रेरणादायी स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने बदलते सामाजिक परिवेश में विद्यार्थियों के लिए भावनात्मक दृढ़ता और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर बल दिया। इक्विटी फाउंडेशन की कार्यकारी निदेशिका नीना श्रीवास्तव के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक डॉ. दिव्या ठाकुर ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन और भावनात्मक चुनौतियों से निपटने के लिए खुले संवाद की आवश्यकता पर विशेषज्ञ विचार प्रस्तुत किए। विशाल विजय, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए छात्रों और शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की।

कार्यक्रम का समापन नीतू तिवारी, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ जिसमें उन्होंने आयोजन टीम, मुख्य वक्ता, स्वयंसेवकों और प्रतिभागियों के योगदान को सराहा।

# एनटीपीसी ने किया ऊर्जा संरक्षण पर राज्य स्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन

**प्रतियोगिता में दोनों समूहों के प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को मिली 50,000 की पुरस्कार राशि**

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**पटना।** एनटीपीसी पूर्वी क्षेत्र-1 मुख्यालय ने आज ज्ञान भवन, पटना में ऊर्जा संरक्षण-2025 पर बीईई राज्य स्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया। इस कार्यक्रम ने स्कूली छात्रों को ऊर्जा संरक्षण एवं पर्यावरण सुरक्षा पर अपनी सोच व कल्पनाओं को चित्रों में अभिव्यक्त करने का सशक्त मंच प्रदान किया। कुल 100 चयनित छात्र-छात्राओं ने ऑन-द- स्पॉट पेंटिंग के माध्यम से ऊर्जा संरक्षण का प्रभावशाली संदेश दिया जिससे बच्चों में ऊर्जा-संरक्षण के प्रति रचनात्मक जोश देखने को मिला। ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी, विद्युत मंत्रालय के राष्ट्रीय जागरूकता अभियान के तहत, राज्य नोडल एजेंसी के रूप में एनटीपीसी ने बिहार सहित आठ राज्यों में स्कूल एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं का संचालन किया। इस वर्ष बिहार के 106 स्कूलों में आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिताओं से प्राप्त 5,961 प्रविष्टियों में से 50 से अधिक स्कूलों के 100 प्रतिभावान छात्रों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता हेतु किया गया। आज आयोजित ऑन-स्पॉट प्रतियोगिता में से दोनों समूहों की 26 सर्वश्रेष्ठ पेंटिंग का चयन बिहार शिक्षा विभाग द्वारा नामित निर्णायक मंडल ने किया। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में एनटीपीसी के क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (पूर्व-1) विजय गोयल, सुजाता लेडीज क्लब की अध्यक्षा संगीता गोयल, महाप्रबंधक (मा. सं.) विल्सन अब्राहम तथा क्षेत्रीय शिक्षा उप निदेशक राजकुमार सहित एनटीपीसी व बिहार शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि श्री गोयल ने छात्रों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा ऊर्जा संरक्षण केवल भविष्य की आवश्यकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की जिम्मेदारी है। आज बच्चों ने अपनी कल्पनाशीलता और रचनात्मकता से जो संदेश दिया है, वह समाज को प्रेरित करने वाली नई सोच का प्रतीक है। एनटीपीसी सदैव ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने और बच्चों को सकारात्मक दिशा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

# रबी मौसम में खाद आपूर्ति पर कृषि मंत्री सख्त

**कृषि अधिकारी ऑफिस में नहीं फील्ड में नजर आएं : रामकृपाल यादव**

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**फुलवारी शरीफ।** रबी मौसम में किसानों को समय पर और उचित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध हो, इसके लिए कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने शुक्रवार को विभागीय अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा की। बैठक में खाद की उपलब्धता, भंडारण, वितरण और आपूर्ति श्रृंखला की विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि अब कृषि विभाग का कोई भी अधिकारी सिर्फ कार्यालय में बैठकर काम नहीं करेगा। सभी अधिकारियों को नियमित रूप से फील्ड में रहकर किसानों से संवाद स्थापित करना होगा और जमीनी स्थिति की मॉनिटरिंग करनी होगी। साथ ही हर जिले से उर्वरक की दैनिक निगरानी रिपोर्ट अनिवार्य रूप से मांगी गई है। कृषि मंत्री ने स्पष्ट कहा कि किसानों को 'एक दिन भी खाद की कमी' नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने कृषि विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार को मुख्यालय स्तर से विशेष उड़नदस्ता (फ्लाइंग स्क्वॉड) गठित करने का निर्देश दिया है। यह टीम सभी जिलों में औचक छापेमारी कर कालाबाजारी, जमाखोरी और अधिक मूल्य वसूली करने वालों पर कार्रवाई करेगी। मंत्री ने हेल्पलाइन और कंट्रोल रूम को और अधिक सक्रिय रखने का भी आदेश दिया, ताकि किसानों की शिकायतों का तुरंत समाधान हो सके। उन्होंने दोहराया कि किसानों के हित से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा और सरकार उनकी फसल सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। कृषि मंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा बिहार के लिए तय की गई उर्वरक आवश्यकता के अनुरूप उपलब्धता सुनिश्चित है। 28 नवंबर तक राज्य में 3.34 लाख मे.टन यूरिया, 1.55 लाख मे.टन डीएपी, 2.37 लाख मे.टन एनपीके, 0.55 लाख मे.टन एमओपी और 1.12 लाख मे.टन एसएसपी उपलब्ध है। मंत्री के अनुसार वर्तमान में किसी भी जिले में खाद की कमी नहीं है। उर्वरक अनियमितता पर कड़ी कार्रवाई करते हुए रबी 2025-26 में अब तक 12 प्रतिष्ठानों पर एफआईआर दर्ज की गई है और 41 प्रतिष्ठानों का लाइसेंस रद्द किया गया है। लगातार छापेमारी और निरीक्षण अभियान से बाजार में पारदर्शिता और नियंत्रित मूल्य व्यवस्था को मजबूती मिली है। मंत्री ने निर्देश दिया कि जहां भी उर्वरक निगरानी समिति की बैठक लंबित है, वहां तुरंत बैठक आयोजित की जाए।

# नीतीश सरकार ने शुरू की एक करोड़ युवाओं को नौकरी देने की कारवाई : राजीव रंजन प्रसाद

**सभी प्रशासनिक विभागों को रिक्तियों का विवरण 31 दिसंबर तक देने का आदेश**

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**पटना।** जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि बिहार सरकार युवाओं के लिए रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में अब पूरी तरह एक्शन मोड में है। बयान के अनुसार राज्य सरकार ने अगले पांच वर्षों में एक करोड़ युवाओं को नौकरी या रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया है और इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि सरकार ने सभी प्रशासनिक विभागों, प्रमंडलीय आयुक्तों, पुलिस मुख्यालय के अधीन कार्यालयों और सभी जिला पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि उनके विभागों में मौजूद सभी रिक्तियों का विवरण 31 दिसंबर तक सामान्य प्रशासन विभाग को भेजा जाए। बताया गया है कि सामान्य प्रशासन विभाग इन रिक्तियों की जांच कर उन्हें संबंधित नियुक्ति आयोगों और चयन एजेंसियों तक पहुंचाएगा, ताकि भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ सके। बयान में यह जानकारी भी दी गई है कि सभी नियुक्ति आयोग और चयन एजेंसियों को जनवरी 2026 में पूरे वर्ष का नियुक्ति कैलेंडर जारी करने का निर्देश दिया गया है। इस कैलेंडर में विज्ञापन के प्रकाशित होने की तिथि, संभावित परीक्षा तिथि और नियुक्ति प्रक्रिया के अन्य चरणों का विवरण शामिल रहेगा। सूत्रों ने यह भी बताया है कि सरकार ने भर्ती प्रक्रिया को समयबद्ध बनाने पर विशेष जोर दिया है और स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि किसी भी नियुक्ति विज्ञापन के प्रकाशन के एक वर्ष के भीतर अंतिम परिणाम जारी किया जाएगा। राजनीतिक हलकों में इस कदम को बिहार सरकार की रोजगार नीति में एक बड़े सुधार के रूप में देखा जा रहा है।

# महात्मा गांधी और युवा विषय पर बापू टावर ने किया अरविंद महिला कॉलेज में आउटरीच कार्यक्रम आयोजित

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**पटना।** बापू टावर और अरविंद महिला कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन अरविंद महिला कॉलेज, पटना के सभागार में किया गया। 'महात्मा गांधी और युवा' विषय पर आयोजित कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. साधना ठाकुर, प्राचार्या, अरविंद महिला कॉलेज थीं जबकि अध्यक्षता हिंदी के प्रो. शिवनारायण द्वारा की गई। कार्यक्रम में बापू टावर पटना के निदेशक, आई.ए.एस. विनय कुमार ने कॉलेज की छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि गांधीजी ने अपने जीवन में सत्य और अहिंसा को प्रतिरोध का हथियार बनाया और इस देश को गुलामी की जंजीरों से मुक्त करने में सर्वप्रमुख भूमिका निभायी। उन्होंने बापू टावर पटना द्वारा आयोजित किए जाने वाले इस तरह के कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया। मुख्य वक्ता प्रो. साधना ठाकुर ने गांधीजी के छात्र जीवन के बारे में बताया और इस बात की ओर इशारा किया कि छात्राएं अपने जीवन में उनसे काफी प्रेरणा ले सकती हैं। अध्यक्षता करते हुए प्रो. शिवनारायण ने बताया कि आज गांधी को बार-बार याद किए जाने की जरूरत है।

# पटना जंक्शन पर रैपिडो कस्टमर सपोर्ट सेंटर की शुरुआत

**बिहार टाइम्स ब्यूरो**

**पटना।** रैपिडो ने रेलयात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए,पटना जंक्शन पर अपना नया कस्टमर सपोर्ट सेंटर शुरू किया है जिसका उद्घाटन अभिषेक कुमार तिवारी, मंडल वाणिज्य प्रबंधक द्वारा किया गया है। मंडल वाणिज्य प्रबंधक ने कहा कि रैपिडो कस्टमर सपोर्ट सेंटर खोले जाने से पटना जंक्शन पर आने वाले प्रत्येक यात्री को 24 गुणे 7 सहायता मिलेगी। उन्होंने यह भी बताया कि रेलवे और रैपिडो की प्राथमिकता है कि हर यात्री को सुरक्षित और ससमय उनके घर तक पहुंचाने में सहयोग प्रदान करेगा। इस सेंटर की शुरुआत के साथ यात्रियों को अब बिहार के किसी भी जिले में जाने या पटना शहर में यात्रा करने के लिए बाइक टैक्सी, ऑटो और कैब सेवाएं एक ही स्थान से उपलब्ध होंगी। यह सेंटर पटना जंक्शन के गेट नंबर-3 पर स्थित है और यहां 24गुणे 7 कस्टमर सपोर्ट उपलब्ध रहेगा।

रैपिडो की ओर से बताया गया कि नए उपयोगकर्ता 'जीओ फ्री' कूपन कोड का उपयोग करके बाइक टैक्सी पर 30 प्रतिशत तक की छूट प्राप्त कर सकते हैं। रैपिडो के प्रतिनिधि द्वारा जानकारी दी गई कि आने वाले समय में रैपिडो यात्रियों की सुविधा के लिए अन्य रेलवे स्टेशन पर भी कस्टमर सपोर्ट सेंटर स्थापित करेगा, ताकि सुरक्षित, सुलभ और किफायती यात्रा समाधान अधिक से अधिक यात्रियों तक पहुंच सके। इस अवसर पर रेलवे प्रशासन और रैपिडो टीम उपस्थित रही।

# राज्य के सभी तकनीकी संस्थानों में नशा मुक्ति कार्यक्रम का आयोजन

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**पटना।** विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, बिहार द्वारा राज्य के सभी तकनीकी संस्थानों में नशा मुक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 38 सरकारी अभियंत्रण महाविद्यालयों तथा 46 पॉलिटेक्निक संस्थानों के विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को नशे के विभिन्न प्रकार, उनके दुष्प्रभाव तथा समाज एवं व्यक्तिगत जीवन पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि नशा न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि यह शिक्षा, रोजगार और सामाजिक जीवन में भी गंभीर बाधाएं उत्पन्न करता है। इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों ने नशा न करने की शपथ ली और संकल्प व्यक्त किया कि वे स्वयं नशे से दूर रहेंगे तथा समाज में भी इसके विरुद्ध जागरूकता फैलाएंगे। विभाग का मानना है कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, स्वस्थ जीवनशैली और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को सुदृढ़ करते हैं।

# दानापुर मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**पटना।** दानापुर मंडल यात्रियों की सेवा में सदैव तत्पर रहता है। ट्रेन परिचालन के साथ-साथ दानापुर मंडल अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए समाज कल्याण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसी क्रम में दानापुर मंडल के द्वारा पटना के प्रथमा ब्लड सेंटर के सहयोग से विभिन्न स्थानों पर अलग-अलग तिथियों को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में दानापुर मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के प्रांगण में इस शिविर का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 50 लोगों ने रक्तदान किया। यह रक्तदान शिविर राजेंद्र नगर कोचिंग कंपलेक्स परिसर में 27.11.2025 को आयोजित की गई थी जिसमें लगभग 15 लोगों ने रक्तदान किया था। इसी प्रकार पटना जंक्शन में 02.12.2025 को एवं कैरेज वर्कशॉप, दानापुर में 03.12.2025 को आयोजित किया जाएगा। रक्तदान को महादान भी कहा जाता है। रक्तदान किसी के लिए जीवन का अनमोल तोहफा है। दानापुर मंडल के द्वारा आयोजित इस रक्तदान शिविर में रक्तदान करके हम भी जीवन बचाने की इस मुहिम का हिस्सा बनें।

# एचडीएफसी बैंक की 17वीं सालाना ब्लड डोनेशन ड्राइव 5 दिसंबर को

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**पटना।** भारत का निजी क्षेत्र का अग्रणी एचडीएफसी बैंक अपने फ्लैगशिप सीएसआर इनिशिएटिव, परिवर्तन के तहत देश भर में ब्लड डोनेशन ड्राइव का 17वां एडिशन ऑर्गनाइज करेगा। यह ब्लड डोनेशन ड्राइव 5 दिसंबर, 2025 को सुबह 9:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक एक साथ भारत के 1,100 से ज्यादा शहरों में होगा। इसमें एचडीएफसी बैंक के कर्मचारी, ग्राहक, कॉर्पोरेट, डिफेंस फोर्स के मेंबर, स्टूडेंट और कम्युनिटी मेंबर शामिल होंगे। यह इनिशिएटिव कम्युनिटी वेलफेयर के लिए बैंक की प्रतिबद्धता को दिखाता है और देश की सुरक्षित और समय पर ब्लड डोनेशन की लगातार जरूरत को सपोर्ट करता है। यह सालाना ब्लड डोनेशन ड्राइव बैंक द्वारा शुरू किए गए पहले सीएसआर इनिशिएटिव में से एक है और हेल्थकेयर और हाइजीन के मेन फोकस एरिया में आता है। एचडीएफसी बैंक के डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर कैजाद भरूचा ने कहा, यह ड्राइव कई सालों से लोगों को एक कॉमन मकसद के लिए एक साथ लाती रही है। ब्लड डोनेट करना एक आसान काम है जो किसी की जिंदगी में तुरंत बदलाव ला सकता है। एचडीएफसी बैंक के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर भावेश जवेरी ने कहा, सालाना ब्लड डोनेशन ड्राइव लगातार बढ़ी है क्योंकि हमारे कर्मचारी और भागीदार इसे ईमानदारी और टीमवर्क के साथ करते हैं।

# मैकाले शिक्षा पद्धति को जड़ से समाप्त करना जरूरी : प्रेम कुमार

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

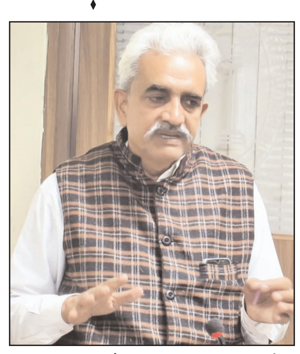

**पटना।** देश के चर्चित गांधीवादी प्रेम जी ने प्रेम यूथ फाउंडेशन की ओर से आयोजित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नई शिक्षा नीति पर आयोजित सेमिनार को संबोधित करते हुये कहा कि भारत का गौरवशाली अतीत रहा है जहां गुरुकुलम से श्री राम, श्री कृष्ण, भगवान बुद्ध, महावीर, युधिष्ठिर और अर्जुन निकलते थे। गुरुकुल में मानव निर्माण और चरित्रवान और संस्कारवान बनाया जाता था। वही फिरंगियों ने षड्यंत्र के तहत मैकाले शिक्षा पद्धति को लागू किया यह शिक्षा सिर्फ ललबबुआ के फौज खड़ा कर रहा है जो चेहरा मोहरा से तो भारतीय है, लेकिन दिमाग और दिल से काला अंग्रेज है। आज का युवा इसलिए शिक्षा प्राप्त करना चाहता है ताकि उसे अच्छी नौकरी मिले जिससे की भोगपरक जीवन जीने का आनंद उठाया जा सके। इसी आनंद की तलाश में असफल होने पर वह अवैध तरीके से धन कमाने की चेष्टा करता है जो उसके जीवन में जहर घोलता है। देश के हजारों विश्वविद्यालयों से प्रतिवर्ष लाखों लोग स्नातक, स्नातकोत्तर, डिलीट और पीचडी की डिग्री लेकर निकलते हैं बमुश्किल से चार से पांच प्रतिशत लोगों को ही सरकारी नौकरी हो पाती है बाकी बचे लोग प्राइवेट स्कूल या घर-घर ट्यूशन कर पेट पालने को विवश हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई शिक्षा नीति में आंशिक सुधार किया है इसमें व्यापक सुधार की गुंजाइश है। महात्मा गांधी ने जो बुनियादी शिक्षा का मार्ग बताया है उसे अपनाने की आवश्यकता है।

CMYK

## संपादकीय

# बहुत चुभती है हार

हार 30 रनों से मिले या फिर 408 से, चुभती ही है, लेकिन गुवाहाटी टेस्ट जैसी हार क्रिकेट फैंस के लिए त्रासदी जैसी होती है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरा टेस्ट गंवाने वाली टीम इंडिया ने क्लीन स्वीप खाने के साथ-साथ ऐसे रेकॉर्ड अपने नाम कर लिए हैं, जो पीछे कई सवाल छोड़ जाते हैं। मैदान पर हार से पहले ही हारी हुई लग रही टीम इंडिया को फिर से उठाना है, तो रवायती जवाबों से काम नहीं चलेगा। कोच गौतम गंभीर इस समय क्रिकेट फैंस के निशाने पर हैं। उनके निर्णयों की आलोचना की जा रही है। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी सबकी है और शुरुआत मुझसे होती है। लेकिन, यह याद दिलाना भी नहीं भूले कि उन्हीं की कोचिंग में टीम ने इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज डॉ कराई थी और चैंपियंस ट्रोफी जीती। कई पूर्व खिलाड़ी भी गंभीर के पक्ष में हैं, कि खेलना तो खिलाड़ी को होता है, कोच को नहीं। बात बिल्कुल सही है, लेकिन जब कोच किसी जीत में हिस्सेदार होता है, तो हार की जिम्मेदारी से वह बच नहीं सकता। गंभीर के फैसले पर अंगुली उठाने वाले भी कई पूर्व खिलाड़ी ही हैं, जिन्हें टीम इंडिया का सिलेक्शन प्रॉसेस समझ नहीं आ रहा। हर कोच का अपना विजन होता है। राहुल द्रविड़ के जाने के बाद गौतम गंभीर ने जिस तरह टीम में नए कॉम्बिनेशन बनाए, वह उनका तरीका है। लेकिन, फिर भी कुछ फैसले सवालों से नहीं बचते। सरफराज जैसे खिलाड़ियों की अनदेखी क्या घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन की अनदेखी नहीं है? टेस्ट क्रिकेट को स्पेशलिस्ट और स्थायित्व चाहिए। क्या टीम इंडिया बहुत ज्यादा प्रयोग की शिकार हो गई? गंभीर के कोच बनने के बाद से भारत 18 में से 10 टेस्ट हार चुका है। 5 टेस्ट तो उसने अपनी जमीन पर गंवाए हैं। जो टीम टेस्ट चैंपियनशिप के लगातार दो फाइनल में पहुंची हो, उसका ऐसा प्रदर्शन बताता है कि समस्या बहुत गहरी है। गंभीर ने पिछले प्रदर्शनों का हवाला दिया, पर उसी दौरान भारत को श्रीलंका से 27 साल बाद वनडे सीरीज हारनी पड़ी थी। ऑस्ट्रेलिया में भारत उस टीम से वनडे श्रृंखला गंवा बैठा, जिसके कई मुख्य खिलाड़ी रेस्ट पर थे। जीत हो या हार, उससे जुड़ी हकीकत को देखना जरूरी है। इस हार पर बहस केवल परिणाम नहीं, उस वजह से हो रही है, जैसे यह गले पड़ी है। गंभीर और बीसीसीआई, दोनों को सोचना है कि बदलाव के नाम पर बदलाव, सीनियर खिलाड़ियों की अनदेखी, टीम में लगातार उठा-पटक और घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन को तवज्जो न देना कितना सही है।

**भारत में भाषा सदैव राजनीति का एक सुविधाजनक औज़ार रही है। कुछ दशकों से चले आ रहे भाषाई आंदोलन और हिंदी-विरोधी राजनीति ने देश की एकता को अक्सर चुनौती दी है। क्षेत्रवाद की आड़ में कुछ राजनीतिक दलों ने हिंदी को एक क्षेत्र विशेष की भाषा बताकर उसका महत्व कम करने का प्रयास किया। भारत के 53वें प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत द्वारा हिंदी में शपथ लेना भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में केवल एक औपचारिक घटना नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक, राष्ट्रीय और मनोवैज्ञानिक चेतना का नया शुभारंभ है। यह वह क्षण है जिसने भाषा को लेकर दशकों से चले आ रहे संकीर्ण विवादों, राजनीतिक विरोधाभासों और कृत्रिम विभाजनों पर एक गहरी चोट की है।**

# हिंदी में शपथः नए भारत की भाषाई चेतना का निर्णायक उद्घोष

(ललित गर्ग)

हिंदी में शपथ का यह निर्णय राष्ट्रीय मानस में इस भावना को पुनः स्थापित करता है कि भाषा का प्रश्न केवल संचार का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा का प्रतीक है। यह निर्णय उस विरोधाभास पर भी प्रकाश डालता है जिसमें विश्व की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा हिंदी को अपने ही देश में सबसे अधिक उपेक्षा, संकोच और राजनीतिक विरोध का सामना करना पड़ता रहा है। भारत में भाषा सदैव राजनीति का एक सुविधाजनक औज़ार रही है। कुछ दशकों से चले आ रहे भाषाई आंदोलन और हिंदी-विरोधी राजनीति ने देश की एकता को अक्सर चुनौती दी है। क्षेत्रवाद की आड़ में कुछ राजनीतिक दलों ने हिंदी को एक क्षेत्र विशेष की भाषा बताकर उसका महत्व कम करने का प्रयास किया। लेकिन यह तर्क न तो व्यावहारिक था और न ही ऐतिहासिक। हिंदी किसी क्षेत्र की भाषा नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के हृदय की भाषा है, जनमानस की अभिव्यक्ति है, भारत की आत्मा की धड़कन है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत द्वारा हिंदी में शपथ लेना इस सत्य को पुनः उद्घाटित करता है कि भारतीय लोकतंत्र की संवैधानिक संस्थाएँ केवल कानून और प्रशासन की रक्षा ही नहीं करतीं, बल्कि भारतीयता और राष्ट्रीय अस्मिता को भी नई दिशा देती हैं। यह कदम यह संदेश देता है कि नई पीढ़ी की संस्थाएँ अब संकोच नहीं, आत्मविश्वास के साथ भारत की भाषा में अपने कर्तव्यों की शुरुआत कर रही हैं। हिंदी को लेकर जो विरोधाभास पैदा किया जाता रहा है, वह वास्तव में एक कृत्रिम एवं आग्रह-दुराग्रहपूर्ण द्वंद्व है। आज के वैश्विक दौर में भाषा का महत्व उसकी लोकस्वीकृति और उपयोगिता से तय होता है। हिंदी वैश्विक भाषाओं की सूची में तेजी से ऊपर बढ़ रही है। करीब 113 करोड़ के साथ अंग्रेजी पहले स्थान पर है. 111 करोड़ के साथ चीनी दूसरे स्थान पर है, इसके बाद हिन्दी का स्थान आता है। करीब 61.5 करोड़ विश्व में, हिन्दी को बोलने वाल लोगों की संख्या के आधार पर तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा का स्थान प्राप्त है। हिंदी का प्रभाव विश्व में बढ़ रहा है और यह सोशल मीडिया व संचार माध्यमों में भी लगातार उपयोग हो रही है। दुनिया भर के 175 से अधिक विश्वविद्यालयों में हिंदी भाषा पढ़ाई जा रही है। देवनागरी लिपि को दुनिया की सबसे वैज्ञानिक लिपियों में से एक माना जाता है। भारत सरकार की पहल के बाद से, संयुक्त राष्ट्र ने भी साप्ताहिक हिंदी समाचार बुलेटिन शुरू किया है। अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, मोरिशस, दक्षिण अफ्रीका, खाड़ी देशों और यूरोप में हिंदी सीखने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। विश्व के कई विश्वविद्यालयों में हिंदी साहित्य, भाषाविज्ञान और अनुवाद अध्ययन का विस्तार हुआ है। हिंदी फिल्में, वेब प्लेटफॉर्म और मीडिया विश्व संस्कृति पर गहरा प्रभाव छोड़ रहे हैं। यह वह समय है जब हिंदी वैश्विक मंच पर उभर रही है, लेकिन अपने ही देश में उसे राजनीति और संकीर्णताओं का शिकार होना पड़ रहा है। यही वह असंगति है जिसे न्यायमूर्ति सूर्यकांत की शपथ ने बड़े सौम्य किंतु तीव्र संदेश के साथ उजागर किया है कि जब दुनिया हिंदी को सम्मान दे रही है तो भारत में उसकी उपेक्षा किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं हो सकती। राष्ट्रीय प्रतीक केवल वस्तुएँ नहीं होते, वे राष्ट्र की चेतना के वाहक होते हैं। राष्ट्रध्वज केवल कपड़े का टुकड़ा नहीं, करोड़ों लोगों के स्वाभिमान और बलिदान का प्रतीक है। राष्ट्रगान केवल धुन नहीं, बल्कि भारत की समष्टिगत भावना का सूत्र है। उसी प्रकार राष्ट्र की भाषा-चाहे उसे हम राजभाषा कहें या राष्ट्रभाषा भारतीय पहचान और राष्ट्रीय एकता का अदृश्य धागा है। नए भारत का निर्माण तभी संभव है जब हम इन प्रतीकों का सम्मान केवल संविधान की धाराओं में नहीं, बल्कि हृदय में करें। हिंदी को लेकर जो संकोच, झिझक और कृत्रिम विरोध दशकों से बना हुआ था, वह राष्ट्रीय आत्मविश्वास के लिए बाधक था। हिंदी में शपथ लेकर न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने इस मानसिक दरार को पाटने में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यकाल में हिंदी को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित करने का साहसिक कार्य किया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा से लेकर ब्रिक्स, जी-20 और अनेक अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उन्होंने हिंदी में संबोधन देकर दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत अपनी भाषा को लेकर हिचकता नहीं, बल्कि गर्व करता है। इससे पहले अटल बिहारी वाजपेयी ने भी संयुक्त राष्ट्र में हिंदी में भाषण देकर ऐतिहासिक परंपरा की शुरुआत की थी। उनकी वाणी में हिंदी केवल शब्द नहीं थी, बल्कि भारत की आत्मा की ध्वनि थी। नरेंद्र मोदी ने इस परंपरा को राष्ट्रीयता, आधुनिकता, आत्मविश्वास और वैश्विक उपस्थिति के साथ आगे बढ़ाया है। उन्हें यह समझ थी कि भाषा राष्ट्रीय चेतना की नींव होती है, और जिस राष्ट्र को विश्व नेतृत्व की आकांक्षा है, उसे अपनी भाषा पर गर्व करना ही होगा। जब राष्ट्र का प्रधानमंत्री अपनी भाषा को वैश्विक मंचों पर प्रतिष्ठा दिलाता है और जब राष्ट्र का प्रधान न्यायाधीश उसी भाषा में शपथ लेता है, तब यह संकेत मिलता है कि नए भारत की भाषा नीति संकोच नहीं, बल्कि स्वाभाविक भारतीयता की पुनर्स्थापना है। हिंदी केवल भावनात्मक आग्रह नहीं है। यह शासन, न्याय, शिक्षा, प्रशासन, मीडिया और तकनीक की भाषा बनती जा रही है। डिजिटल इंडिया और नई तकनीकी क्रांति में हिंदी की भूमिका तेजी से बढ़ रही है। आज इंटरनेट पर सबसे तेजी से बढ़ने वाली भाषाओं में हिंदी शीर्ष पर है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन अनुवाद और डिजिटल पत्रकारिता में हिंदी का उपयोग बढ़ाना भारत की ज्ञान-आर्थिक उन्नति के लिए अनिवार्य है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति उसकी भाषाई आत्मनिर्भरता पर भी निर्भर करती है। जितनी अपनी भाषा मजबूत होगी, उतना ही विचार-निर्माण, नवाचार और जनसक्रियता मजबूत होगी। इस दृष्टि से हिंदी के प्रति उपेक्षा केवल सांस्कृतिक अपराध नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास को बाधित करने वाला संकीर्ण एवं राष्ट्र-विरोधी दृष्टिकोण भी है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत की हिंदी में शपथ वास्तव में एक वैचारिक उद्घोष है। यह घोषणा है कि भाषा को लेकर चलने वाला हमारा पुराना आत्मद्वंद्व समाप्त होना चाहिए। राष्ट्रभाषा का सम्मान किसी क्षेत्र या समुदाय पर थोपा हुआ बोझ नहीं, बल्कि वह प्राकृतिक बंधन है जो विविधता को सामूहिकता में बदलता है। यह वह बंधन है जो भारत को भारत बनाता है। यह वह अदृश्य शक्ति है जो उत्तर से दक्षिण, पश्चिम से पूर्व और ग्रामीण से महानगरीय भारत को एक सांस्कृतिक सूत्र में पिरोती है, व्यापार एवं विकास को गति देता है। हिंदी किसी पर थोपी जाने वाली भाषा नहीं, वह तो स्वयंस्फूर्त रूप से जनमानस की भाषा बन चुकी है। उसका विरोध अब एक राजनीतिक नाटक भर रह गया है जिसका वास्तविकता से कोई सरोकार नहीं। नए भारत ने अपने संकोचों को त्यागना शुरू कर दिया है। अपनी परंपराओं, अपने प्रतीकों और अपनी भाषा पर गर्व करना नया मानसिक स्वरूप बनता जा रहा है। न्यायपालिका से लेकर कार्यपालिका तक और वैश्विक मंचों से लेकर डिजिटल मंचों तक-हिंदी का सम्मान बढ़ रहा है। यह सम्मान न किसी के आदेश से आया है, न किसी दवाब से; यह सम्मान राष्ट्र की आत्मा से उठा है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत की हिंदी में शपथ नए भारत की सांस्कृतिक स्वाधीनता का प्रतीक बन गई है। यह उस स्वाभिमान का उद्घोष है कि भारत अब अपनी भाषा से संकोच नहीं करेगा। यह वह क्षण है जिसने भाषा के प्रश्न को संवैधानिक गरिमा और राष्ट्रीय चेतना के सर्वोच्च स्तर पर स्थापित कर दिया है। इस कदम ने यह सिद्ध कर दिया है कि हिंदी केवल भाषा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आत्मा का प्रकाश है, एक ऐसा प्रकाश जो आत्मविश्वास, सांस्कृतिक प्रतिष्ठा और राष्ट्रीय एकता की नई राहें रोशन कर रहा है। यही वह दिशा है जिसमें नया भारत आगे बढ़ रहा है-अपनी भाषा में, अपने स्वभाव में और अपनी अस्मिता में आत्मविश्वास से भरपूर। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

## चिंता- विकास के पंखों के नीचे दम तोड़ते अंडमान और निकोबार के मैंग्रोव

(शकुंतला राणावत)

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के तटीय क्षेत्र केवल समुद्र की सुंदरता के लिए ही नहीं जाने जाते बल्कि यहां फैले मैंग्रोव के जंगल इन द्वीपों की असली पूंजी हैं। मैंग्रोव न केवल पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखते हैं, बल्कि तटीय क्षेत्र को प्राकृतिक आपदाओं से बचाने की अग्रिम पंक्ति में खड़े प्रहरी भी हैं। वास्तव में, मैंग्रोव तटों के रक्षक और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र की जीवनधारा हैं।

भारत स्टेट ऑफ फॉरेस्ट रिपोर्ट 2023 के अनुसार, देश में कुल मैंग्रोव क्षेत्र 4,991.68 वर्ग किलोमीटर है, जो भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग 0.15 प्रतिशत हिस्सा बनाता है। इनमें से सबसे अधिक मैंग्रोव पश्चिम बंगाल (42.45 प्रतिशत), उसके बाद गुजरात (23.66 प्रतिशत) और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह (12.39 प्रतिशत) में पाए जाते हैं।

वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के वैज्ञानिक डॉ. नेहरू प्रभाकरण कहते हैं,-

मैंग्रोव एक अत्यंत महत्वपूर्ण तटीय आर्द्रभूमि हैं, जो अनेक प्रकार की प्रजातियों को पोषक तत्वों से भरपूर वातावरण और उनके जीवन के लिए आवश्यक आवास प्रदान करती हैं।

जब समुद्र की लहरें तेजी से तटों पर आती हैं, तो यही वृक्ष अपनी मज़बूत जड़ों से मिट्टी को बाँधे रखते हैं और कटाव को रोकते हैं। चक्रवात और सुनामी जैसी आपदाओं के दौरान ये लहरों की ऊर्जा को अवशोषित कर तटीय क्षेत्रों को गंभीर नुकसान से बचाते हैं। इन वनों के भीतर की शांत जलधाराएं असंख्य मछलियों, केकड़ों, झींगों और पक्षियों का घर हैं।

वैज्ञानिकों का कहना है कि मैंग्रोव एक महत्वपूर्ण कार्बन सिंक भी हैं, ये वातावरण में मौजूद कार्बन डाइऑक्साइड को अपने भीतर संग्रहित कर जलवायु परिवर्तन की रफ्तार को कम करने में मदद करते हैं। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में मैंग्रोव का महत्व और भी बढ़ जाता है। ये प्राकृतिक 'जैव-ढाल' के रूप में काम करते हैं, जो तटों को चक्रवातों, समुद्री लहरों और क्षरण से बचाते हैं।

समुद्री लहरों की तीव्रता के लिए ढाल है मैंग्रोव

डॉ. प्रभाकरण बताते हैं, मैंग्रोव की उपस्थिति चक्रवात, समुद्री लहरों की तीव्रता और तटीय कटाव के विरुद्ध एक जैविक ढाल के रूप में कार्य करती है। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में अधिकांश स्थानीय समुदाय अपनी आजीविका के लिए मैंग्रोव से प्राप्त खाद्य संसाधनों पर निर्भर हैं, इसलिए इनका संरक्षण तटीय मानव समुदायों की स्थिरता और जीवन-निर्वाह के लिए अत्यंत आवश्यक है।

एक अध्ययन के अनुसार तटीय प्रदूषण, प्लास्टिक कचरा और भूमि उपयोग में तेजी से हो रहे बदलाव के चलते दक्षिण अंडमान के कई मैंग्रोव क्षेत्रों में गिरावट दर्ज की गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह प्रवृत्ति नहीं रोकी गई, तो आने वाले दशक में द्वीपों का एक बड़ा हिस्सा कटाव और बाढ़ के खतरे में पड़ सकता है।

डॉ. प्रभाकरण के अनुसार-2004 की सुनामी के बाद अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में मैंग्रोव वनों में भारी गिरावट देखी गई थी। अपनी प्राकृतिक पुनर्जीवित होने की क्षमता के कारण, कई स्थानों पर मैंग्रोव ने स्वयं को फिर से स्थापित कर लिया है। वन विभाग द्वारा किए गए वृक्षारोपण अभियानों ने भी कुछ क्षेत्रों में मैंग्रोव के सफल पुनर्स्थापन में योगदान दिया है।हालांकि, प्राकृतिक पुनर्जीवन क्षमता और वन विभाग के प्रयासों के बावजूद, कई कारण ऐसे हैं जिन्होंने मैंग्रोव के अस्तित्व को और अधिक बाधित, एवं उसके सीमित पुनर्जीवन में योगदान दिया है। विशेष रूप से, आक्रामक प्रजाति 'स्पॉटेड डियर' (चित्तीदार हिरण) द्वारा चराई ने मैंग्रोव के प्राकृतिक पुनर्जीवन को गंभीर रूप से बाधित किया है, खासकर राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों जैसे संरक्षित क्षेत्रों में।इसके अतिरिक्त, दक्षिण अंडमान के कुछ हिस्सों में भूमि पुनर्ग्रहण ने भी मैंग्रोव के पुनर्जीवन को सीमित कर दिया है। इसलिए, अंडमान द्वीपों में स्पॉटेड डियर की आबादी को नियंत्रित करना और तटीय क्षेत्रों को नियंत्रित करने वाले उपलब्ध कानूनों और नीतियों का कड़ाई से पालन करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में मैंग्रोव का प्राकृतिक पुनर्जीवन सुचारू रूप से हो सके।

तटीय क्षेत्रों में समुद्री कचरे की सफाई, प्लास्टिक-मुक्त अभियान और उपग्रह मॉनिटरिंग से भी स्थिति में सुधार लाया जा सकता है।यह लेखक के निजी विचार हैं।

# बिहार के नतीजों के बाद तेज हुई बंगाल में चुनावी सियासत

**बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा के रिकॉर्ड प्रदर्शन के बाद पश्चिम बंगाल में चुनावी सियासत तेज होने लगी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर पार्टी के तमाम नेताओं ने 'अब बंगाल की बारी' जैसे नारे दिए हैं। लेकिन सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने एक वीडियो के जरिए उसके दावे पर कटाक्ष करते हुए कहा है कि सपने देखना अच्छी बात है। पार्टी का दावा है कि बिहार के नतीजों का बंगाल पर कोई असर नहीं पड़ेगा। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने बंगाल में बिहार दोहराने के लक्ष्य के साथ प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व और प्रबारियो को सक्रिय कर दिया है। यही वजह है कि नतीजों के अगले दिन ही यहां भाजपा की प्रदेश कोर कमिटी की बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।**

(प्रभाकर मणि तिवारी)

भाजपा नेताओं को भरोसा है कि पार्टी बंगाल में भी बिहार के नतीजों को दोहरा सकती है। इसलिए पहले के मुकाबले रणनीति में बदलाव किए जा रहे हैं। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के मुताबिक, बदली हुई रणनीति के तहत पार्टी युवा तबके के साथ ही रोजगार के लिए पलायन करने वाले प्रवासी मजदूरों को साथ जोड़ने के अलावा राज्य में बड़े पैमाने पर आधारभूत परियोजनाओं और रोजगार के अवसर पैदा करने वाली योजनाओं पर विचार कर रही है।

कोर कमिटी की बैठक में भी इन मुद्दों पर गहन चर्चा की गई और प्रदेश नेताओं से सुझाव मांगे गए कि कहां क्या हो सकता है।

पार्टी के एक पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि बिहार के चुनावी नतीजों से पार्टी के निचले स्तर के कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है।

ममता हर बार चुनाव में स्थानीय मुद्दों के साथ ही लक्ष्मी भंडार जैसी विभिन्न योजनाओं के कारण महिला वोटरों का समर्थन हासिल करती रही है। वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव और बीते साल के लोकसभा चुनाव में इन दोनों मुद्दों ने पार्टी को भाजपा की चौतरफा चुनौतियों से निपटने में काफी मदद की थी। लेकिन भाजपा राष्ट्रीय मुद्दों के साथ स्थानीय मुद्दों को जोड़ कर इस बार उनके इस समर्थन की काट की रणनीति बना रही है।

पार्टी ने औद्योगिक विकास, बड़े पैमाने पर आर्थिक सुधार के जरिए पूंजी निवेश आकर्षित करने और रोजगार के अवसर पैदा करने जैसे मुद्दो पर जोर देकर ममता के वोट बैंक में सेंध लगाने की रणनीति बनाई है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी का कहना है कि एसआआआर के बाद साफ-सुथरी मतदाता सूची से होने वाले चुनाव में भाजपा की जीत तय है। इलाके के तीन क्षेत्रों को कलिंग (ओडिशा), अंग (बिहार और बंग (बंगाल) के नाम से भी जाना जाता है। हमने कलिंग और अंग जीत लिए

हैं, अब बंग की बारी है।

तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष का कहना है कि भाजपा चाहे जो भी दावे करे, यहां चौथी बार भी तृणमूल कांग्रेस ही सरकार बनाएगी। पार्टी को अगली बार कम से कम 250 सीटें मिलेंगी। बंगाल के लोगों ने भाजपा की हिंदुत्व और नफरत की राजनीति को कई बार खारिज कर दिया हैं।

पार्टी ने केंद्र पर राज्य की महिलाओं के अपमान और उनको मिलने वाले पैसों को रोकने का अपना पारंपरिक आरोप दोहराया है। पार्टी की वरिष्ठ नेता और मंत्री शशी पांजा ने कहा कि अगले चुनाव में भाजपा को महिलाएं इसका जवाब देंगी।

वैसे, तृणमूल कांग्रेस खेमे में बिहार के नतीजों से चिंता या आशंका की बजाय उत्साह है। पार्टी की राय में ममता बनर्जी के महिला सशक्तिकरण के हथियार की नकल कर ही बिहार में भाजपा को कामयाबी मिली है। लेकिन बंगाल में असली के सामने नकल नहीं चलेगा।

पार्टी के एक नेता ने बताया कि बिहार के नतीजों को ध्यान में रखते हुए ममता बनर्जी महिलाओं में लोकप्रिय लक्ष्मी भंडार योजना के तहत रकम बढ़ाने के अलावा महिलाओं के हित में कुछ अन्य योजनाएं शुरू करने पर भी विचार कर रही है।

लक्ष्मी भंडार के तहत हर महीने सामान्य वर्ग की महिलाओं को एक हजार और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग को 1200 रुपए महीने की रकम मिलती है।

पार्टी के एक प्रमुख नेता ने बताया कि चुनाव से पहले पेश होने वाले अंतरिम बजट में लक्ष्मी भंडार के लिए आवंटन बढ़ाने के लिए प्रशासनिक स्तर पर बातचीत हो रही है।

बिहार चुनाव में कांग्रेस के प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए पार्टी ने साफ कर दिया है कि वो अगले चुनाव में उसके (कांग्रेस के) साथ कोई तालमेल नहीं करेगी। यहां इस बात का जिक्र प्रासंगिक है कि सीटों पर सहमति नहीं बनने की वजह से बीते साल लोकसभा चुनाव में इन दोनों दलों में तालमेल नहीं हो सका था।

तृणमूल के एक नेता ने बताया कि संसद में दोनों दलों के बीच समन्वय जारी रहेगा। लेकिन स्थानीय स्तर पर हम अकेले ही लड़ेंगे। बंगाल में हमें कांग्रेस की कोई जरूरत नहीं है। उनके मुताबिक, बिहार में भाजपा को भले सबसे ज्यादा सीटें मिली हैं, यह बात समझनी होगी कि पार्टी ने वहां जद(यू) के साथ गठजोड़ किया था। इसलिए अल्पसंख्यकों के भी कुछ वोट उसे मिल गए। लेकिन बंगाल की चुनावी तस्वीर अलग है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि बिहार के नतीजों के बाद बदले राजनीतिक परिदृश्य में अब यह बात साफ हो गई है कि राज्य में अगले विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधा मुकाबला होगा।यह लेखक के निजी विचार हैं।

# 3,431 जीविका दीदियों के खाते में पहुंची दस हजार की राशि

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**जहानाबाद।** बिहार सरकार द्वारा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई विभिन्न योजनाओं के तहत जीविका समूह से जुड़ी महिलाओं के खातों में बड़ी संख्या में सहायता राशि भेजी जा रही है। इसी कड़ी में जहानाबाद जिले की हजारों महिलाओं को सीधे आर्थिक लाभ मिला है, जिससे पूरे जिले में खुशी और उत्साह का माहौल है। जिला प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, अब तक 4.41 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जीविका दीदी के खातों में ट्रांसफर की जा चुकी है। इसी अभियान के तहत शुक्रवार को जहानाबाद जिले की 3,431 जीविका दीदी के खातों में 10-10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता भेजी गई। यह राशि सीधे डीबीटी के माध्यम से प्रदान की गई, जिससे पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित हो सके।

राशि मिलते ही विभिन्न प्रखंडों में महिलाओं में उत्साह देखने को मिला। कई महिलाओं ने बताया कि यह आर्थिक सहयोग उनके छोटे-छोटे घरेलू व्यवसायों, स्वरोजगार और आजीविका के साधनों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।जिला प्रशासन ने बताया कि जहानाबाद जिले में अब तक 1,71,000 से अधिक महिलाओं को जीविका समूहों के माध्यम से सरकारी योजनाओं का लाभ मिल चुका है। लाभार्थियों की संख्या लगातार बढ़ रही है और सरकार की ओर से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई नई पहलें भी चलाई जा रही हैं।

**"राशि का सदुपयोग कर रोजगार बढ़ाएं": जिलाधिकारी**

जहानाबाद की जिलाधिकारी अलंकृता पांडेय ने बताया कि सरकार चाहती है कि महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत किया जाए ताकि वे स्वयं के साथ-साथ अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को भी बेहतर बना सकें।उन्होंने सभी लाभार्थी महिलाओं को प्रेरित करते हुए कहा—"इस राशि का उपयोग अपने छोटे स्वरोजगार को बड़ा बनाने में करें। सरकार की विभिन्न योजनाओं से जुड़ें और उनका पूरा लाभ उठाएं। आप सभी महिलाएं अपने पैरों पर खड़ी हों, यही सरकार का लक्ष्य है।" जिलाधिकारी ने कहा कि महिला सशक्तिकरण बिहार सरकार की प्राथमिकता है और इसी उद्देश्य से जीविका समूहों का विस्तार और वित्तीय सहायता का वितरण नियमित रूप से किया जा रहा है। उनके अनुसार, इस प्रकार का आर्थिक सहयोग ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करेगा और महिलाओं को स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण साबित होगा।सरकार की इस पहल से जिले की हजारों महिलाएं अब न केवल आत्मनिर्भर बन रही हैं बल्कि छोटे-छोटे व्यवसायों के माध्यम से परिवार की आमदनी में भी योगदान दे रही हैं। आने वाले समय में इस योजना से कई नए रोजगार अवसर भी उत्पन्न होने की संभावना जताई जा रही है।

# सरकारी खंभे व जमीन से हो रही कमाई, राजस्व नदारद

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**औरंगाबाद।** दाउदनगर नगर परिषद क्षेत्र में एक हजार से अधिक विद्युत के खंभे लगे हैं और इससे इंटरनेट आपूर्ति करने वाली कंपनियों का केवल लटका है। बड़ी मात्रा में मुख्य मार्ग में स्थित बिजली के खंभे पर इंटरनेट कंपनियों के बॉक्स टंगे हुए हैं। इन्हीं बॉक्स से घरों में इंटरनेट कनेक्शन दिए जाते हैं, जहां बैठकर लोग मोबाइल से अधिक तेज गति और कम मूल्य पर अधिक डाटा इस्तेमाल कर पाते हैं। शहर में इंटरनेटर केवल का जाल बिछा है। घरों, व्यवसायिक व शैक्षणिक प्रतिष्ठानों ने इंटरनेट कनेक्शन वाईफाई के लिए ले रखा है। ऐसे में यह स्वाभाविक प्रश्न है कि एयरटेल या जिओ जैसे कंपनियां जो इंटरनेट तार और बॉक्स लटका रखे हैं उसके बदले में विद्युत विभाग या नगर नगर परिषद को कितनी राजस्व देते हैं। नगर परिषद क्षेत्र इंटरनेट आपूर्ति करने वाली एयरटेल या जिओ समेत तमाम कंपनियों की तरफ से एक

रुपये राजस्व का भुगतान नहीं होता है। बिजली कंपनियों को भुगतान तो होता है परंतु इसमें विभाग का क्षेत्र कार्यालय शामिल नहीं हैं। नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी ने बताया कि केवल के बदले कोई कंपनी एक रुपये भी नगर परिषद को राजस्व नहीं देता है। विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता बताते हैं कि पटना स्थित विद्युत भवन से तमाम कंपनियां एग्रीमेंट करती हैं और राजस्व पहीं भुगतान करते हैं। उनके द्वारा आजतक कोई एग्रीमेंट किसी कंपनी से नहीं किया गया है और न ही कोई कंपनी विद्युत विभाग से संबंधित क्षोत्रीय, स्थानीय कार्यालय में संपर्क करती हैं। बता दें कि बिजली विभाग के खंभो पर इंटरनेट के केबल और उनके बॉक्स टंगे हुए हैं। प्रश्न उठता है कि क्या इससे कोई खतरा पैदा हो सकता है। इससे कोई खतरा नहीं है क्योंकि इन लटके हुए इंटरनेट के केबल और लगे हुए बॉक्स में विद्युत करंट प्रवाहित नहीं होता है बल्कि इन तारों में लिंक प्रवाहित होता है। इससे किसी प्रकार का कोई खतरा नहीं होता है।

# जनता दरबार में जनसुविधाओं से संबंधित 36 आवेदन प्राप्त

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**जहानाबाद।** जिला पदाधिकारी अलंकृता पाण्डेय की अध्यक्षता मे उनके कार्यालय प्रकोष्ठ मे तथा अन्य पदाधिकारियों द्वारा समाहरणालय स्थित ग्राम प्लेक्स भवन में जनता दरबार का आयोजन किया गया, जिसमे सभी विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों से आए नागरिकों की समस्याओं को सुना गया। जनता दरबार में कुल 36 आवेदन प्राप्त हुए, जो मुख्य रूप से जनसुविधाओं से संबंधित थे। जिन मामलों का निवारण तत्काल संभव था, उन्हें वहीं उपस्थित संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को निर्देशित कर समाधान हेतु कार्रवाई आरंभ करवाई गई। जबकि जिन मामलों की सुनवाई जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी के अधीन है, उन्हें विधि अनुसार लोक शिकायत

निवारण कार्यालय को भेजा गया।

जनता दरबार में उप विकास आयुक्त डॉ प्रीति,अपर समाहर्ता सह जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी राजीव कुमार, अपर समाहर्ता अनिल कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता, विभागीय जांच विनय कुमार सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी जहानाबाद, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला भू अर्जन पदाधिकारी सहित अन्य विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।जिला प्रशासन ने आश्वस्त किया कि सभी प्राप्त आवेदनों का शीघ्र, पारदर्शी एवं प्राथमिकता के आधार पर निवारण सुनिश्चित किया जाएगा।

# खलिहान लगाने को लेकर हुई मारपीट

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**मखदुमपुर (जहानाबाद)।** जहानाबाद जिले के टेहटा थाना क्षेत्र के सेरथुआ टोला दाउदपुर गांव में खलिहान लगाने को लेकर हुई मारपीट की घटना में एक युवक घायल हो गया। घायल युवक अशोक कुमार उर्फ उदय कुमार बताया जाता है। इस बाबत घायल युवक ने रेफरल अस्पताल मखदुमपुर में बताया कि उनका पड़ोसी से जमीनी विवाद चल रहा था। वहीं उनके जमीन पर पड़ोसी खलिहान लगा दिए थे।जिसे मना करने गए तो लाठी डंटे से हमला कर दिया। घायल युवक को इलाज के लिए रेफरल अस्पताल मखदुमपुर लाया गया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया है। इस बाबत प्राथमिकी को लेकर टेहटा थाना में आवेदन दिया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

# एसएस कॉलेज में 'स्वास्थ्य एवं पोषण' विषय पर कार्यशाला आयोजित

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**जहानाबाद।** स्थानीय स्वामी सहजानंद सरस्वती कॉलेज, जहानाबाद में शुक्रवार को एन.एस.एस., आइक्यूएसी तथा पीरामल फाउंडेशन, जहानाबाद के संयुक्त तत्वावधान में "स्वास्थ्य एवं पोषण" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सिकरिया के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. किशोरी प्रजापति ने कहा कि संतुलित एवं पौष्टिक आहार स्वास्थ्य की आधारशिला है। उन्होंने कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, वसा, विटामिन, मिनरल्स तथा अन्य सूक्ष्म पोषक तत्वों के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए मोटे अनाज, फल एवं हरी सब्जियों का सेवन अत्यंत आवश्यक है। आइक्यूएसी के समन्वयक डॉ. विनोद कुमार राय ने कहा कि हमारे युवा छात्र-छात्राएं समाज में पोषण एवं

स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि "आज की सुपोषित किशोरी ही भविष्य की सशक्त नारी बन सकती है।" वहीं एन.एस.एस. इकाई के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. अंशु कुमार मल्लिक ने स्वयंसेवकों को महिलाओं एवं बच्चों में पोषण और स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षित युवा तर्कसंगत ढंग से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य व पोषण का संदेश प्रभावी रूप से पहुंचा सकते हैं।

कार्यशाला को संबोधित करने वालों में जिला स्वास्थ्य समिति के डीपीसी सुनील कुमार, पीरामल फाउंडेशन के जिला प्रबंधक रविरंजन कुमार, तथा जिला कार्यक्रम लीडर धनंजय कुमार ने भी अपने विचार रखे। इस दौरान महाविद्यालय परिसर में आयोजित एक अन्य कार्यक्रम में स्नातकोत्तर जन्तु विज्ञान (सत्र 2025–27) के नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन मीट का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. दीपक कुमार ने अपने प्रेरक उद्बोधन में विद्यार्थियों को अनुशासन, नियमितता और सकारात्मक अध्ययन संस्कृति अपनाने का आग्रह किया।

जन्तु विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रवीण दीपक ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया।

# अतिक्रमण, ओवरलोडिंग एवं नियम उल्लंघन पर संयुक्त कार्रवाई के जिलाधिकारी ने दिए निर्देश

**नवबिहार टाइम्स ब्यूरो**

**जहानाबाद।** जिला पदाधिकारी अलंकृता पाण्डेय की अध्यक्षता में उनके कार्यालय प्रकोष्ठ मे जिला सड़क सुरक्षा समिति की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में अतिक्रमण, जाम, ओवरलोडिंग, शराब की अवैध आवाजाही, और यातायात नियमों के उल्लंघन जैसी प्रमुख समस्याओं पर व्यापक चर्चा हुई एवं ठोस निर्देश जारी किए गए।जिला पदाधिकारी द्वारा जहानाबाद नगर क्षेत्र को सड़क जाम से मुक्त करने के लिए कई महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए गए जिनमें नगर क्षेत्र अंतर्गत प्रमुख मार्गो की विभागीय निर्देश अनुसार कलर कोडिंग कर ऑटो रिक्शा और ई रिक्शा की परिचालन को व्यवस्थित किया जाएगा। पार्किंग और टेंपो स्टैंड के लिए चिन्हित स्थल

को क्रियान्वित किया जाएगा ताकि सड़क पर अवैध पार्किंग और टेंपो पड़ाव पर रोक लगाया जा सके। वहीं सड़क पर अवैध तरीके से पार्क किए गए वाहनों को टोइंग गाड़ी के माध्यम से हटाया जाएगा और नियमानुसार दंड अधिरोपित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त राजमार्गों पर चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स पर सुरक्षात्मक उपाय किए जाएंगे ताकि सड़क दुर्घटना को कम किया जा सके। राजा बाजार अंडरपास को जल जमाव से मुक्त करने के लिए कार्यपालक अभियंता को तुरंत आवश्यक कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि परिवहन, पुलिस, उत्पाद, खनन विभाग एवं नगर परिषद संयुक्त रूप से विशेष ड्राइव चलाकर शहर की यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करें। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण, ओवरलोडिंग, अवैध बालू/गिट्टी वाहन, और शराब सेवन जैसे मामलों में त्वरित कार्रवाई कर जुर्माना वसूली की जाए। ऑटो रिक्शा के लिए निर्देशः जिलाधिकारी ने सभी ऑटो चालकों से अपील की कि वे अपने निर्धारित रूट व ऑटो स्टैंड से ही वाहन चलाएं।

**गुड सेमेरिटन को सम्मानः** दुर्घटना में घायलों की सहायता करने वालों को प्रोत्साहित किया जाएगा। सभी अस्पतालों, बसों व थानों में फ्लैक्स व प्रचार की व्यवस्था होगी।

**सीट बेल्ट व हेलमेट उल्लंघनः** जिला पुलिस द्वारा नियमों का उल्लंघन करने वालों को समन जारी किया गया है। भविष्य में और सख्त कार्रवाई होगी।

ओवरलोडिंग पर अभियानः नियमित जांच व कार्रवाई से दुर्घटना व सड़क क्षति पर रोक लगाने का प्रयास।

**चालान लंबित मामलों में सख्तीः** तीन माह से अधिक समय तक चालान भुगतान नहीं करने वाले वाहन स्वामियों पर वाहन जब्ती की कार्रवाई होगी।

जिलाधिकारी ने अंत में निर्देश दिया कि यातायात नियमों के पालन को लेकर निरंतर जागरूकता अभियान चलाया जाए तथा नियम तोड़ने वालों पर निरंतर सख्त कार्रवाई की जाए।

# मदनपुर में जीटी रोड पर किए गए अतिक्रमण से दुर्घटना की आशंका

**औरंगाबाद/नबिटा संवाददाता।** मदनपुर में जीटी रोड पर अतिक्रमण के कारण प्रतिदिन दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहती है। यहां सड़क पर टेंपो और अन्य वाहनों की पार्किंग होती है जबकि दोनों तरफ फुटपाथी दुकानदारों ने अतिक्रमण कर रखा है। सड़क पर मछली बाजार भी लगता है जिससे यातायात में बाधा उत्पन्न होती है। टेंपो चालक यात्रियों को सड़क पर ही बैठाते हैं जिससे तेज रफ्तार में गुजरते कार, टक और अन्य वाहनों के बीच दुर्घटनाएं होने का खतरा बढ जाता है। स्थानीय प्रखंड सह अंचल के अधिकारी और थाना पुलिस इस स्थिति को प्रतिदिन देखते हैं परंतु अतिक्रमण के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जाती है। जिला और पुलिस प्रशासन के उच्च अधिकारी भी इस समस्या को नजरअंदाज कर रहे हैं। मदनपुर निवासी बब्लू कुमार, गणेश कुमार ने बताया कि मदनपुर बाजार के पास अतिक्रमण के कारण यात्रियों की जान को खतरा है। सड़क पर दुकानों के लगने और मछली बाजार के कारण गंदगी फैलती है जिससे लोगों को चलने में कठिनाई होती है। जीटी रोड से अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर शांति समिति और बीस सूत्री की बैठक में भी आवाज उठाई गई है परंतु जिला प्रशासन की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

# सीएससी सेंटर में दाखिल-खारिज, परिमार्जन प्लस व ई-मापी की मिलेगी सुविधा

**नवबिहार टाइम्स संवाददाता**

**बारुण।** शुक्रवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी नीरज कुमार ने बारुण प्रखंड में कॉमन सर्विस सेंटर सीएससी का फीता काट कर उद्घाटन किया। जबकि संचालन संचालक मिथिलेश कुमार एवं चितरंजन कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा कि सीएससी ग्रामीण व शहरी दोनों क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। अब बारुण प्रखंड के नागरिक अंचल कार्यालय में सीएससी के प्रशिक्षित वीएलइ ऑनलाइन राजस्व सेवाएं उपलब्ध कराएंगे। राजस्व व भूमि सुधार विभाग की आमजनों को दाखिल-खारिज, परिमार्जन प्लस, भू-लगान भुगतान, ई-मापी समेत अन्य ऑनलाइन सेवाएं आसानी से उपलब्ध कराने के लिए यह एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने यह भी कहा कि ये सभी सेवाएं नियत शुल्क पर उपलब्ध होंगी। सभी ऑनलाइन राजस्व सेवाओं से संबंधित शुल्क-दर भी प्रदर्शित किया गया है। इस केंद्र के संचालन से आम जनता को सरकारी सेवाओं की त्वरित व पारदर्शी सुविधा मिलेगी।

# युवक ने खाया जहरीला पदार्थ

**रफीगंज (औरंगाबाद)/नबिटा सं।** प्रखंड क्षेत्र के चित्रसारी गांव में पत्नी से विवाद के बाद एक युवक ने जहरीला पदार्थ खा लिया। 20 वर्षीय दीपक कुमार की हालत गंभीर होने पर उसे रफीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां से उसे गया मगध मेडिकल रेफर कर दिया गया।


**आद्रा मंडल के तहत कैटरिंग संविदा के लिए ई-नीलामी सूचना**

**ई-नीलामी सूचना सं.: सी.130/कैटरिंग/11/25 दिनांकः- 27.11.2025**

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, आद्रा द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के लिए ई-नीलामियां आमंत्रित की जाती हैः **कार्य का नामः** कैटरिंग की संविदा। **श्रेणीः** कैटरिंग। **नीलामी सूचीपत्र सं.:** सीएटीजी43; **लॉट सं./श्रेणीः (i)** सीएटीजी-आद्रा-एमवाईएक्स-जीएमयू-58-25-1 [कैटरिंग-जनरल माइनर यूनिट (जीएमयू)], **(ii)** सीएटीजी-आद्रा-बीजीओ-जीएमयू-51-25-1 [कैटरिंग-जनरल माइनर यूनिट (जीएमयू)], **(iii)** सीएटीजी-आद्रा-बीईआरओ-जीएमयू-66-25-1 [कैटरिंग-जनरल माइनर यूनिट (जीएमयू)], **(iv)** सीएटीजी-आद्रा-एमडीएफ-जीएमयू-52-25-1 [कैटरिंग-जनरल माइनर यूनिट (जीएमयू)], **(v)** सीएटीजी-आद्रा-एसआरजेएम-जीएमयू-57-25-1 [कैटरिंग-जनरल माइनर यूनिट (जीएमयू)], **(vi)** सीएटीजी-आद्रा-बीओकेए-जीएमयू-73-25-1 [कैटरिंग-जनरल माइनर यूनिट (जीएमयू)], **(vii)** सीएटीजी-आद्रा-आरएनजीआर-जीएमयू-75-25-1 [कैटरिंग-जनरल माइनर यूनिट (जीएमयू)], **(viii)** सीएटीजी-आद्रा-एसएचएमआर-जीएमयू-74-25-1 [कैटरिंग-जनरल माइनर यूनिट (जीएमयू)], **(ix)** सीएटीजी-आद्रा-सीएनआरएफ-जीएमयू-72-25-1 [कैटरिंग-जनरल माइनर यूनिट (जीएमयू)], **(x)** सीएटीजी-आद्रा-एसआईएमआर-एसएमयू-76-25-1 [कैटरिंग-स्पेशल माइनर यूनिट (एसएमयू)], **(xi)** सीएटीजी-आद्रा-एएनसीआर-एसएमयू-56-25-1 [कैटरिंग-स्पेशल माइनर यूनिट (एसएमयू)], **(xii)** सीएटीजी-आद्रा-डीजीएफ-एसएमयू-77-25-1 [कैटरिंग-स्पेशल माइनर यूनिट (एसएमयू)], **(xiii)** सीएटीजी-आद्रा-एचएएम-एसएमयू-78-25-1 [कैटरिंग-स्पेशल माइनर यूनिट (एसएमयू)], **(xiv)** सीएटीजी-आद्रा-बीईएक्स-एसएमयू-69-25-1 [कैटरिंग-स्पेशल माइनर यूनिट (एसएमयू)]। **नीलामी शुरू (सभी लॉट):** 15.12.2025 को 10:00:00 बजे। **नीलामी बंद होने की तारीख/समयः** 15.12.2025 को 12:40:00 बजे। **टिप्पणीः** प्रस्तावित बोलीदाताओं से आईआरईपीएस वेबसाइट (**www.ireps.gov.in**) पर ई-नीलामी प्रारूप देखने का अनुरोध किया जाता है। पूछताछ/स्पष्टीकरण, यदि कोई हो, के लिए कृपया अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से सम्पर्क करें।

(PR-897) वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, आद्रा

दक्षिण पूर्व रेलवे
मुस्कान के साथ सेवा



**पूर्व रेलवे**

**खुली ई-निविदा सूचना सं.: 128, 153, 156 और 157, दिनांक 26.11.2025 (सिविल और पी.वे कार्य),** मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, मालदा टाउन ऑफिस, मालदा टाउन ऑफिस बिल्डिंग, डाकघर-झलझलिया, जिला - मालदा, पिन-732102 (पश्चिम बंगाल) द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए खुली ई-निविदा सूचना आमंत्रित की जाती हैः **क्रम सं. 1, निविदा सं. 128-एमएलडीटी-25-26, कार्य का नाम** : मंडल अभियंता-1/पूर्व रेलवे/मालदा के अधिकार क्षेत्र में ठेकेदारों के मोबाइल फ्लैश बट वेल्डिंग प्लांट के साथ साइट पर 60 केजी/52 केजी (90 यूटीएस/72 यूटीएस, आर-260), (नया/एसएच/ एसआर/ एसडब्ल्यूआर/ एलडब्ल्यूआर) रेल की फ्लैश बट वेल्डिंग के लिए खुली ई-निविदा। **निविदा मूल्यः** रु. 2,46,01,986.27, **क्रम सं. 2, निविदा सं. 153-एमएलडीटी-25-26, कार्य का नाम** : वरिष्ठ मंडल अभियंता-II और वरिष्ठ मंडल अभियंता-III/ पूर्व रेलवे/मालदा के अधिकार क्षेत्र में ठेकेदारों के मोबाइल फ्लैश बट वेल्डिंग प्लांट के साथ साइट पर 60 केजी/52 केजी (90 यूटीएस/72 यूटीएस, आर-260), (नया/ एसएच/एसआर/ एसडब्ल्यूआर/ एलडब्ल्यूआर) रेल की फ्लैश बट वेल्डिंग के लिए खुली ई-निविदा। **निविदा मूल्यः** रु. 2,91,81,597.36, **क्रम सं. 3, निविदा सं. 156-एमएलडीटी-25-26, कार्य का नाम** : मंडल अभियंता-1/पूर्व रेलवे/मालदा के अधिकार क्षेत्र में सहायक अभियंता/मालदा के अधीन मालदा में रेलवे संस्थान के उन्नयन एवं सुधार कार्य के लिए खुली ई-निविदा। **निविदा मूल्यः** रु. 1,48,68,538.08, **क्रम सं. 4, निविदा सं. 157-एमएलडीटी-25-26, कार्य का नाम** : मंडल अभियंता/1/मालदा के अधिकार क्षेत्र में सहायक अभियंता/मालदा के अधीन गौड़ मालदा, जमीरघाटा, खालतीपुर और चामाग्राम में पानी की आपूर्ति एवं ड्रेनेज सुविधाओं में सुधार सहित पीएफ सरफेस वाटर बूथ, स्टेशन भवनों के सुधार के प्रावधान के कार्य के लिए खुली ई-निविदा। **निविदा मूल्यः** रु. 2,98,24,946.68, **निविदा की अंतिम तिथि और समय** : दिनांक 18.12.2025 को 15.30 बजे प्रत्येक हेतु। **वेबसाइट का विवरण एवं सूचना पट** : www.ireps.gov.in/ डीआरएम कार्यालय/ मालदा टाउन प्रत्येक हेतु।

MLD-247/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter



**पूर्व रेलवे**

**ई-निविदा सं. : 191_2025-26, 192_2025-26, 193_2025-26 और 194_2025-26, दिनांक 27.11.2025,** मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से **वरिष्ठ डीईएन/3/हावड़ा** के अधीन निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है। **क्रम सं. 1, ई-निविदा सं. 191 _2025-26, कार्य का विवरण** : एडीईएन/ आजिमगंज के तहत पुल संख्या 19, 23, 236 और 279 की मरम्मत सहित पुल संख्या 43 के आरसीसी रिटेनिंग के निर्माण के साथ आरसीसी जैकेटिंग, फ्लोरिंग कार्य। **अनुमानित मूल्य :** रु. 1,99,08,686.18, **बयाना राशिः** रु. 2,49,600/-**क्रम सं. 2, ई-निविदा सं. 192_2025-26, कार्य का विवरण** : वरिष्ठ डीईएन/3/हावड़ा के तहत एमईए की कमी (पानी का नल, मूत्रालय, शौचालय, पीएफ शेड और प्रतीक्षालय) को दूर करने का प्रस्ताव। **अनुमानित मूल्य :** रु.58,78,336.06, **बयाना राशिः** रु. 1,17,600/-, **क्रम सं. 3, ई-निविदा सं. 193_2025-26, कार्य का विवरण** : वरिष्ठ डीईएन/3/हावड़ा के तहत एईएन/आजिमगंज, एईएन/नबद्वीपधाम और एईएन/कटवा के अधिकार क्षेत्र में 31 रेलवे यार्डों के ड्रेनेज प्लान की तैयारी के लिए व्यापक ड्रेनेज अध्ययन। **अनुमानित मूल्य :** रु. 49,71,662.82, **बयाना राशिः** रु. 99,400/-, **क्रम सं. 4, ई-निविदा सं. 194_2025-26, कार्य का विवरण** : वरिष्ठ डीईएन/3/हावड़ा के तहत एईएन/आजिमगंज, एईएन/नबद्वीपधाम और एईएन/ कटवा के अधिकार क्षेत्र में मौजूदा प्लान में संशोधन करके और पूर्व रेलवे के सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदन द्वारा यार्ड प्लान की तैयारी एवं यार्ड और आसपास के क्षेत्र के लिए ड्रोन/लिडार और डीजीपीएस/टीएस, मानव रहित हवाई प्रणाली (यूएएस) और स्टीरियो फोटोग्रामेट्री टेक्नोलॉजी का उपयोग करके सीएडी प्रारूप और पीडीएफ प्रारूप में डिलीवरी। **अनुमानित मूल्य :** रु. 46,99,058.70, **बयाना राशिः** रु. 94,000/-, **समापन अवधि :** स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से 06 (छह) माह (क्रम सं. 1 एवं 2 हेतु) और स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से 04 (चार) माह (क्रम सं. 3 एवं 4 हेतु)। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/ बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय :** दिनांक 19.12.2025 को 14.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। **ईएमडी और टीडीसी का भुगतान**-ई-निविदा प्रणाली के मामले में, बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत (टीडीसी) का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। **टिप्पणीः** आईआरईपीएस (ई-निविदा पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में कोई फिक्स्ड डिपॉजिट रिसीट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा।

HWH-419/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter



**पूर्व रेलवे**

**ई-निविदा सं. 198_2025-26, 199_2025-26 एवं 200_2025-26, दिनांकः 27.11.2025.** वरिष्ठ मंडल अभियंता (IV), पूर्व रेलवे, हावड़ा, चौथी मंजिल, रेल यात्री निवास, हावड़ा स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्यों के निष्पादन के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस अथवा अन्य किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के साथ पंजीकृत सहित समतुल्य प्रकृति के कार्य का अनुभव एवं वांछित वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से निम्नलिखित ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं **(सीनि. डीईएन/4/हावड़ा): क्रमांक 1, ई-निविदा सं. 198 _2025-26, कार्य का विवरणः** हावड़ा मंडल में सीनि. डीईएन/4/एचडब्ल्यूएच के अधीन एमईए (पानी के नल, पेशाबघर, शौचालय, पीएफ शेड एवं प्रतीक्षालय) की कमी को दूर करने हेतु प्रस्ताव एवं एईएन/आरपीएच अनुभाग के अधीन रामपुरहाट के प्रमुख कॉलोनी में स्टाफ क्वार्टरों के साथ बाहरी निकासी प्रणाली, चहारदीवारी, सड़क सतह की मरम्मत, रूफ ट्रीटमेंट, दरवाजे एवं खिड़की, आर/डब्ल्यू पाइप की मरम्मत एवं नवीनीकरण, फेंसिंग कार्य, पेंटिंग कार्य तथा सेप्टिक टैंक मरम्मत एवं नवीनीकरण इत्यादि कार्य। **अनुमानित लागतः**रु. 1,86,91,497.36; **बयाना राशिः** रु. 2,43,500। **क्रमांक 2, ई-निविदा सं. 199_2025-26, कार्य का विवरणः** सीनि. डीईएन/4/हावड़ा के अधीन 31 रेलवे यार्डों की निकासी योजना तैयार करने के लिए व्यापक ड्रेनेज अध्ययन। **अनुमानित लागत**ःरु. 49,71,662.82; **बयाना राशिः** रु. 99,400। **क्रमांक 3, ई-निविदा सं. 200_2025-26, कार्य का विवरणः** सीनि. डीईएन/4/एचडब्ल्यूएच के अधीन पूर्व रेलवे के यार्ड एवं निकटवर्ती क्षेत्र के लिए ड्रोन/लाइडर तथा डीजीपीएस/टीएस, अनमैन्ड एरियल सिस्टम (यूएएस) तथा स्टीरियो फोटोग्रामेट्री तकनीक का प्रयोग कर मौजूदा प्लानों में सुधार कर यार्ड प्लानों को तैयार करना तथा पूर्व रेलवे के सक्षम प्राधिकारी से उसका अनुमोदन प्राप्त करना तथा सीएडी प्रारूप एवं पीडीएफ प्रारूप में डिलीवरी करना। **अनुमानित लागतः** रु. 46,99,058.70; **बयाना राशिः** रु. 94,000। **समापन अवधिः** स्वीकृति पत्र के जारी किए जाने की तारीख से 08 (आठ) महीने (क्रमांक 1 के लिए) तथा स्वीकृति पत्र के जारी किए जाने की तारीख से 04 (चार) महीने (क्रमांक 2 एवं 3 के लिए)। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लेखित बंद होने की तारीख को किसी भी कारणवश छुट्टी का दिन/बंद/हड़ताल घोषित होने पर भी ऑनलाइन निविदा बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में एप्लीकेशन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत कोई भी प्रस्ताव जमा करने की अनुमति नहीं देती है। हालांकि, ऑनलाइन निविदा अगले कार्यकारी दिवस को खोली जाएगी। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः** प्रत्येक के लिए 19.12.2025 को अपराह्न 2.00 बजे। निविदाओं का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अपने प्रस्ताव उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है। ईएमडी एवं टीडीसी का भुगतान - ई-निविदा से संबंधित बयाना राशि जमा (ईएमडी) तथा निविदा दस्तावेज की कीमत का भुगतान ऊपर उल्लेखित वेबसाइट के जरिए सिर्फ नेट बैंकिंग अथवा पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। **टिप्पणीः** आईआरईपीएस (ई-टेंडर पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में फिक्स्ड डिपॉजिट रिसिप्ट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(HWH-424/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

## मीशो ने आईपीओ के लिए 105-111 रुपये सेट किया प्राइस, 3 दिसंबर को हो रहा ओपन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** 2025 के सबसे चर्चित आईपीओ में से एक ई-कॉमर्स कंपनी मीशो भी स्टॉक मार्केट में एंट्री के लिए तैयार है। सॉफ्टबैंक के निवेश वाली कंपनी मीशो का आईपीओ 3 दिसंबर को खुलेगा। निवेशकों के पास 5 दिसंबर 2025 यानी शुक्रवार तक दांव लगाने का मौका रहेगा। यह आईपीओ एंकर निवेशकों के लिए 2 दिसंबर को ही खुल जाएगा। मीशो के आईपीओ का प्राइस बैंड 105 रुपये से 111 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। मीशो के आईपीओ के लॉट साइज की बात करें तो यह 135 शेयरों का बनाया गया है। मीशो का आईपीओ ग्रे मार्केट में मजबूती के साथ प्रदर्शन कर रहा है। कंपनी का आईपीओ ग्रे मार्केट में 33 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। उम्मीद की जा रही है कि मार्केट के अच्छे मूड का फायदा इस चर्चित आईपीओ को मिल सकता है। मीशो आईपीओ के जरिए 4250 करोड़ रुपये के फ्रेश शेयर जारी करेगी। कंपनी 10.55 करोड़ शेयर ऑफर फार सेल के जरिए जारी करेगी। जो निवेशक अपने हिस्से का शेयर आईपीओ के जरिए बेच रहे हैं उसमें एलिवेश कैपिटल, पीक एक्सवी पार्टनर्स, गोल्डन समिट, वाई क्ामबिनेटर और अन्य शामिल हैं। इस कंपनी के प्रमोटर्स के पास 18.50 प्रतिशत हिस्सा है। वहीं, पब्लिक के पास 81.50 प्रतिशत हिस्सा है। मीशो में सबसे बड़ा हिस्सा एलिवेशन कैपिटल है। कंपनी में इस निवेशक की कुल हिस्सेदारी 15.11 प्रतिशत है। वेस्टब्रिज क्रॉसओवर फंड के पास 3.92 प्रतिशत हिस्सा है। मीशो आईपीओ से जुटाए 1390 करोड़ रुपये का उपयोग कंपनी फ्रेश इश्यू के जरिए करेगी। 1020 करोड़ रुपये का उपयोग कंपनी मार्केटिंग एंड ब्रांडिंग के लिए करेगी। 480 करोड़ रुपये का उपयोग कंपनी मौजूदा कर्मचारियों और नए कर्मचारियों की सैलरी के लिए करेगी। इस आईपीओ के लिए कोटक महिंद्रा बैंक, जेपी मॉर्गन इंडिया, मॉर्गन स्टेनले इंडिया कंपनी, एक्सिस कैपिटल और सिटी ग्रुप ग्लोबल मार्केट्स इंडिया को मर्चेंट बैंकर नियुक्त किया है। वहीं, केफिन टेक्नोलॉजी लिमिटेड को रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है।

## जुर्माने पर बायजू का पलटवार, सबूतों के साथ अमेरिकी अदालत में जाएंगे रवींद्रन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आर्थिक संकट से जूझ रही एडुटेक कंपनी बायजू के संस्थापक बायजू रवींद्रन अमेरिकी अदालत में 2.5 अरब डॉलर का क्षतिपूर्ति दावा दायर करने की तैयारी कर रहे हैं। इसके साथ ही अल्फा फंड से 53.3 करोड़ डॉलर की रकम दूसरी जगह भेजने के आरोपों को गलत ठहराने वाले सबूत भी पेश किए जाएंगे। बता दें कि अमेरिका के डेलावेयर की दिवाला अदालत ने पिछले सप्ताह रवींद्रन को एक अरब डॉलर से अधिक भुगतान करने का आदेश दिया था। अदालत का कहना था कि वह साल 2021 में लिए गए 1.2 अरब डॉलर के कर्ज में से आधी रकम का पता लगाने में सहयोग नहीं कर रहे हैं। रवींद्रन ने एक बयान में कहा है कि अमेरिकी अदालत ने उन्हें अपना वकील रखने के लिए 30 दिन का समय नहीं दिया। उन्होंने कहा कि वह इस आदेश के खिलाफ अपील करेंगे और ग्लास ट्रस्ट एवं अन्य पक्षों पर अलग से 2.5 अरब डॉलर का दावा ठोंकेंगे। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट का 53.3 करोड़ डॉलर की समूची राशि का विवरण दर्ज है। इसका बड़ा हिस्सा कर्ज व्यवस्थापक ओसीआई से रिवेरे कैपिटल और फिर विभिन्न बायजू इकाइयों से होते हुए मूल कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड (टीएलपीएल) तक पहुंचा था।

### आईएमएफ की सख्त टिप्पणी से हलचल

# भारतीय जीडीपी आंकड़ों में खामियां

### सात फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान

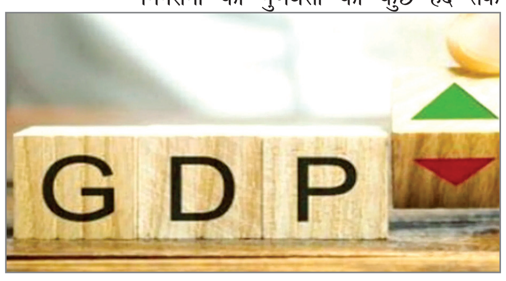


**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक महत्वपूर्ण टिप्पणी सामने आई है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने राष्ट्रीय लेखा आंकड़ों में गंभीर खामियां बताते हुए इन्हें सी ग्रेड में रखा है, जो आंकड़ों की गुणवत्ता के लिहाज से दूसरा सबसे निचला स्तर माना जाता है। यह मूल्यांकन ऐसे समय में आया है, जब सरकार आज वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के जीडीपी आंकड़े जारी करने जा रही है। अनुमान है कि अर्थव्यवस्था सात प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है।

आईएमएफ के वार्षिक मूल्यांकन के अनुसार भारत के राष्ट्रीय लेखा आंकड़ों में जीडीपी और जीवीए जैसे प्रमुख संकेतक शामिल हैं। इसमें पद्धतिगत कमियां मौजूद हैं। संस्था का कहना है कि आंकड़े पर्याप्त आवृत्ति और समय पर उपलब्ध होते हैं, लेकिन कार्यप्रणाली संबंधी कमजोरियां आर्थिक निगरानी की गुणवत्ता को कुछ हद तक प्रभावित करती हैं। इसी आधार पर राष्ट्रीय लेखा प्रणाली को सी ग्रेड दिया गया है।

आईएमएफ ने 2011-12 के पुराने आधार वर्ष पर भी सवाल उठाया, जिस पर मौजूदा आर्थिक गणनाएं आधारित हैं। रिपोर्ट में थोक मूल्य सूचकांक के उपयोग और जीडीपी को मापने के उत्पादन व खर्च आधारित दृष्टिकोणों में समय-समय पर सामने आने वाली विसंगतियों को प्रमुख समस्या बताया गया। संस्था ने खर्च आधारित आंकड़ों और अनौपचारिक क्षेत्र के कवरेज को बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। भारत सरकार लंबे समय से आय आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से जीडीपी का अनुमान लगाती है।

### 85 लाख कीमत और 55 करोड़ का ऑफर

# बिकने जा रहा रतन टाटा का विला

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
दिवंगत उद्योगपति रतन टाटा की सेशेल्स में मौजूद प्रॉपर्टी बिकने जा रही है। यह समुद्र के किनारे बना एक शानदार विला है, जो सेशेल्स के सबसे बड़े द्वीप माहे पर स्थित है। रतन टाटा ने अपनी वसीयत में इस प्रॉपर्टी को अपने सिंगापुर स्थित फंड RNT Associates के नाम कर दिया था। यह फंड भारतीय स्टार्टअप्स में निवेश करता है। प्रॉपर्टी की कीमत लगभग 85 लाख रुपये आंकी गई थी। सूत्रों के मुताबिक बंद हो चुकी टेलीकॉम कंपनी एयरसेल के फाउंडर सी. शिवशंकरन और उनके परिवार तथा साथियों ने इस प्रॉपर्टी को खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है। उन्होंने इसके लिए 6.2 मिलियन डॉलर यानी करीब 55 करोड़ रुपये की पेशकश की है। जब टीओआई ने शिवशंकरन से इस बारे में पूछा, तो उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता आप किस बारे में बात कर रहे हैं। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि बातचीत हुई है, लेकिन अभी तक कोई पक्का समझौता नहीं हुआ है। यह बात भी सामने आई है कि सेशेल्स के नागरिक बन चुके शिवशंकरन ने ही रतन टाटा को यह प्रॉपर्टी खरीदने में मदद की थी। सेशेल्स के कानून के मुताबिक सिर्फ वहां के नागरिक ही प्रॉपर्टी खरीद सकते हैं। चूंकि रतन टाटा सेशेल्स के नागरिक नहीं थे, इसलिए उन्हें एक खास छूट दी गई थी। यह छूट उनके वैश्विक उद्योगपति और परोपकारी होने के नाते दी गई थी। टाटा मोटर्स का सेशेल्स से पुराना रिश्ता रहा है। 1982 में सेशेल्स ने टाटा मोटर्स के सम्मान में एक खास डाक टिकट भी जारी किया था। 2004 के बाद कुछ समय के लिए इंडियन होटल्स (ताज) ने सेशेल्स के डेनिस आइलैंड प्रॉपर्टी का मैनेजमेंट भी संभाला था। फिलहाल टाटा मोटर्स और ताज दोनों का ही इस पूर्वी अफ्रीकी देश में कोई बिजनेस नहीं है। हाल के इंटरव्यू में 69 वर्षीय शिवशंकरन ने रतन टाटा के साथ अपने रिश्ते के बारे में बताया था। उन्होंने कहा कि वह सात साल तक हर दिन सुबह 7-15 बजे मुंबई की बख्तावर बिल्डिंग में रतन टाटा के घर जाते थे। शिवशंकरन, रतन टाटा के परोपकारी स्वभाव और शांत व्यवहार के बहुत बड़े प्रशंसक हैं। उन्होंने एक बार बताया था कि सिंगापुर से सेशेल्स की फ्लाइट में जब एक इंजन फेल हो गया था और यात्रियों को यह चेतावनी दी गई थी कि विमान क्रैश हो सकता है। तब वह घबरा गए थे और उन्होंने अपने बेटे को अपना जीमेल पासवर्ड भेज दिया था। लेकिन टाटा बिल्कुल शांत थे। उन्होंने शिवशंकरन से कहा था, पायलटों को उनका काम करने दो। उनकी दोस्ती के चलते ही शिवशंकरन ने टाटा ग्रुप के टेलीकॉम वेंचर में भी निवेश किया था। अगर यह प्रॉपर्टी डील फाइनल हो जाती है, तो इससे होने वाली कमाई को रतन टाटा एंडोमेंट फाउंडेशन और रतन टाटा एंडोमेंट ट्रस्ट के बीच बराबर बांटा जाएगा।

### 8 साल में एक लाख रुपये का निवेश बना 4.29 लाख रुपये

# सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में जबरदस्त रिटर्न

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 2017-18 में सीरीज-10 के लिए जारी सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) को भुनाने के लिए अंतिम मूल्य की घोषणा कर दी है। इसे 27 नवंबर से कभी भी भुनाया जा सकता है। 20 नवंबर, 2017 से 22 नवंबर, 2017 तक खुले इस बॉन्ड में किसी ने अगर एक लाख रुपये का निवेश किया होगा तो वह रकम अब 4.29 लाख हो गई है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की परिपक्वता अवधि 8 साल की होती है। हालांकि, इसे 5 साल बाद भी भुनाया जा सकता है। 2017-18 की सीरीज-10 के सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड का प्रति यूनिट मूल्य 12,484 रुपये तय किया गया है। यह तीन कार्यदिवसों अर्थात 24 नवंबर, 25 और 26 नवंबर, 2025 के लिए सोने के औसत बंद भाव पर आधारित है। 2017 में जारी होने के समय बिना छूट के प्रति यूनिट भाव 2,964 रुपये तय किया गया था। 2017 में इस बॉन्ड में ऑनलाइन निवेश करने पर 50 रुपये की प्रति यूनिट छूट मिली थी। इस तरह से इसका भाव 2,914 रुपये हो गया था। यानी 328 फीसदी का फायदा मिला। इसे ऐसे समझ सकते हैं। 12,484-2,914 = 9,570 रुपये (ब्याज को छोड़कर)। प्रतिशत के लिहाज से यह 9,934 ‸ 2,914 म 100 = 328.41 प्रतिशत है। बॉन्ड धारकों को 2.5 प्रतिशत वार्षिक ब्याज मिला है। एसजीबी सरकारी प्रतिभूतियां हैं, जिनका मूल्य ग्राम सोने में होता है। ये आरबीआई द्वारा जारी किए गए अनिवार्य प्रमाणपत्र हैं। इससे व्यक्ति अपनी भौतिक संपत्ति की रक्षा की चिंता किए बिना सोने में निवेश कर सकते हैं। चूँकि ये बॉन्ड आरबीआई द्वारा भारत सरकार के शेयरों के अंतर्गत जारी किए जाते हैं, इसलिए सदस्यता के लिए एक विशेष समय-सीमा पहले से निर्धारित होती है, जिसके दौरान निवेशकों के नाम पर किस्तों में एक सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना जारी की जाती है। आमतौर पर, आरबीआई हर 2-3 महीने में एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करके नए सॉवरेन बॉन्ड जारी करने की घोषणा करता है, जिसमें एक सप्ताह का समय होता है जिसके दौरान लोग इस योजना की सदस्यता ले सकते हैं।

**कैसे तय होती है कीमतें?:** स्वर्ण बांड का अंकित मूल्य भारतीय रुपये में होगा, जो सदस्यता अवधि से पहले के सप्ताह के अंतिम 3 कार्यदिवसों के लिए इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन लिमिटेड द्वारा प्रकाशित 999 शुद्धता वाले सोने के बंद भाव के साधारण औसत के आधार पर तय किया जाएगा।

# लड़ाकू विमान तेजस है सुरक्षित

### दुबई हादसे के बाद एचएएल का बड़ा बयान

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डीके सुनील ने लड़ाकू विमान तेजस की मजबूत सुरक्षा विशेषताओं की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि विमान पूरी तरह से सुरक्षित है और दुबई एयर शो में जो हुआ वह दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी। सुनील ने विश्वास जताया कि इस घटना से विमान के भविष्य के उपयोग पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

**तेजस का सुरक्षा रिकॉर्ड दुनिया में सर्वश्रेष्ठ**

एचएएल के अध्यक्ष ने कहा कि तेजस में कोई समस्या नहीं है , यह पूरी तरह सुरक्षित है और इसका सुरक्षा रिकॉर्ड दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है। दुबई में आपने जो देखा वह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी।

**भारत के पास नवीनतम क्षमता वाला 4.5 पीढ़ी का विमानत्र:** उन्होंने आगे कहा कि मुझे लगता है कि जैसे-जैसे देश विकसित होते हैं और अपनी तकनीक विकसित करते हैं, हम विभिन्न चरणों से गुजरते हैं। हमारे पास नवीनतम क्षमता वाला 4.5 पीढ़ी का विमान है। यह एक शानदार सफलता है और हम सभी को इस पर गर्व होना चाहिए। हमेशा कुछ लोग इसका विरोध करेंगे और सवाल उठाएंगे, लेकिन यह हमें और मजबूत होने से नहीं रोक पाएगा। मैं आपको पूरी तरह से आश्वस्त कर सकता हूं कि यह एक बिल्कुल सुरक्षित विमान है और इसका तेजस के भविष्य पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

एचएएल के अध्यक्ष ने यह भी कहा कि कंपनी वैश्विक खिलाड़ी बनने के प्रयास में निर्यात पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है। निर्यात भारत सरकार और कंपनी की भागीदारी का परिणाम है। यह हमारे द्वारा निर्मित क्षमता का तार्किक विस्तार है।

दुबई एयरशो में हुई दुर्घटना, हल्के लड़ाकू विमान तेजस से जुड़ी दूसरी ऐसी दुर्घटना है, जब से यह 10 साल पहले भारतीय वायुसेना के बेड़े में शामिल हुआ था। पिछले साल मार्च में जैसलमेर के पास हुई पिछली घटना में पायलट सुरक्षित बच गया था। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने पहले पुष्टि की थी कि दुबई के अल मकतूम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक निम्न-स्तरीय एरोबैटिक प्रदर्शन के दौरान विमान के नीचे गिरने और उसमें आग लगने से पायलट की मौत हो गई।

# डाटा सेंटर: एयरटेल-रिलायंस-अदाणी-टाटा का 50 अरब डॉलर का होगा निवेश

### नौ गीगावॉट पहुंचेगी घरेलू क्षमता

**नई दिल्ली, एजेंसी।** डाटा सेंटर उद्योग में घरेलू कॉरपोरेट जगत पूरी तरह से उतरने की तैयारी में है। टाटा और रिलायंस से लेकर अदाणी और एयरटेल तक इस क्षेत्र में पांच से सात वर्षों में 50 अरब डॉलर का भारी निवेश करने की योजना बना रहे हैं। इससे वर्तमान एक गीगावॉट की क्षमता इस दौरान बढ़कर 9 गीगावॉट तक पहुंच जाएगी।

ये सभी कॉरपोरेट देश के डाटा सेंटर बूम पर दोगुना जोर दे रहे हैं। इससे अगले दशक में एआई और क्लाउड विकास को तेज रफ्तार मिलेगी। इस क्षेत्र में नई उतरने वाली टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) है। इसने निजी इक्विटी फर्म टीपीजी के साथ अरबों डॉलर का संयुक्त उद्यम किया है। यह एक 1.2 गीगावॉट प्लेटफॉर्म है जिसकी क्षमता देश के सभी मौजूदा डाटा सेंटरों की संयुक्त क्षमता के बराबर है। जेएलएल के मुताबिक, 5 से 7 वर्षों में 35 से 50 अरब डॉलर का भारत में निवेश होगा। यह उछाल ऐसे समय में आया है जब देश में डाटा की खपत 2016-17 के 8 एक्साबाइट से बढ़कर 2024-25 में 229 एक्साबाइट हो गई है। एक एक्साबाइट मतलब एक अरब गीगाबाइट है। जेफरीज का अनुमान है कि 2030 तक क्षमता 8 गीगावॉट तक पहुंच जाएगी। इसके लिए 30 अरब डॉलर के निवेश की जरूरत होगी।

**रिलायंस :** पहले ही जामनगर में एक गीगावॉट एआई डाटा सेंटर की घोषणा की है। अब कनाडा की ब्रुकफील्ड और अमेरिका की डिजिटल रियल्टी के साथ साझेदारी कर विशाखापत्तनम में एक गीगावॉट एआई डाटा सेंटर बनाएगी। यह परियोजना देश की सबसे बड़ी डाटा इन्फ्रास्ट्रक्चर में से एक है।

### 03 कंपनियों का 40 प्रतिशत हिस्सा

जेफरीज ने कहा, एयरटेल, रिलायंस और अदानीकॉनेक्स मिलकर 2030 तक डाटा सेंटर क्षमता का 35 से 40 फीसदी हिस्सा हासिल करेंगे। क्रिसिल को उम्मीद है कि कंपनियां 2026-27 से 2027-28 के दौरान 55,000-60,000 करोड़ रुपये का निवेश करेंगी। इससे क्षमता 2.3-2.5 गीगावॉट हो जाएगी। डाटा की बढ़ती मांग के कारण भारत तेजी से सबसे प्रतिस्पर्धी डाटा सेंटर बाजारों में से एक है। दुनिया का 20 फीसदी डाटा भारत उत्पन्न करता है। लेकिन घरेलू स्तर पर केवल 3 फीसदी ही संग्रहीत करता है। इंटरनेट खपत वाले देशों में से एक होने के कारण भारत डाटा निर्माण का बड़ा इंजन बन गया है।

## दिल्ली में जोनल ऑफिस और पांच नई शाखाओं का शुभारंभ

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आईसीएल फिनकॉर्प ने वित्तीय सेवाओं की पहुंच बढ़ाने और राष्ट्रीय विकास को गति देने के मकसद से आज दिल्ली में अपने जोनल ऑफिस और पांच नई शाखाओं का भव्य उद्घाटन किया। लॉन्चिंग कार्यक्रम राजधानी के कनॉट प्लेस स्थित शाखा में आयोजित हुआ। आईसीएल फिनकॉर्प ग्राहक-केंद्रित वित्तीय सेवाओं को दिल्लीवासियों के और करीब लाना चाहती है। नया जोनल ऑफिस दिल्ली स्थित कनॉट प्लेस के केंद्र में स्थापित किया गया है। यह दफ्तर क्षेत्रीय संचालन का मुख्य केंद्र होगा। इसके साथ ही पांच नई शाखाएं कनॉट प्लेस, मालवीय नगर, करोल बाग, राजिंदर नगर और रोहिणी में खोली गई हैं। इन नई शाखाओं से ग्राहकों को बेहतर सुविधा और व्यापक पहुंच मिलेगी। कंपनी तीन दशक से अधिक की विरासत के साथ देश की अग्रणी नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी के रूप में जानी जाती है। कंपनी के पास 2000 से अधिक कर्मचारी, 300 से अधिक शाखाएं और 35 लाख से अधिक संतुष्ट ग्राहक हैं। आईसीएल फिनकॉर्प के चेयरमैन एडवोकेट केजी अनिलकुमार ने कहा, पिछले तीन दशकों से आईसीएल फिनकॉर्प विश्वसनीयता, पारदर्शिता और ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण का प्रतीक रही है। यह विस्तार हमारे उस विजन को मजबूत करता है कि हम ग्राहकों को अधिक सुविधा और पहुंच प्रदान करें।

## आईसीआईसीआई के ज्वाइंट वेंचर का आ रहा आईपीओ

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आईपीओ मार्केट में एक और कंपनी की एंट्री होने वाली है। दरअसल, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी दिसंबर के दूसरे सप्ताह में अपना 1.2 अरब डॉलर का आईपीओ लॉन्च करेगी। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से जानकारी दी है। एक सूत्र के अनुसार, प्रूडेंशियल की एक सहायक कंपनी आईपीओ में 10 प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेचेगी और एसेट मैनेजर कंपनी का लक्ष्य 12 अरब डॉलर का मूल्यांकन है। दूसरे सूत्र ने कहा कि एसेट मैनेजर को पब्लिक ऑफर दस्तावेजों पर बाजार नियामक की मंजूरी मिल गई। बाकी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद कंपनी दिसंबर के तीसरे हफ्ते में सूचीबद्ध होने की उम्मीद कर रही है।

सूत्रों ने अपनी पहचान बताने से इनकार कर दिया क्योंकि नियामक की मंजूरी अभी सार्वजनिक नहीं हुई है। जानकारी के मुताबिक अठारह निवेश बैंकर आईपीओ का प्रबंधन करेंगे। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल के प्रवक्ता ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। बता दें कि भारत की दूसरी सबसे बड़ी एसेट मैनेजर इस कंपनी ने जुलाई में आईपीओ के लिए आवेदन किया था। भारत के दूसरे सबसे बड़े प्राइवेट बैंक आईसीआईसीआई बैंक के पास इस कंपनी में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी है। वहीं, ब्रिटिश बीमा कंपनी प्रूडेंशियल के पास 49 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। इन दोनों का ज्वाइंट वेंचर आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल भारत में 10 ट्रिलियन रुपये (करीब 112 अरब डॉलर) की संपत्ति का प्रबंधन करता है।

# अब्दुल कलाम का मिला साथ तो कंपनी ने भरी अंतरिक्ष की उड़ान, पानी से इंजन चलाने की तैयारी, करोड़ों का टर्नओवर

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
मशहूर वैज्ञानिक और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने कहा है- सपने वो नहीं जो आप सोते समय देखते हैं, बल्कि वो होते हैं जो आपको सोने नहीं देते। कुछ ऐसे ही सपने रोहन गणपती की आंखों में थे। रोहन ने सपना देखा था ऐसा इंजन बनाने का जो अंतरिक्ष में जाए। उन्होंने उसे पूरा करने के लिए शुरू की बेलाट्रिक्स एयरोस्पेस नाम की कंपनी। कंपनी की शुरुआत उन्होंने अपने परिवार के दोस्त यशस करणम के साथ मिलकर की। आज यह कंपनी अंतरिक्ष की दुनिया में जाना-पहचाना नाम है। रोहन कंपनी के को-फाउंडर हैं। आज कंपनी की कमाई करोड़ों रुपये में है।

दूसरे स्टार्टअप की तरह बेलाट्रिक्स एयरोस्पेस की शुरुआत भी बहुत अच्छी नहीं रही। यह कंपनी कॉलेज के एक छोटे से शेड से शुरू हुई थी। रोहन ने यह कंपनी साल 2012 में उस समय शुरू की जब वह हिंदुस्तान कॉलेज, कोयंबटूर में एयरोनॉटिकल इंजीनियर के स्टूडेंट थे। उस समय उन्होंने एक अनोखा इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन सिस्टम का आइडिया सोचा। इस सिस्टम की खास बात यह थी कि यह पानी को ईंधन के तौर पर इस्तेमाल कर सकता था। इस शानदार आइडिया ने रोहन को नासा तक पहुंचाया, जहां उन्होंने अपना रिसर्च पेपर पेश किया। पहले ग्रांट के पैसों से रोहन और यशस ने कोयंबटूर में एक छोटा सा शेड बनाया। उन्होंने देर रात तक काम करके अपने आइडिया को हकीकत में बदलने की कोशिश की। उन्हें अपने आइडिया को सही साबित करने के लिए 130 प्रयोग करने पड़े। एक बड़ा मोड़ तब आया जब यशस भारतीय स्पेस एजेंसी इसरो के तत्कालीन चेयरमैन ए. एस. किरण कुमार से मिले। यह मुलाकात उनके सीनियर छात्रों के दीक्षांत समारोह में हुई थी। यशस ने किरण कुमार को अपने प्रोजेक्ट के टेस्ट रिजल्ट, ग्राफ और तस्वीरें दिखाईं, जिसमें उन्होंने पहली बार थ्रस्टर को सफलतापूर्वक इग्नाइट किया था। किरण कुमार को यह देखकर हैरानी हुई।

### अब्दुल कलाम का मिला साथ

33 साल के रोहन के लिए नासा का अनुभव किसी सपने से कम नहीं था। वहां उन्होंने अपने बचपन के हीरो और चांद पर कदम रखने वाले पहले अंतरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रांग और बज एल्ड्रिन से मुलाकात की। जब वह भारत लौटे तो उनके नील आर्मस्ट्रांग से मिलने की खबर न्यूजपेपर में छपी। इस खबर को देश के मशहूर वैज्ञानिक और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने भी पढ़ा। डॉ. कलाम ने न केवल रोहन के काम की तारीफ की, बल्कि उन्हें एक सिफारिश पत्र भी दिया। इसी पत्र की मदद से रोहन को जेएसडब्ल्यू स्टील से अपना पहला ग्रांट मिला। कॉलेज के दिनों में ही रोहन ने एक अच्छी टेक्निकल टीम बना ली थी। लेकिन उन्हें एक ऐसे साथी की तलाश थी जो बिजनेस के मामले में आगे रह सके। रोहन ने अपना आइडिया अपने परिवार के दोस्त यशस करणम को बताया। जैसे ही दोनों ने इस आइडिया पर बात की यशस पूरी तरह से इसमें शामिल हो गए।

# मैं अब डरकर नहीं, सोच समझकर फैसले लेती हूं

हाल ही में राशी खन्ना फिल्म 120 बहादुर में फरहान अख्तर के साथ नजर आईं। इस फिल्म में उन्होंने एक राजस्थानी किरदार निभाया, जिसे काफी सराहा गया। अलग-अलग भाषाओं की फिल्मों में काम करने के बाद अब वह लगातार नए और चैलेंजिंग किरदारों की तलाश में हैं। अमर उजाला से बातचीत में राशी ने अपने प्रोफेशनल सफर के बारे में विस्तार से बात की। उन्होंने बताया कि हर भाषा और संस्कृति को अपनाना उनके लिए कितना चुनौतीपूर्ण रहा। इसी बातचीत में उन्होंने टाइपकास्टिंग, स्क्रिप्ट सिलेक्शन और अपने ड्रीम रोल्स पर भी विचार साझा किए।

### अलग-अलग भाषाओं और संस्कृतियों के किरदार निभाना कितना चैलेंजिंग रहा?

मुझे लगता है कि ये एक ब्लेसिंग है कि मैं अलग-अलग भाषाओं और संस्कृतियों में किरदार निभाती हूं। चैलेंजिंग भी रहता है क्योंकि आसान नहीं होता। लेकिन मेरा मानना है कि यही एक्टर होने का सबसे दिलचस्प हिस्सा है। जब मैं सेट पर पहले दिन जाती हूं तो मुझे थोड़ी नर्वसनेस होती है। क्योंकि आपको पता होता है कि आप पर प्रेशर है...सही एक्सेंट देना है, सही इमोशन देना है और उस भाषा में ऑथेंटिक लगना भी जरूरी है।

वहीं नर्वस एनर्जी मुझे ग्रो करने में मदद करती है। मैंने 120 बहादुर में राजस्थानी किरदार निभाया। अपने अगले शो में मैं पंजाबी बनी और मैंने बंगाली लड़की का किरदार भी निभाया। हर बार पहला दिन सबसे चैलेंजिंग होता है। लेकिन धीरे-धीरे मैं किरदार में ढल जाती हूं। आज अगर आप मुझसे पूछें कि मैं कौन हूं तो शायद मैं खुद भी नहीं बता पाऊंगी। मुझे लगता है कि मैं सच्ची इंडियन हूँ क्योंकि मैंने इतने अलग-अलग रूप निभाए हैं। मेरे लिए ये चैलेंज से ज्यादा फिल्मों के जरिए मिली एक ब्लेसिंग है।

### 120 बहादुर जब ऑफर हुआ तो आपका पहला रिएक्शन क्या था? और तैयारी कैसे की?

जब मुझे 120 बहादुर ऑफर हुई थी तो मेरा पहला रिएक्शन गर्व का था। मुझे खुशी हुई कि मुझे इस फिल्म का हिस्सा बनने का मौका मिल रहा है। मेरे लिए यह जरूरी नहीं था कि किरदार कितना लंबा है। ज्यादा मायने यह रखता है कि उसका इम्पैक्ट कितना गहरा और लंबा चलेगा। कहानी सुनते ही लगा कि ये कहानी लोगों तक पहुंचनी चाहिए। डायरेक्टर के पास आर्मी से जुड़े फर्स्ट हैंड एक्सपीरियंस थे क्योंकि उनके परिवार में कई लोग आर्मी में रहे हैं। उन्हें पता था कि वो क्या चाहते हैं और इससे तैयारी आसान हो गई। एक्सेल एंटरटेनमेंट और फरहान सर जुड़े हुए थे, तो भरोसा और बढ़ गया। मुझे लगा कि ये फिल्म दमदार होगी।

मैंने राजस्थानी एक्सेंट के लिए कोच के साथ काफी मेहनत की। डायरेक्टर ने बताया कि अमीर राजस्थानी परिवारों में बातें अक्सर साइलेंस में होती हैं और इमोशन्स भी छुपाकर रखे जाते हैं। यह सब समझकर मैंने अपनी लाइन्स कई बार प्रैक्टिस कीं ताकि सब कुछ ऑथेंटिक लगे। आज जब मैं लोगों की रिएक्शन्स और रिव्यूज देखती हूं तो मुझे संतोष होता है। लोग वही महसूस कर रहे हैं जो मैंने शूट करते समय महसूस किया था।

### आपकी सबसे बड़ी ताकत या एसेट क्या है?

मुझे लगता है कि मेरी सबसे बड़ी ताकत यह है कि मैं दिल से आगे बढ़ती हूं, दिमाग से नहीं। मैं बहुत इमोशनल हूं और मुझे नहीं लगता कि यह नेगेटिव बात है। आज की दुनिया में इमोशन्स फील करना एक बड़ी ताकत हो सकती है। मेरी यही वल्नरेबिलिटी मुझे किरदारों के सच के करीब ले जाती है। मैं सिर्फ लोगों को ऑब्ज़र्व नहीं करती, बल्कि उन्हें अब्जॉर्ब भी करती हूँ। शायद यही मेरी सबसे बड़ी ताकत है।

### जब आप कोई स्क्रिप्ट पढ़ती हैं तो सबसे पहले किस चीज पर ध्यान देती हैं?

जब मैं स्क्रिप्ट पढ़ती हूँ, तो सबसे पहले यह देखती हूँ कि कहानी में सच्चाई कितनी है। इसके बाद किरदार पर ध्यान देती हूँ। क्या उसकी आंखों में दम है? क्या वो मुझे इमोशनली छू रहा है? क्या मैं उसकी जर्नी महसूस कर पा रही हूं? अगर सही जगह मैं हंस रही हूं और सही जगह रो रही हूं तो मेरे लिए वही सही स्क्रिप्ट होती है। मेरे लिए स्क्रिप्ट का इमोशनल ट्रुथ सबसे जरूरी होता है।

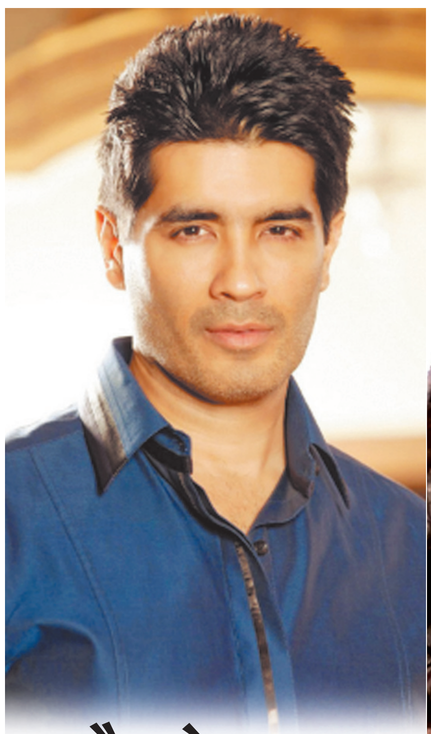

## बतौर प्रोड्यूसर 'गुस्ताख इश्क' से डेब्यू करेंगे मनीष मल्होत्रा

मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा जल्द ही बतौर प्रोड्यूसर अपकमिंग फिल्म गुस्ताख इश्क से डेब्यू करने जा रहे हैं। हाल ही में उन्होंने बताया कि फिल्मों में आना उनका बचपन का सपना था, जो कि अब जाकर पूरा हो रहा है। उन्होंने एक पुराना किस्सा याद किया, जब 'मुगले-आजम' को थिएटर प्ले के रूप में दोबारा लाया जा रहा था, तब डायरेक्टर फिरोज खान साहब ने मुझे कॉस्ट्यूम डिजाइन करने को कहा। मैंने उनसे पूछा था कि क्या मैं इसे प्रोड्यूस भी कर सकता हूं, क्योंकि मुझे वो फिल्म बहुत पसंद थी और प्रोड्यूसर-डायरेक्टर बनने की इच्छा भी थी। मनीष मल्होत्रा ने मुगल-ए-आजम नाटक का पुराना किस्सा याद करते हुए कहा, नाटक के दौरान निर्देशक फिरोज खान ने मुझे कॉस्ट्यूम डिजाइन करने को कहा था, जिस पर मैंने उनसे पूछा था कि क्या मैं इसे प्रोड्यूस भी कर सकता हूं? क्योंकि मुझे वो फिल्म बहुत पसंद थी और प्रोड्यूसर-डायरेक्टर बनने की इच्छा भी थी।

उन्होंने अपनी प्रोडक्शन कंपनी शुरू करने के बारे में बताया, कोविड के समय मैंने सोचा कि अब कुछ तो अपने लिए करना चाहिए, तब मैंने सोचा कि ऐसी फिल्म प्रोडक्शन कंपनी की शुरुआत करते हैं, जो सिर्फ एक तरह की फिल्में नहीं बनाए, बल्कि रोमांटिक, फैमिली ड्रामा, धार्मिक, म्यूजिकल, और बच्चों की फिल्में बनाए।

उन्होंने आगे कहा, मेरी फिल्म साली मोहब्बत 12 दिसंबर को जी 5 पर आ रही है, जिसके बारे में हमने पिछले साल ही जानकारी दी थी, और हमारी दूसरी फिल्म गुस्ताख इश्क है, जो कि 1990 के दौर की एक रोमांटिक फिल्म है, जब मोबाइल फोन नहीं हुआ करते थे। इसके गाने और कविताएं मुझे काफी पसंद हैं। अब हमारी अगली फिल्म बन टिक्की है, जो कि एक पिता की कहानी है। मनीष ने बताया कि वे अमर चित्रकथा, म्यूजिकल फिल्में, और कई तरह के कई जॉनर की फिल्में पर्दे पर लाना चाहते हैं। जब मनीष से उनकी जिंदगी के सबसे कठिन फैसले को लेकर पूछा, तो उन्होंने इसका जबाव देते हुए कहा, मेरी जिंदगी का सबसे कठिन फैसला कॉस्ट्यूम डिजाइन की दुनिया से मेन स्ट्रीम स्टाइलिंग में जाना था।

क्योंकि मैं कॉस्ट्यूम डिजाइन की दुनिया से आया हूं और उसके बाद मेन स्ट्रीम स्टाइलिंग में जाने का मतलब अपना एक बुटिक खोलना और सब कुछ खुद ही देखना वो बहुत अलग था और आज भी स्टाइलिंग की दुनिया में भी जब आप जाते हैं, तो कॉस्ट्यूम डिजाइनर अलग होते हैं, और फैशन डिजाइनर अलग होते हैं। वो मेरे लिए एक मेजर फैसला था। उनमें मैं कामयाब हुआ, जिसके लिए मैंने बहुत मेहनत की है, साथ ही मैंने उस दौरान बहुत फिल्में की थी। चूंकि मैं मेहनत से घबराता नहीं हूं और अब मैंने प्रोड्यूस करना भी शुरू कर दिया है। तो मेहनत करना बरकरार है।

## रात अकेली है 2 में दमदार किरदार में नजर आएंगे नवाजुद्दीन सिद्दीकी

अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी और चित्रांगदा सिंह की अदाकारी से सजी अपकमिंग फिल्म रात अकेली है; द बंसल मर्डर्स का टीजर रिलीज हो गया है। टीजर में नवाजुद्दीन सिद्दीकी पुलिस की भूमिका में हैं। फिल्म में वह बंसल परिवार के मर्डर केस को सुलझाते हुए नजर आएंगे।

### टीजर में क्या है?

टीजर में देखा जा सकता है कि बंसल परिवार का एक ही रात में मर्डर हो जाता है। इसके बाद एक रहस्मयी घर दिखता है। कुछ लोग पूजा कर रहे होते हैं। कब्रिस्तान की झलक दिखती है। बंसल मर्डर केस की जांच नवाजुद्दीन सिद्दीकी करते हैं। जब वह केस की जांच कर रहे होते हैं, तो उन्हें कई अजीब चीजें जानने को मिलती हैं। इस पर वह कहते हैं बंसल मर्डर कोई छोटा-मोटा कांड नहीं है, यह हत्याकांड है। इसकी जड़ मैं कहीं से भी ढूंढ निकालूंगा याद रखिएगा।

### इस तारीख को रिलीज होगी फिल्म

नेटफ्लिक्स ने इंस्टाग्राम पर टीजर जारी करते हुए इसकी रिलीज की तारीख भी बताई है। टीजर जारी करते हुए नेटफ्लिक्स ने इंस्टाग्राम पर लिखा है इंस्पेक्टर जटिल का रात के अंधेरे से पुराना रिश्ता है लेकिन बंसल मर्डर का केस और भी गहरा है। रात अकेली है- द बंसल मर्डर 19 दिसंबर को नेटफ्लिक्स पर आ ही है।

### फिल्म ने नजर आएंगे ये कलाकार

आपको बता दें कि रात अकेली है 2 साल 2020 में रिलीज हुई फिल्म रात अकेली है का सीक्वल है। इसमें नवाजुद्दीन सिद्दीकी, चित्रांगदा सिंह, राधिका आप्टे, रजत कपूर, रेवती, दीप्ति नवल और संजय कपूर अहम किरादार में होंगे। इसके निर्देशक हनी त्रेहान हैं। लेखक स्मिता सिंह हैं। जिसे आरएसवीपी और मैकगफिन पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया है।

## रुक्मिणी वसंत का सीक्रेट माइंड मैजिक जो उन्हें स्टारडम की भागदौड़ में जमीन पर टिकाए रखता है!

तेज़ रफ्तार शेड्यूल, लगातार सफ़र और हर दिन नई-नई चुनौतियाँ — एक उभरती अभिनेत्री की ज़िंदगी बाहर से जितनी ग्लैमरस दिखती है, अंदर उतनी ही तूफ़ानी हो सकती है। लेकिन रुक्मिणी वसंत ने इस तूफ़ान के बीच अपनी शांति ढूंढ़ ली है — एक बेहद सरल, बेहद निजी और चौंकाने वाला रिचुअल - जर्नलिंग। हाँ, डायरी में लिखना — वही पुरानी आदत, जिसे हममें से कई लोग छोड़ चुके हैं — यही रुक्मिणी की सबसे बड़ी सुपरपावर है। चाहे दिन कितना भी भागमभाग वाला हो, चाहे सेट पर कितने भी सीन हों, चाहे सफ़र कितना भी लंबा हो, रुक्मिणी रात को अपनी डायरी के पन्नों से ज़रूर मिलती हैं। यह उनका तरीका है खुद से दोबारा जुड़ने का, मन के शोर को शांत करने का और ज़िंदगी को एक साफ़ नज़र से देखने का। वह इस रिचुअल पर खुलकर कहती हैं, जर्नलिंग वही जगह है जहाँ मैं रुककर खुद को देख पाती हूँ। मैं अपनी पुरानी डायरीज़ खूब पढ़ती हूँ — वो नज़रिया देती हैं। बिर्बल से पहले की मेरी चिंता, ड्रामा स्कूल के दिनों की उलझनेंज आज से इतनी अलग, पर उतनी ही सच्ची। इससे समझ आता है कि जो आज बड़ा तूफ़ान लग रहा है, कुछ साल बाद वही हल्की सी हवा जैसा

## शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' में जुड़ा अक्षय ओबेरॉय का नाम

शाहरुख खान की आगामी फिल्म किंग की एक-एक अपडेट का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार रहता है। अब फिल्म को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। जानकारी आ रही है कि इस फिल्म में एक और कलाकार का नाम जुड़ गया है। जानिए उस अभिनेता के बारे में। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता अक्षय ओबेरॉय ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि कर दी है कि वह शाहरुख खान की बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म 'किंग' का हिस्सा हैं। आपको बताते चलें कि कई दिनों से चर्चा चल रही थी, अभिनेता इस फिल्म में नजर आने वाले हैं। हालांकि अब इसपर मुहर लगती दिख रही है। इस फिल्म में शाहरुख खान और उनकी बेटी सुहाना खान के साथ अब इस कलाकार का भी नाम जुड़ गया है।

### अक्षय ओबेरॉय का वर्कफ्रंट

अक्षय ओबेरॉय की फिल्मों की बात करें, तो उन्हें फाइटर, गुड़गांव के अलावा कुछ सीरीज में भी देखा गया है। अभिनेता को आखिरी बार फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में देखा गया था। वहीं आगामी फिल्मों की बात करें तो वह किंग के अलावा सुपरस्टार यश की फिल्म टॉक्सिक में भी नजर आएंगे।

## दिल्ली क्राइम और मिर्जापुर ने ब्लॉकबस्टर जैसा अनुभव दिया

**रसिका दुग्गल बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों में से हैं, जिन्होंने अपनी बेहतरीन एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीता है। छोटे शहर जमशेदपुर से बड़े पर्दे तक उनका सफर मेहनत, लगन और हिम्मत की कहानी है। 'मिर्जापुर', 'मंटो' और 'दिल्ली क्राइम' जैसे प्रोजेक्ट्स में उनके दमदार किरदारों ने उन्हें अलग पहचान दी। हालांकि करियर के शुरुआती दौर में उन्हें कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। कई प्रोड्यूसर्स ने कहा कि वे सेलेबल नहीं हैं, यहां तक कि एक डायरेक्टर ने उनसे असम्मानजनक व्यवहार भी किया था। लेकिन रसिका ने ऐसे लोगों से हमेशा दूरी बनाए रखी और अपने काम पर ध्यान दिया। किराया भरने की चिंता और बार-बार रिजेक्शन झेलने के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। रसिका का मानना है कि सफलता का मतलब शोहरत नहीं, बल्कि हर दिन खुद को नए रूप में गढ़ने का साहस है।**

### एक्टिंग के बारे में कभी नहीं सोचा था

मैंने ऐसे कभी नहीं सोचा था कि एक्टर ही बनना है, लेकिन जिसमें भी मुझे मौका मिलता, मैं वो बड़े मजे से करती थी। एक्टिंग को मैं आगे चलकर करियर बनाऊंगी, ये कभी नहीं सोचा था। न फैमिली में कोई ऐसा उदाहरण था सब बिजनेस लाइन से थे। कुछ लोग होते हैं ना, जो बचपन से एक्टर बनने का सपना देखते हैं और बाथरूम में शैंपू की बोतल पकड़कर अपनी विनिंग स्पीच दे रहे होते हैं, वैसा नहीं था मेरे साथ।

### पहली फिल्म के लिए 3000 रुपए मिले थे

अनवर के बाद मुझे अनुराग कश्यप की फिल्म 'नो स्मोकिंग' मिली थी। जब मेरा सिलेक्शन हुआ, तो प्रोड्यूसर ने बुलाया और कहा कि आकर पैसों पर बात कर लो। मैं गई, तो उन्होंने पूछा, कितने पैसे लोगी? मैंने थोड़ी हिम्मत करके कहा कि प्रतिदिन 7500 रुपए। वो बोले, अरे, ये तो बहुत ज्यादा है, थोड़ा कम करो। घर आकर मैंने अपने दोस्त दीपक डोबरियाल को बताया, तो वो हंसने लगा और बोला, तूने इतना मांग भी लिया! फिर बात तय हुई और मुझे प्रतिदिन 5000 रुपए मिले। जबकि पहली फिल्म 'अनवर' के लिए तो सिर्फ 3000 रुपए प्रतिदिन मिले थे।

### खुद को रीइन्वेंट करते रहना चाहिए

मेरे लिए सफलता का मतलब सिर्फ नाम या शोहरत नहीं है। मुझे तब लगता है कि कुछ हासिल किया है जब मैं अपना काम दिल से कर पाऊं और वो मुझे सच्ची खुशी दे। अगर हर दिन कुछ नया सीखने को मिले, कुछ नया खोजने को मिले, तो वही मेरे लिए सक्सेस है। मुझे लगता है कि इंसान को बार-बार खुद को रीइन्वेंट करते रहना चाहिए, क्योंकि वहीं से आगे बढ़ने की असली प्रेरणा मिलती है। और ऐसा तभी हो सकता है जब आप रिस्क लेने की हिम्मत रखें, डरने के बजाय नए अनुभवों को अपनाने की कोशिश करें।

### दिल्ली क्राइम और मिर्जापुर ने ब्लॉकबस्टर सी फील दी

मेरे करियर का टर्निंग पॉइंट नंदिता दास की फिल्म मंटो से आया। उससे पहले इरफान खान और तिलोत्तमा के साथ किस्सा जैसी खास फिल्में कीं, पर मंटो ने नया रास्ता दिखाया। उस समय कई डायरेक्टर्स मुझे प्रोजेक्ट में लेना चाहते थे, लेकिन प्रोड्यूसर्स ने कहा- मैं सेलेबल नहीं हूं। फिर नंदिता ने मुझमें भरोसा जताया और मंटो में सफिया मंटो का रोल दिया। यही निर्णायक मोड़ रहा। उसके बाद दिल्ली क्राइम और मिर्जापुर जैसे शो आए, जिसने बड़े ऑडियंस के सामने मेरी पहचान बनाई और ब्लॉकबस्टर सी फील दी।

### इंटीमेट सीन कहानी की जरूरत थी, सेंसशनलाइज नहीं किया गया

रसिका दुग्गल ने अपने एक्टिंग करियर में कई फिल्मों और वेब सीरीज में दमदार भूमिका निभाई है। खास करके वेब सीरीज मिर्जापुर में बीना त्रिपाठी की भूमिका ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। इस सीरीज में उनके इंटीमेट सीन की भी खूब चर्चा हुई। उस सीन के बारे में रसिका कहती हैं- वो सीन स्क्रिप्ट के पॉइंट ऑफ व्यू से जरूरी था।

उसे जबरदस्ती या सेंसशनलाइज करने के लिए नहीं डाला गया था। पुनित कृष्ण जो राइटर हैं, उन्होंने हर किरदार को बहुत सेंसिटिवली बिल्ड किया था। रही बात इंटिमेट सीन की तो पुनित, गुरमीत और करण ने शूट से पहले मुझे हर शॉट के बारे में बताया। सेट पर कौन मौजूद होगा, क्लोज सेट रहेगा, ये सारी बातें पहले ही डिस्कस हो गई थीं, जो मेरे कंफर्ट के लिए जरूरी थीं। अब तो इंटीमेसी कोऑर्डिनेटर आ गए हैं, लेकिन तब नहीं थे।

टाटा स्टील वर्ल्ड 25 के

## 10वें संस्करण में रजिस्ट्रेशन का टूटा रिकॉर्ड, बाईचुंग भूटिया ने की औपचारिक शुरुआत

**कोलकाता, एजेंसी।** काउंटडाउन की शुरुआत फुटबॉल स्टार और टाटा स्टील वर्ल्ड 25के रत्न, बाईचुंग भूटिया के 'बाईचुंग्स 10' नामक प्रदर्शनी मैच से हुई। पांच-सदस्यीय इस रोमांचक मुकाबले में आनंदा रन कैटेगरी के नौ पंजीकृत प्रतिभागियों ने

फुटबॉल आइकन भूटिया के साथ खेल का मजा लिया। टाटा स्टील वर्ल्ड 25के कोलकाता के 10वें संस्करण को लेकर राजधानी में उत्साह चरम पर है। भारतीय फुटबॉल के पूर्व कप्तान और आइकन और टाटा स्टील वर्ल्ड 25के रत्न बाईचुंग भूटिया ने वर्षगांठ रन को हरी झंडी दिखाकर कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की। रजिस्ट्रेशन इस बार सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं। फिटनेस, एकजुटता और सामुदायिक भागीदारी को समर्पित यह इवेंट कोलकाता को एक बार फिर देश की 'रनिंग सिटी' साबित कर रहा है। उल्लेखनीय है कि टाटा 25के, 21 दिसंबर को कोलकाता में आयोजित होगी। काउंटडाउन की शुरुआत फुटबॉल स्टार और टाटा स्टील वर्ल्ड 25के रत्न, बाईचुंग भूटिया के 'बाईचुंग्स 10' नामक प्रदर्शनी मैच से हुई। पांच-सदस्यीय इस रोमांचक मुकाबले में आनंदा रन कैटेगरी के नौ पंजीकृत प्रतिभागियों ने फुटबॉल आइकन भूटिया के साथ खेल का मजा लिया। मैदान पर खिलाड़ियों, प्रायोजकों और हस्तियों का जोश देखने लायक था।

एशेज

## 'पिंक बॉल' टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की 14 सदस्यीय टीम घोषित, नहीं खेलेंगे पैट कमिंस

**मेलबर्न, एजेंसी।** क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ 4 दिसंबर से गाबा में शुरू होने जा रहे डे-नाइट एशेज टेस्ट के लिए 14 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है, जिसमें कोई बदलाव नहीं किया गया। कप्तान पैट कमिंस लगातार दूसरे मैच में नहीं खेल सकेंगे। पैट कमिंस पीठ की चोट के कारण पर्थ में सीरीज का पहला टेस्ट में नहीं खेले थे। इस लो-स्कोरिंग मुकाबले को ऑस्ट्रेलियाई ने सिर्फ दो दिनों के अंदर अपने नाम किया था। इस तेज गेंदबाज को पूरी तरह से फिट होने के लिए दो हफ्तों का समय दिया गया है। 32 वर्षीय पैट कमिंस टीम के साथ ब्रिस्बेन जाएंगे। पैट कमिंस की गैरमौजूदगी में ब्रेंडन डॉगेट, मिचेल

स्टार्क और स्कॉट बोलैंड के साथ अपनी जगह बनाए रख सकते हैं। ब्रेंडन डॉगेट ने पर्थ में टेस्ट डेब्यू करते हुए 5 विकेट हासिल किए थे। इस टीम में अनुभवी ओपनर उस्मान ख्वाजा को शामिल किया गया है। ख्वाजा पीठ में ऐंठन के कारण पर्थ में खेल गए सीरीज के पहले मैच की दूसरी पारी में बल्लेबाजी नहीं कर सके थे 'क्रिकेटडॉटकॉमडॉटएयू' के मुताबिक, कमिंस ने शुक्रवार को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में जमकर ट्रेनिंग की। उन्होंने मंगलवार को न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) के क्रिकेट सेंट्रल हेडक्वार्टर में ट्रेनिंग सेशन किया। इस दौरान पिंक बॉल से स्टीव स्मिथ को एक घंटे से ज्यादा समय तक पूरी गति से बॉलिंग की।

ऑस्ट्रेलियाई टीम रविवार को गाबा में अपना पहला ट्रेनिंग सेशन करेगी, जिसके बाद सोमवार को एक सेशन होगा। पर्थ स्टेडियम में खेले गए सीरीज के शुरुआती मैच में इंग्लैंड की टीम पहली पारी में महज 172 रन पर सिमट गई। इस पारी में मिचेल स्टार्क ने 7 विकेट हासिल किए थे। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी पहली पारी में महज 132 रन ही बना सकी। इंग्लैंड के पास यहां से 40 रन की लीड थी, लेकिन मेहमान टीम दूसरी पारी में सिर्फ 164 रन पर सिमट गई। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 205 रन का टारगेट मिला, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने 8 विकेट शेष रहते हासिल कर लिया।

**दूसरे टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम :** स्टीव स्मिथ (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, ब्रेंडन डॉगेट, कैमरून ग्रीन, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, माइकल नेसेर, मिचेल स्टार्क, जेक वेदरल्ड, ब्यू वेबस्टर।

म्यूजिक कंपोजर की मां ने दिया बड़ा अपडेट

# स्मृति मंधाना -पलाश मुच्छल की कब होगी शादी?

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना और म्यूजिक कंपोजर पलाश मुच्छल की शादी 23 नवंबर को होनी थी, जो अनिश्चितकाल के लिए टल गई थी. शादी के दिन ही स्मृति के पिता श्रीनिवास मंधाना की अचानक तबीयत खराब हो गई, जिसके चलते ये फैसला लिया गया. इसी बीच सोशल मीडिया पर कई तरह की अफवाहें फैलीं.कुछ अनकन्फर्म्ड चैट वायरल हुए, जिसक जरिए दावा किया गया कि पलाश मुच्छल ने स्मृति मंधाना को धोखा दिया. हालांकि इन दावों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. इसके बीच यह राहत की बात है कि स्मृति के पिता अस्पताल से डिस्चार्ज हो गए हैं. अफवाहों के बीच अब पलाश मुच्छल की मां अमिता मुच्छल का स्टेटमेंट सामने आया है. अमिता ने कहा कि सब कुछ तय योजना के अनुसार ही होगा. उन्होंने यह भी बताया कि पलाश का स्मृति के पिता से बहुत करीबी रिश्ता है, इसलिए उन्हीं की हालत देखकर शादी टालने का फैसला लिया गया.

### 'शादी की तैयारी हो चुकी है...'

अमिता मुच्छल ने बताया, 'हमने पलाश को हल्दी की रस्म के बाद से बाहर नहीं जाने दिया है. वह बहुत तनाव में है, रो रहा है. उसकी तबीयत भी बिगड़ गई थी, इसलिए उसे चार घंटे अस्पताल में रखना पड़ा. आईवी ड्रिप लगाई गई, ईसीजी हुआ. सब सामान्य निकला, पर तनाव बहुत है.' अमिता मुच्छल ने कहा कि स्मृति और पलाश दोनों ही इस स्थिति को लेकर परेशान हैं और परिवार शादी के लिए पूरी तैयारी कर चुका है. अमिता ने बताया कि उनका बेटा जल्द ही दुल्हन को घर लाएगा. अमिता मुच्छल ने आगे कहा, 'सब कुछ प्लान के अनुसार ही होगा और शादी भी जल्द होगी. पलाश का स्मृति के पिता से बहुत गहरा रिश्ता है. वह स्मृति से ज्यादा उनके पिता के करीब है. इसलिए जब उनकी तबीयत खराब हुई, तो पलाश ने ही शादी टालने का फैसला किया. अब वे ठीक हो रहे हैं, इसलिए आगे सब सही रहेगा.' बता दें कि स्मृति मंधाना उस भारतीय टीम का हिस्सा थीं, जिसने 2 नवंबर को साउथ अफ्रीका को हराकर पहली बार आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप का खिताब जीता था. पूरे टूर्नामेंट में स्मृति की बल्लेबाजी शानदार रही. खिताबी मुकाबले में भी उन्होंने शेफाली वर्मा के साथ शतकीय साझेदारी कर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई. खिताब जीतने के बाद पलाश मुच्छल भी स्मृति के साथ मैदान पर जश्न मनाते हुए नजर आए थे.

रांची के मैदान पर

# विराट रन नहीं आग बरसाते हैं

**रांची, एजेंसी।** भारतीय टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज खेलने के लिए तैयार है। तीन मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला रांची में होगा। साउथ अफ्रीका ने टेस्ट सीरीज को क्लीन स्वीप किया था। यही वजह है कि भारतीय टीम पर वनडे सीरीज से पहले काफी दबाव है। जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में दोनों टीमों की भिड़ंत होगी। 2013 से इस मैदान पर इंटरनेशनल क्रिकेट खेली जा रही है। भारत और इंग्लैंड के बीच पहला वनडे मुकाबला हुआ था। यह विराट कोहली के सबसे फेवरेट मैदानों में से एक है।

### रांची में विराट का औसत 192 का

विराट कोहली ने रांची में अभी तक 5 वनडे मैच खेले हैं। चार पारियों में उनकी बैटिंग आई है और इसमें 384 रन बनाए हैं। वह इस मैदान पर वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। अन्य किसी बल्लेबाज के नाम 150 रन भी नहीं हैं। रांची के मैदान पर विराट कोहली के बल्ले से शतक और एक फिफ्टी निकली है। उनका औसत 192 जबकि स्ट्राइक रेट 109 का है। इस मैदान पर उनकी सबसे छोटी पारी 45 रनों की है। विराट कोहली ने अपने करियर में 59 मैदानों पर एक से ज्यादा मैच खेले हैं। उनका सबसे अच्छा औसत रांची में ही है। गुवाहाटी के बारसापारा और साउथ अफ्रीका के न्यूलैंड के मैदान पर उन्होंने वनडे में 126 की औसत से रन बनाए हैं।

### ह्व साउथ अफ्रीका को हरा चुका भारत

विराट कोहली के अलावा इस मैदान पर वनडे में सिर्फ श्रेयस अय्यर के नाम शतक है। हालांकि वह चोटिल चल रहे हैं और इसी वजह से सीरीज में टीम का हिस्सा नहीं हैं। अय्यर ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ ही यहां शतकीय पारी खेली थी। इस मैदान पर आखिरी वनडे मैच भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 2022 में हुआ था। उस मैच को भारतीय टीम ने 7 विकेट से अपने नाम किया था।

## अंडर-19 एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम का ऐलान, इन खिलाड़ियों की चमकी किस्मत

**नई दिल्ली।** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने 12 से 21 दिसंबर 2025 तक दुबई में होने वाले पुरुष अंडर-19 एशिया कप के लिए भारतीय टीम की घोषणा की है। मुंबई और चेन्नई सुपर किंग्स के जबरदस्त बैटर आयुष म्हात्रे अंडर-19 टीम की कप्तानी करेंगे। वैभव सूर्यवंशी भी एशिया कप के लिए अंडर-19 टीम में वापस आ गए हैं, जो 50-ओवर के फॉर्मेट में खेला जाएगा। 14 साल के इस खिलाड़ी ने पहले ऑस्ट्रेलिया में मल्टी-फॉर्मेट टूर में हिस्सा लिया था और हाल ही में राइजिंग स्टार्स एशिया कप में शानदार प्रदर्शन किया था। 18 साल के ऑल-राउंडर विहान मनोज मल्होत्रा को भारतीय अंडर-19 टीम का वाइस-कैप्टन बनाया गया। यह टूर्नामेंट 19 वर्ल्ड कप की तैयारी के लिए एक प्लेटफॉर्म का काम करेगा, जो अगले साल जनवरी-फरवरी में जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाएगा।

टीम की घोषणा स्पॉट के लिए कॉम्पिटिशन के बीच भी हुई है जिसमें राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ एशिया कप के लिए सिलेक्शन से चूक गए। अन्वय को बेंगलुरु में ट्राई-सीरीज के लिए चुना गया था और वह कई एज-ग्रुप टूर्नामेंट का हिस्सा रहे हैं जिसमें वीनू मांकड़ ट्रॉफी में कर्नाटक की कप्तानी करना और चैलेंजर ट्रॉफी के लिए चुना जाना शामिल है। हालांकि, सिलेक्टर्स ने इंटरनेशनल यूथ टूर और घरेलू टूर्नामेंट में हाल ही में अनुभव वाले खिलाड़ियों को चुना है।

### 19 एशिया कप के लिए इंडिया स्[ ॉड

आयुष म्हात्रे (c), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा (vc), वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (2द्म), हरवंश सिंह (wk), युवराज गोहिल, कनिष्क चौहान, खिलन ए. पटेल, नमन पुष्पक, डी. दीपेश, हेनिल पटेल, किशन कुमार सिंह*, उद्धव मोहन, एरॉन जॉर्ज।

## विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाली प्रतिका रावल बेस प्राइज पर बिकी

जानें फ्रेंचाइजियों ने क्यों किया नजरअंदाज

**नई दिल्ली।** इंडिया की ओपनर प्रतिका रावल का विमेंस प्रीमियर लीग कॉन्ट्रैक्ट का इंतजार तब खत्म हुआ जब गुरुवार को नई दिल्ली में WPL 2026 ऑक्शन में क्क

वॉरियर्स ने उन्हें साइन किया। शुरुआत में बिना बिके प्रतिका को आखिरकार एक्सेलरेटेड ऑक्शन के आखिरी सेट में चुन लिया गया। यूपी ने प्रतिका को उनके बेस प्राइज 50 लाख रुपए में खरीदा है।

प्रतीका 2025 ODI वर्ल्ड कप में इंडिया की सबसे अच्छी परफॉर्म करने वाली खिलाड़ियों में से एक थीं, उन्होंने 308 रन बनाकर टूर्नामेंट के रन चार्ट में चौथे स्थान पर रहीं, जो सिर्फ लॉरा वोल्वार्ड्ट, स्मृति मंधाना और एश्ले गार्डनर से पीछे थीं। हालांकि, चोट के कारण उनका कैंपेन छोटा हो गया। बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी लीग मैच में फील्डिंग करते समय उनके टखने और घुटने में चोट लग गई, जिससे उन्हें सेमीफाइनल और फाइनल मिस करना पड़ा, जिसे इंडिया ने जीता।

**प्रतिका रावल पर क्यों नहीं लगी बोली** –इसका एक बड़ा कारण प्रतिका का चोटिल होना है। वह विश्व कप के सेमीफाइनल में चोटिल होने के बाद बाहर हो गई थी। ऐसे में फ्रेंचाइजियां जोखिम नहीं लेना चाहती थी। इसके अलावा एक और बड़ा कारण यह है कि WPL ने फ्रेंचाइजियों को पहले ही बता दिया था कि बैटर प्रतिका रावल चोटिल हैं और ऑक्शन पूल का हिस्सा होने के बावजूद हिस्सा नहीं ले पाएंगी।

## युजवेंद्र चहल फिर करने जा रहे शादी!

### सोशल मीडिया पर दिए संकेत से फैंस में बढ़ी उत्सुकता

**नई दिल्ली।** भारतीय क्रिकेट टीम के स्पिनर युजवेंद्र चहल पिछले कुछ महीनों से अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रहे हैं। डांसर और कंटेंट क्रिएटर धनश्री वर्मा से तलाक के लगभग आठ महीने बाद अब चहल ने सोशल मीडिया पर एक ऐसा पोस्ट साझा किया है जिसने सभी का ध्यान खींच लिया।

उनके नए पोस्ट ने फैंस के बीच यह संकेत छोड़ा है कि वह जल्द ही दोबारा शादी के लिए तैयार हैं। टीम इंडिया से बाहर चल रहे चहल इंस्टाग्राम पर बेहद सक्रिय रहते हैं और अक्सर अपनी लाइफ से जुड़े मजेदार या स्टाइलिश मोमेंट साझा करते रहते हैं।

यूरोपा लीग :

## फॉरेस्ट ने माल्मो को 3-0 से रौंदा, रोमा और एस्टन विला ने जीते मुकाबले

**नॉटिंघमशायर, एजेंसी।** नॉटिंघम फॉरेस्ट ने माल्मो एफएफ को 3-0 से मात देकर यूरोपा लीग में तीन प्वाइंट्स हासिल कर लिए हैं। मुकाबले के 27वें मिनट कप्तान रायन येट्स ने गोल दागकर नॉटिंघम फॉरेस्ट का खाता खोला। इसी के साथ टीम ने मुकाबले में 1-0 से लीड हासिल कर ली। मुकाबले के 44वें मिनट अर्नॉड कलिमुएंडो ने गोल करते हुए फॉरेस्ट की लीड को दोगुना कर दिया। माल्मो एफएफ की टीम 0-2 से पिछड़ गई थी। टीम लगातार गोल करने की कोशिश करती रही, लेकिन इसी बीच 59वें मिनट में निकोला मिलेंकोविक ने गोल दागकर फॉरेस्ट को 3-0 से आगे कर दिया। यहां से माल्मो की टीम दबाव से बाहर नहीं निकल सकी। इस जीत के साथ नॉटिंघम फॉरेस्ट ने 8 प्वाइंट्स हासिल कर लिए हैं। फॉरेस्ट टेबल में 16वें नंबर पर आ गई है। दूसरी ओर, माल्मो के पास 1 अंक है। यह टीम 34वें पायदान पर मौजूद है। एक अन्य मैच में, रोमा ने मिड्टजिलैंड को 2-1 से शिकस्त देकर पहली

घरेलू जीत दर्ज की। इस टीम के लिए नील एल ऐनाउई और स्टीफन ऐल शरावी मुकाबले के हीरो रहे, जिन्होंने एक-एक गोल किए। नील एल ऐनाउई ने मुकाबले के 7वें मिनट खाता खोला। इसके बाद स्टीफन ऐल शरावी ने 83वें मिनट गोल दागकर रोमा को 2-0 से आगे कर दिया। मुकाबले के 86वें मिनट मिड्टजिलैंड ने पॉलिन्हो के गोल की बदौलत अपना खाता खोला, लेकिन यह टीम मुकाबला गंवा बैठी।

डब्ल्यूपीएल की वैभव सूर्यवंशी

# दिया यादव ने ऑक्शन में रचा इतिहास

**नई दिल्ली, एजेंसी।** महिला प्रीमियर लीग के मेगा ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स ने एक ऐसी खिलाड़ी पर दांव खेला है जिसकी उम्र महज 16 साल है लेकिन उसके पास टैलेंट कमाल है. बात हो रही है दिया यादव की जिन्हें पहली बार महिला प्रीमियर लीग में खेलने का मौका मिलेगा. दिया ने ऑक्शन में बिकते ही इतिहास रच दिया है क्योंकि वो इस लीग की सबसे उम्र की खिलाड़ी बन गई हैं. दिया की उम्र सिर्फ 16 साल है और वो हरियाणा की ओपनिंग बल्लेबाज हैं. जिस तरह से वैभव सूर्यवंशी ने महज 13 साल की उम्र में आईपीएल में खेलकर इतिहास रचा था, अब वैसा ही मौका 16 साल की दिया के पास है.

### दिया ने टी20 ट्रॉफी में दिखाया दम

हाल ही में दिया सीनियर वीमेंस इंटर जोनल टी20 ट्रॉफी में नॉर्थ जोन के लिए खेल रही थीं जहां उनका प्रदर्शन अच्छा रहा. दिया ने 5 पारियों में 30.20 की औसत से 151 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 150 के करीब रहा. सबसे अच्छे स्ट्राइक रेट के मामले में वो तीसरे नंबर पर रहीं और सबसे ज्यादा चौके लगाने के मामले में ये खिलाड़ी दूसरे स्थान पर रही. दिया यादव के टी20 करियर की बात करें तो इस खिलाड़ी ने 19 पारियों में लगभग 40 की औसत से 590 रन बनाए हैं. उनके बल्ले से 4 अर्धशतक निकले हैं. साफ है दिया स्ट्रोक प्लेयर हैं इसीलिए दिल्ली ने उनपर दांव खेला है.

### दिया यादव कौन हैं?

दिया यादव हरियाणा की ओपनिंग बल्लेबाज हैं जो अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए जानी जाती हैं. हरियाणा की ये बल्लेबाज उम्र में छोटी हैं लेकिन अच्छी-अच्छी गेंदबाजों की वो लाइन लेंग्थ बिगाड़ देती हैं. दिया महज 14 साल की उम्र में शतक लगाकर सुर्खियों में आई थी. इस खिलाड़ी ने वीमेंस अंडर 15 वनडे कप ट्रॉफी में दिल्ली के खिलाफ नाबाद 124 रन बनाकर कमाल किया था.

## संक्षिप्त समाचार

### ठक-ठक गैंग के दो बदमाश गिरफ्तार, बड़ी चालाकी से कार से चोरी कर लेते थे सामान

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आरके पुरम थाना पुलिस ने ठक–ठक गैंग के दो कुख्यात अपराधियों संजू मद्रासी और गौरव को 24 नवंबर को मदनगीर स्थित उनके निवास स्थान से गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों के कब्जे से एक चोरी का लैपटॉप, उससे संबंधित सामान, पैन कार्ड, आधार कार्ड, डेबिट व क्रेडिट कार्ड, एक स्कूटी सहित अन्य सामान बरामद किया गया है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इन आरोपियों के खिलाफ दक्षिण, दक्षिण–पूर्वी और दक्षिण–पश्चिमी दिल्ली के विभिन्न थानों में चोरी, लूट, झपटमारी, एनडीपीएस एक्ट तथा ठगी के 15 से अधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि 21 नवंबर को एक महिला अपने ओखला स्थित कार्यालय से द्वारका जा रही थी। इस दौरान रिंग रोड पर हयात होटल के पास दो अज्ञात व्यक्तियों ने स्कूटी पर सवार होकर महिला को रोका और उसे यह कहकर भ्रमित किया कि उनकी गाड़ी में कुछ खराबी है। महिला ने आरके पुरम सेक्टर–12 स्थित बस स्टैंड के पास अपनी कार रोक दी और गाड़ी की जांच करने के उद्देश्य से बाहर निकली। इसी दौरान एक आरोपी ने महिला की कार में रखे काले बैग को छीन लिया और फरार हो गया। महिला की शिकायत पर आरके पुरम थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। स्टेशन हाउस अधिकारी रविंद्र कुमार त्यागी के नेतृत्व में गठित टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। जांच के दौरान मौके पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज जब्त की गई। तकनीकी निगरानी के माध्यम से आरोपियों के बारे में जानकारी एकत्र की गई। 23 नवंबर को पुलिस ने गौरव को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान गौरव के निशानदेही पर 24 नवंबर को संजू मद्रासी को मदनगीर से गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपियों के कब्जे से चोरी का सामान बरामद कर लिया गया।

### दो दिन की हल्की राहत फिर दिल्ली की हवा में घुला जहर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** राजधानी दिल्ली में एक बार फिर से प्रदूषण का स्तर तेजी से बढ़ने लगा है। गुरुवार को दिल्ली के 13 इलाकों का सूचकांक 400 से ऊपर यानी गंभीर श्रेणी में पहुंच गया। हवा की रफ्तार कम होने और सुबह के समय छाने वाले हल्के कोहरे के चलते प्रदूषण के स्तर में बढ़ोतरी हुई है। आज भी सुबह से ही दिल्ली के कई इलाकों में धुंध की चादर छाई हुई है। कई स्टेशनों पर एक्यूआई 400 के पार बना हुआ है। दिल्ली के लोगों को अक्तूबर महीने के दूसरे पखवाड़े से ही प्रदूषित हवा में सांस लेना पड़ रहा है। अच्छे मानसून के चलते जून, जुलाई, अगस्त और सितंबर में तो दिल्ली की हवा सामान्य से खासी साफ–सुथरी रही थी। लेकिन, मानसून वापसी के बाद से ही प्रदूषण का स्तर बढ़ने लगा और 14 अक्तूबर के बाद से ही हवा खराब, अति खराब या गंभीर श्रेणी में बनी हुई है। एक दिन पहले बुधवार को हवा की रफ्तार बढ़ने और दिन भर तेज धूप के चलते प्रदूषक कणों का बिखराव तेज हुआ था। इससे वायु गुणवत्ता सूचकांक में हल्का सुधार हुआ था। बुधवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 327 के अंक पर रहा था। गुरुवार को सूचकांक में तेजी से बढ़ोतरी हुई है और गुरुवार का दिल्ली का औसत सूचकांक 377 के अंक तक पहुंच गया। यानी 50 अंकों की बढ़ोतरी दर्ज की गई। राजधानी दिल्ली के लोगों को अभी प्रदूषित हवा से राहत मिलने के आसार नहीं हैं। दरअसल, अगले तीन–चार दिनों के दौरान कोई बड़ी मौसमी परिघटना के होने के आसार नहीं है। दिल्ली में अभी प्रदूषण का जो स्तर मौजूद है वह हवा के बहुत तेज बहने या फिर बारिश से ही पूरी तरह साफ हो सकता है। लेकिन, अभी हवा की गति आमतौर पर दस किलोमीटर प्रति घंटे से कम ही रहने के आसार हैं। इसके चलते प्रदूषक कणों का विसर्जन धीमा होगा। लोगों को प्रदूषित हवा ही मिलेगी।

**एक फीसदी से कम हुई पराली की हिस्सेदारी–** प्रदूषण में पराली के धुएं की हिस्सेदारी मामूली है। डिसीजन सपोर्ट सिस्टम के मुताबिक, गुरुवार को दिल्ली की हवा में पराली के धुएं की हिस्सेदारी 0.72 फीसदी तक रही। मानकों के मुताबिक हवा में प्रदूषक कण का स्तर 100 से कम और पीएम 2.5 का स्तर 60 से कम होने पर ही उसे स्वास्थ्यकारी माना जाता है। लेकिन, गुरुवार को दिन में एक बजे दिल्ली–एनसीआर की हवा में पीएम 10 का औसत स्तर 350 और पीएम 2.5 का औसत स्तर 199 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर पर रहा।

# एयर प्यूरीफायर से तुरंत हटे 18 % जीएसटी

## अरविंद केजरीवाल की केंद्र सरकार से मांग

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण के बीच पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार से एक खास अपील की है। उन्होंने एयर प्यूरीफायर और वॉटर प्यूरीफायर पर लगाए गए 18 प्रतिशत जीएसटी को तत्काल हटाने की अपील की है। केजरीवाल का कहना है कि जहरीली हवा से जूझ रही जनता को साफ हवा और साफ पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए भी भारी कर देना सरासर अन्याय है।

केजरीवाल ने अपने बयान में कहा कि दिल्ली सहित उत्तर भारत के कई शहरों में वायु प्रदूषण जानलेवा स्तर तक पहुंच चुका है। ऐसी स्थिति में लोग अपने परिवार को प्रदूषण से बचाने के लिए एयर प्यूरीफायर खरीदना चाहते हैं, लेकिन इस आवश्यक उपकरण पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगने के कारण उनकी जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सरकार प्रदूषण का कोई समाधान नहीं दे पा रही, तो कम से कम लोगों को अपनी सुरक्षा के उपाय लेने से क्यों रोका जा रहा है।

केजरीवाल ने जोर देकर कहा कि साफ हवा और साफ पानी हर नागरिक का मौलिक अधिकार है। उन्होंने तर्क दिया कि यदि सरकार प्रदूषण को नियंत्रित करने में असमर्थ है, तो कम से कम उन उपकरणों पर कर का बोझ नहीं बढ़ाना चाहिए जो लोग स्वयं अपने परिवार की रक्षा के लिए खरीदते हैं। वॉटर प्यूरीफायर पर भी इसी तरह का कर लगना एक और उदाहरण है, जहां बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लोगों को कर चुकाना पड़ रहा है।

अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार से स्पष्ट अपील की है कि एयर प्यूरीफायर और वॉटर प्यूरीफायर पर लगे 18 प्रतिशत जीएसटी को तुरंत समाप्त किया जाए। उनका कहना है कि प्रदूषण से निपटने का समाधान देने में असमर्थता को स्वीकार करना होगा, लेकिन इसके साथ ही जनता पर अनावश्यक कर लगाकर उनकी परेशानी को और बढ़ाना उचित नहीं है।

यह मांग उस समय सामने आई है जब दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के अधिकांश शहरों में सर्दियों के मौसम में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) खतरनाक स्तर को पार कर जाता है।

# दिल्ली की झीलें संवरेंगी

## ● जलस्तर भी बढ़ेगा; जल बोर्ड ने बनाया खास प्लान

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
दिल्ली जल बोर्ड ने शुद्ध किए हुए अपशिष्ट जल का बेहतर उपयोग करने के लिए एक नई योजना बनाई है। इस योजना के तहत इस जल को केवल पार्कों और फार्महाउसों में सिंचाई के लिए ही नहीं, बल्कि झीलों, तालाबों और भूजल को फिर से भरने के काम में भी लगाया जाएगा। इसका मकसद शहर के घटते भूजल स्तर को रोकना और प्राकृतिक जल स्रोतों को फिर से जीवंत करना है।

### कितना अपशिष्ट जल हो रहा है इस्तेमाल?

दिल्ली में रोजाना 701 मिलियन गैलन शुद्ध किया हुआ अपशिष्ट जल तैयार होता है, लेकिन इसका केवल 125 मिलियन गैलन ही वापस इस्तेमाल हो पाता है। बाकी का ज्यादातर हिस्सा यमुना नदी में छोड़ना पड़ता है। इसका कारण यह है कि 1994 के यमुना जल बंटवारे के समझौते के मुताबिक, 267 मिलियन गैलन शुद्ध जल को नदी के प्रवाह को बनाए रखने के लिए नदी में ही डालना जरूरी है।

### नई परियोजनाओं से होगा बेहतर उपयोग

कोरोनेशन पिलर के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से रोजाना करीब 100 मिलियन गैलन शुद्ध जल मिलता है। इसमें से अभी सिर्फ 21.5 मिलियन गैलन का ही बागवानी में इस्तेमाल हो रहा है। बाकी बचे 78.5 मिलियन गैलन जल को तीन नई परियोजनाओं के तहत इस्तेमाल करने की योजना है। इनमें से 28.5 मिलियन गैलन जल को कोरोनेशन पिलर के मार्शलैंड को भरने, 30 मिलियन गैलन को जाहंगीरपुरी नाले के जरिए भूजल को पुनर्भरित करने और 20 मिलियन गैलन को भलस्वा झील व आसपास के गोल्फ कोर्स के लिए भेजा जाएगा। इन योजनाओं को दिल्ली सरकार से मंजूरी मिल चुकी है।

### झीलों और तालाबों को मिलेगा नया जीवन

इसके अलावा, सात बड़े जलाशयों को पुनर्जीवित करने के लिए 75 मिलियन गैलन शुद्ध जल का उपयोग किया जाएगा। इसमें संजय झील, स्मृति वन, रोहिणी झील नंबर एक और दो, एनटीपीसी इको पार्क तथा ओखला झील शामिल हैं। एनटीपीसी इको पार्क की परियोजना पहले से ही 77 प्रतिशत पूरी हो चुकी है, जबकि बाकी परियोजनाएं दिसंबर 2026 तक पूरी हो जाएंगी।

फार्महाउसों में भी होगा शुद्ध जल का उपयोग फार्महाउसों के लिए भी शुद्ध अपशिष्ट जल उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। मेहरौली, कपाशेरा, नरेला और ओखला जैसे इलाकों में फार्महाउसों को यह जल दिया जाएगा। इससे बागवानी और हरियाली के लिए बोरवेलों और भूजल पर निर्भरता कम हो जाएगी। साथ ही, यमुना विहार, द्वारका, नजफगढ़, केशोपुर, रिथाला और कोंडली जैसे कई इलाकों में भूजल को रिचार्ज का काम भी चल रहा है।

# 3 बड़े फ्लाईओवर की होगी मजबूती जांच

## ● डेढ़ साल में पूरा होगा काम ● कई साल पुराने हैं ये फ्लाईओवर

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
साउथ दिल्ली के कुछ बड़े फ्लाईओवरों की मजबूती की जांच शुरू हो गई है। लोक निर्माण विभाग ने पुराने आरटीआर फ्लाईओवर, आईआईटी-अफ्रीका एवेन्यू चौराहे के फ्लाईओवर और मोदी मिल फ्लाईओवर की पूरी जांच और मरम्मत का काम शुरू कर दिया है।

ये फ्लाईओवर अब काफी पुराने हो चुके हैं। मोदी मिल और अफ्रीका एवेन्यू वाले फ्लाईओवर करीब 24 साल पुराने हैं, जबकि आरटीआर फ्लाईओवर भी कम से कम 15 साल से खड़ा है। इनमें समय के साथ कई खामियां आ गई हैं। इनकी जोड़ों में दरारें पड़ गई हैं, कंक्रीट टूटने लगा है और कुछ जगहों पर खालीपन भी दिख रहा है। इसलिए इनकी पूरी जांच करके मरम्मत का काम होगा।

मरम्मत का मुख्य काम जोड़ों को ठीक करना और इलास्टोमेरिक बेयरिंग में बदलना है, जो फ्लाईओवर को नीचे के हिस्से से जोड़े रखते हैं। ये बेयरिंग भारी ट्रैफिक के बोझ, कंपन और तापमान के बदलाव को सहन करने का काम करते हैं। साथ ही, कंक्रीट में जो खाली जगहें या छेद बन गए हैं, उन्हें भी भरना होगा ताकि फ्लाईओवर की मजबूती बनी रहे।

इस काम को चार चरणों में किया जाएगा। पहले तीन महीने में इन फ्लाईओवरों की गहन जांच होगी। इसके लिए कई तरह के टेस्ट किए जाएंगे, जैसे हैमर टेस्ट और साउंड टेस्ट। इसके बाद यह तय होगा कि मरम्मत के लिए क्या-क्या काम करने हैं। फिर विस्तृत योजना बनेगी और अगले एक साल में मरम्मत का काम होगा। पूरी प्रक्रिया डेढ़ साल में पूरी हो जाएगी।

इसके अलावा लाला लाजपत राय मार्ग पर बरापुल्लाह नाले के ऊपर नाले के लिए ढलान भी बनाया जाएगा। न्यू अशोक नगर के पास, हॉलीडे इन चौराहे और मेट्रो स्टेशन के बीच यह काम होगा। यहां नाले के पास होने के कारण पानी के बहाव को ध्यान में रखते हुए कल्वर्ट का डिजाइन किया जाएगा। इस कल्वर्ट से न सिर्फ गाड़ियों की आवाजाही आसान होगी, बल्कि पैदल चलने वालों के लिए भी फुटपाथ बनेंगे।

विभाग ने जांच और मरम्मत के लिए टेंडर की प्रक्रिया शुरू कर दी है और दिसंबर तक बोली का काम पूरा हो जाएगा। इस जांच और मरम्मत से इन फ्लाईओवरों की उम्र बढ़ जाएगी और इन पर चलने वाले लोगों के लिए सुरक्षा भी सुनिश्चित हो जाएगी। ये फ्लाईओवर रोज लाखों गाड़ियों को सहारा देते हैं, इसलिए इनकी मजबूती बहुत जरूरी है।

### लोगों से चंदा लेकर यमुना को स्वच्छ बनाएगी दिल्ली सरकार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली सरकार लोगों से चंदा लेकर दिल्ली–एनसीआर में यमुना को स्वच्छ बनाने की दिशा में कार्य करेगी। इसके लिए जल बोर्ड द्वारा यमुना जीर्णोद्धार कोष बनाया जा रहा है। जल बोर्ड के सीईओ की तरफ से इसे सैद्धांतिक मंजूरी मिल चुकी है। शहरी विकास विभाग की तरफ से इस प्रस्ताव को जल्द सरकार के समक्ष रखा जाएगा। सरकार से मंजूरी मिलने पर यह सोसाइटी रजिस्ट्रेशन होगी। इसमें सीएसआर (कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉसिबिलिटी) फंड एवं लोगों से चंदा लेकर यमुना के जीर्णोद्धार में इसका इस्तेमाल किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, दिल्ली जल बोर्ड 1998 एक्ट में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, जिसके तहत वह सीधे किसी से चंदा ले सके। अधिकारियों की बैठक में यह तय किया गया कि वह सोसाइटी का रजिस्ट्रेशन कर यमुना साफ करने के लिए चंदा ले सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि इस कोष में आने वाली राशि से सीवेज व्यवस्था में सुधार, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, तालाब बनाना और यमुना जीर्णोद्धार के लिए लोगों को जागरूक करना आदि काम किया जाएगा। इस राशि से बारापुला, शाहदरा, गाजीपुर और नजफगढ़ नाले के पानी को यमुना में जाने से पहले शोधित किया जा सकेगा। यमुना किनारे बॉयो डायवर्सिटी पार्क, हरित क्षेत्र बनाने एवं सीवेज शोधित संयंत्र की क्षमता को 1000 एमजीडी तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। सोसायटी के नाम पर एक बैंक खाता खोला जाएगा ताकि इसमें आने वाली प्रत्येक राशि को सोसायटी के उद्देश्य पर पारदर्शिता से खर्च किया जा सके। यह सोसायटी नो प्रॉफिट नो लॉस के सिद्धांत पर काम करेगी।

# 28 नवंबर को क्यों मनाया जाता है रेड प्लैनट डे? मंगल ग्रह से जुड़ा है इतिहास

**वाशिंगटन, एजेंसी।**
28 नवंबर को हर साल रेड प्लैनेट डे मनाया जाता है। इस खास दिन का इतिहास मंगल ग्रह की अंतरिक्ष यात्रा से जुड़ा हुआ है। इसी तारीख को साल 1964 को नासा ने मैरिनर 4 स्पेसक्राफ्ट लॉन्च किया था। यह मंगल ग्रह के पास सफलतापूर्वक फ्लाईबाई करने वाला पहला मिशन था।

इस मिशन के बाद नासा के स्पेसक्राफ्ट ने मंगल ग्रह की पहली क्लोज-अप तस्वीरें भेजी थी। जिससे पता चला कि इस ग्रह की जमीन कैसी है। इसी मिशन के बाद से भविष्य में मंगल ग्रह पर होने वाले सभी एक्सप्लोरेशन की नींव रखी गई।

रेड प्लैनेट डे हर साल 28 नवंबर को मनाया जाता है। ला ग्रह दिवस नासा के अंतरिक्ष यान मेरिनर-4 के प्रक्षेपण को याद करने के लिए मनाया जाता है। इस दिन का मुख्य उद्देश्य लोगों में मंगल के प्रति जागरूकता बढ़ाना ह। यह दिन बताता है कि मेरिनर-4 मिशन मंगल के अध्ययन की एक अहम शुरुआत थी। मंगल ग्रह को रेड प्लैनेट या लाल ग्रह कहा जाता है। वैज्ञानिक बताते हैं कि मंगल को अपना खास लाल रंग आयरन ऑक्साइड से मिलता है। एक तरीके से यह जंग है, जो इसकी मिट्टी और धूल पर जम जाता है। बता दें कि आयरन से भरपूर पार्टिकल्स एटमॉस्फियर के साथ मिलकर ग्रह को उसका जाना-माना लाल रंग देते हैं। इसी अनोखे रूप के कारण पुराने रोमनों ने इसका नाम अपने युद्ध के देवता के नाम पर रखा था।

# यूएई में पाकिस्तानी भिखारियों की दुकान बंद, वीजा देना किया बंद

**दुबई, एजेंसी।** यूएई ने पाकिस्तान के आम नागरिकों को वीजा देना बंद कर दिया है। पाकिस्तानी अधिकारियों के मुताबिक, यूएई सरकार को चिंता है कि कुछ लोग वहां जाकर आपराधिक गतिविधियों में शामिल हो रहे हैं। इस वजह से अब सामान्य पासपोर्ट वाले लोगों को वीजा जारी नहीं किया जा रहा।

पाकिस्तान के अतिरिक्त गृह सचिव सलमान चौधरी ने यह जानकारी सीनेट की मानवाधिकार समिति की बैठक में दी। उन्होंने कहा कि एक बार यह प्रतिबंध लग जाए तो इसे हटाना बहुत मुश्किल हो जाता है। यह बात उन्होंने पाक अखबार डॉन की रिपोर्ट के आधार पर कही। सीनेट समिति की चेयरपर्सन सांसद समिना मुमताज जहरी ने भी कहा कि अब सिर्फ कुछ ही लोगों को बहुत मुश्किल से वीजा मिल पा रहा है। ओवरसीज रोजगार प्रमोटर ऐसाम बैग ने कहा कि यूएई सरकार को शिकायत मिल रही थी कि पाकिस्तानी नागरिक वर्क वीजा नहीं, बल्कि विजिट वीजा पर आकर वहां भीख मांगने लगते हैं। इसी वजह से यूएई ने वीजा देने की प्रक्रिया रोक दी है।

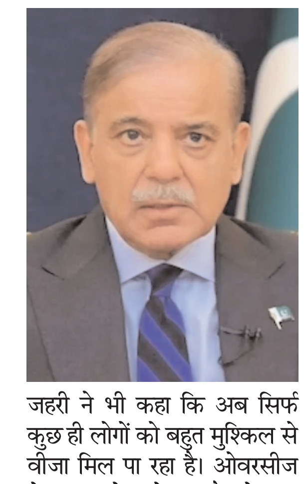

फिलहाल यूएई केवल ब्लू पासपोर्ट और डिप्लोमैटिक पासपोर्ट वालों को ही वीजा दे रहा है। इससे पहले भी यूएई ने वीजा आवेदन के लिए पुलिस का चरित्र प्रमाणपत्र अनिवार्य किया था। गल्फ देश, खासकर दुबई और अबू धाबी, लाखों पाकिस्तानी नागरिकों की पसंदीदा जगहें रही हैं। हर साल 8 लाख से ज्यादा पाकिस्तानी गल्फ देशों के वीजा के लिए आवेदन करते हैं। लेकिन दिसंबर 2024 में यूएई, सऊदी अरब और कई अन्य खाड़ी देशों ने पाकिस्तान के 30 से ज्यादा शहरों के लोगों पर अनिश्चितकालीन वीजा रोक लगा दी थी।

# पाकिस्तान से बढ़ रही रूस की करीबी?

## दोनों देशों में व्यापार-ऊर्जा सहयोग पर सहमति

**इस्लामाबाद, एजेंसी।**
रूस और पाकिस्तान के बीच व्यापार, ऊर्जा, तकनीक, शिक्षा, स्वास्थ्य और संस्कृति समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने को लेकर सहमति बनी है। दोनों देशों ने इस बीच कई अहम ज्ञापन समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए। बताया गया है कि दोनों देशों के बीच यह समझौते पाकिस्तान-रूस अंतरसरकारी आयोग (आईजीसी) की 10वीं बैठक में हुए।

बैठक की सह-अध्यक्षता पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्री अवैस लेघारी और रूस के मंत्री सर्गेई सिविलेव ने की। पाकिस्तान के द डॉन अखबार के मुताबिक, दोनों देशों के बीच जिन तीन अहम एमओयू पर हस्ताक्षर हुए, उनमें- गुणवत्ता मानकों, एकाधिकार-विरोधी नियामक और मीडिया और पेशेवर क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के एमओयू शामिल रहे। इसके अलावा दोनों पक्षों ने व्यापार बढ़ाने, निर्यात पोर्टफोलियो में विविधता लाने और व्यापारिक संपर्क मजबूत करने को लेकर हुई चर्चाओं पर भी संतुष्टि जताई। पाकिस्तानी कपड़ा उद्योग, खेल उत्पाद, आईटी सेवाएं, इंजीनियरिंग उत्पाद और कृषि वस्तुओं को रूस में बेहतर बाजार पहुंच दिलाने पर भी बात हुई। इसी के साथ दोनों ने माल ढुलाई के लिए संचालन व्यवस्था शुरू करने से जुड़ी प्रक्रिया को आगे बढ़ाने पर भी बात की।

## नेपाल के नए 100 के नोट ने खड़ा किया विवाद

# भारत के 3 इलाकों को बताया अपना

**काठमांडु, एजेंसी।**
नेपाल के सेंट्रल बैंक ने नया 100 रुपये का नोट बाजार में उतारा है, लेकिन इस नोट के साथ पुराना सीमा विवाद फिर चर्चा में आ गया है। नोट पर छपे नक्शे में नेपाल ने लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा को अपने क्षेत्र में दिखाया है, जो वर्षों से उत्तराखंड के हिस्से के रूप में जाने जाते हैं। इसी वजह से इस कदम को दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ाने वाला माना जा रहा है।

नेपाली नेशनल बैंक के अधिकारियों के मुताबिक, पहले भी 100 रुपये के नोट में नेपाल का मानचित्र छपता था, लेकिन अब इसे 2020 में जारी किए गए राजनीतिक नक्शे के अनुसार बदल दिया गया है। उसी नक्शे में तीनों विवादित इलाके नेपाल की सीमा में दिखाए गए थे। यही कारण है कि बदलाव केवल 100 रुपये के नोट तक ही सीमित है, क्योंकि बाकी मूल्य के नोटों में नक्शा नहीं होता। विवाद कैसे शुरू हुआ था? यह विवाद 2020 में तब उभरा था, जब नेपाल की तत्कालीन सरकार ने नया राजनीतिक नक्शा जारी किया। इस नक्शे में महाकाली नदी के उद्गम क्षेत्र को आधार बनाते हुए लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा को नेपाल की भूमि बताया गया था। नेपाल की संसद ने भी इसे मंजूरी दे दी थी। भारत ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा था कि यह नक्शा ऐतिहासिक तथ्यों और प्रशासनिक सच्चाई से मेल नहीं खाता। अब उसी नक्शे को नोट पर छापने से मामला फिर से संवेदनशील हो गया है।

भारत और नेपाल के बीच लगभग 1,850 किलोमीटर लंबी खुली सीमा है, जो पांच भारतीय राज्यों से गुजरती है। दोनों देशों के बीच सीमा निर्धारण का आधार 1816 की सुगौली संधि है। विवाद की मूल वजह महाकाली नदी की मुख्य धारा को लेकर मतभेद हैं। भारत जिस धारा को नदी की मुख्य धारा मानता है, नेपाल उसे सहायक धारा बताता है। इसी भिन्नता के कारण दोनों देशों के दावे अलग-अलग हैं, और सीमा विवाद समय-समय पर उभरता रहता है। बाद विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले दिनों में भारत-नेपाल संबंधों में इस मुद्दे पर और चर्चा तथा प्रतिक्रिया देखने को मिल सकती है।

## सेवा का अधिकार सप्ताह

# बोकारो ने मारी बाजी, आवेदन निष्पादन में शामिल टॉप-थ्री में

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**बोकारो।** आपकी योजना - आपकी सरकार - आपके द्वार : सेवा का अधिकार सप्ताह के तहत बोकारो जिले में सात दिवसीय विशेष अभियान का प्रभावी आयोजन किया गया। जन सहभागिता, पारदर्शी व्यवस्था और व्यापक सेवा वितरण के आधार पर आवेदन निष्पादन में बोकारो राज्य के शीर्ष तीन जिलों (गुरुवार को) में शामिल हुआ। अभियान के दौरान विभिन्न पंचायतों में लगाए गए शिविरों में भारी संख्या में ग्रामीण पहुंचे और त्वरित सेवाओं का लाभ उठाया।

**वरीय पदाधिकारियों ने की सराहना, टीम बोकारो को मिली बधाई-** जिले के नोडल पदाधिकारी एवं सड़क निर्माण विभाग (आरसीडी) के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने वीडियो संवाद (वीसी) के माध्यम से अभियान की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने बोकारो प्रशासन द्वारा किए गए व्यवस्थित प्रयासों को सराहा और सफलता के लिए पूरी टीम को बधाई दी।

वहीं, उपायुक्त अजय नाथ झा ने भी जिला एवं प्रखंड स्तरीय अधिकारियों की प्रशंसा करते हुए प्राप्त आवेदनों को क्रमवार, विधिसम्मत और समयबद्ध तरीके से निष्पादित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान न केवल सेवाओं को जन-द्वार तक पहुंचाता है, बल्कि शासन के प्रति विश्वास और पारदर्शिता को भी बढ़ाता है।

**पंचायत स्तर पर आयोजित शिविर बने भीड़ का केंद्र, अंतिम दिन बढ़ी रौनक-** अभियान के सातवें और अंतिम दिन जिले के सभी प्रखंडों में आयोजित शिविरों में लोगों की उल्लेखनीय भीड़ देखने को मिली। दर्जनों विभागों की ओर से लगाए गए स्टॉलों पर ग्रामीण अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे और मौके पर ही समाधान प्राप्त कर संतुष्ट दिखे।

ग्रामीणों ने बताया कि शिविरों के माध्यम से वे ऐसी सेवाएं और योजनाएं प्राप्त कर रहे हैं, जिनके लिए पहले कई दिनों तक कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे। सेवा का अधिकार सप्ताह ने प्रशासन और जनता के बीच दूरी कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

**जिले के वरीय पदाधिकारियों ने दिनभर किया निरीक्षण-** अभियान के दौरान जिले के वरीय नोडल पदाधिकारियों ने विभिन्न प्रखंडों के शिविरों का निरीक्षण किया। उन्होंने सेवा वितरण, स्टॉल प्रबंधन, तकनीकी सहायता और लाभुकों की समस्याओं के निराकरण की स्थिति की समीक्षा की और ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित किया। निरीक्षण करने वाले अधिकारियों में शामिल रहे - उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, डीपीएलआर निदेशक मेनका, एसडीओ चास प्रांजल ढांडा, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, जिला परिवहन पदाधिकारी मारुति मिंज, एसडीओ बेरमो मुकेश मछुआ, जिला आपूर्ति पदाधिकारी शालिनी खालको, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी द्वारिका बैठा तथा जिला पंचायती राज पदाधिकारी मो. शफीक आलम।

इन पदाधिकारियों ने विभागवार उपलब्ध सेवाओं की समीक्षा की और सुनिश्चित किया कि प्रत्येक लाभुक को उनकी जरूरत के अनुसार सहायता मिले।

**उत्तम प्रबंधन बना सफलता की कुंजी - लाभुकों को मिला सहज अनुभव-** प्रशासन ने शिविरों के सुचारू संचालन के लिए विशेष प्रबंधन किया था। पंचायत परिसरों में - हेल्प डेस्क, पेयजल व्यवस्था, बैठने की उचित व्यवस्था, पुलिस सहायता केंद्र, मीडिया सेंटर, तकनीकी सहयोग उपलब्ध था। इन व्यवस्थाओं ने लाभुकों को निर्बाध सेवा प्राप्त करने में सहायता की। ग्रामीणों ने कहा कि आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार अभियान ने सरकारी सेवाओं को अधिक सरल, सुलभ और पारदर्शी बनाया है।

**अभियान से बढ़ा विश्वास, ग्रामीण सेवाओं के केंद्र में बोकारो-** अभियान के दौरान सभी विभागों में प्राप्त आवेदनों की बड़ी संख्या से स्पष्ट है कि लोगों में सेवा अधिकार को लेकर जागरूकता बढ़ी है। शिविरों में आय, आवासीय, जाति, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन कार्ड और विभिन्न प्रमाणपत्रों की मांग सबसे अधिक रही। प्रशासन का दावा है कि अधिकांश आवेदन तुरंत या निर्धारित समयसीमा के भीतर निस्तारित कर दिए जाएंगे। बोकारो में इस अभियान की सफलता ने जिले को राज्य में बेहतर प्रशासनिक कार्य संस्कृति का उदाहरण बनाकर पेश किया है। उपायुक्त झा ने कहा कि आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वारा सेवा का अधिकार सप्ताह बोकारो जिले के लिए अत्यंत सफल रहा। आवेदन निष्पादन में राज्य के शीर्ष तीन जिलों (गुरुवार को) में शामिल होना साबित करता है कि सुव्यवस्थित प्रबंधन, जन सहभागिता और प्रशासनिक प्रतिबद्धता किसी भी अभियान को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती है। जिले में ग्रामीणों द्वारा व्यक्त संतुष्टि और अधिकारियों द्वारा की गई प्रशंसा यह दर्शाती है कि बोकारो राज्य में बेहतर सेवा वितरण का केंद्र बनकर उभर रहा है।

## आसमान छू रहे हरी सब्जियों के दाम

**जमशेदपुर।** जमशेदपुर बाजार में सब्जियों के भाव अभी भी आसमान छू रहे हैं। लोग सब्जी खरीदने को घी खरीदने जैसा मान रहे हैं।

साकची मंडी थोक विक्रेता दुकानदारों का कहना है की सब्जी लगाते समय लगातार बारिश के वजह से फसल काफी बर्बाद हो गया है। जिसके कारण आवक में अभी भी थोड़ी कमी है। इस कारण मंडी में ही विभिन्न सब्जियों के भाव ?40 और उससे अधिक है। हम लोग यह मानते हैं की आवक थोड़ा कम है, लेकिन जिस तरह से खुदरा बाजार में लोग मनमाने ढंग से बेच रहे हैं, बैगन 80 और 100 किलो, सिम, बीन्स 80 120 किलो, इसी तरह पटेल 80 किलो, फूलगोभी 40 पीस, बंधा गोभी 40, जबकि थोक मंडी में बंधा गोभी मात्र 15 किलो के हिसाब से पड़ रहा है।

इस प्रकार खुदरा दुकानदारों का कहना है कि हम लोगों को जिस भाव में मिल रहा है और आमदनी कम होने के कारण दाम थोड़ा ज्यादा है। जैसे-जैसे सब्जियों की आवक बढ़ेगी, अपने दाम कम होगा।

# केंद्रीय कोयला सचिव एवं कोल इंडिया के चेयरमैन ने किया दौरा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**धनबाद।** भारत सरकार के कोयला सचिव विक्रम देवदत्त तथा अतिरिक्त सचिव सह चेयरमैन कोल इंडिया सनोज कुमार झा आज धनबाद जिला अंतर्गत बेलगड़िया टाउनशिप पहुंचे।

इस दौरान उन्होंने झारिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकार (जेआरडीए) द्वारा विकसित इस टाउनशिप स्थित जेआरडीए के प्रशासनिक भवन, बेलगड़िया टीओपी, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स तथा मध्य विद्यालय का किया भ्रमण किया। साथ हीं उन्होंने जनवितरण प्रणाली अंतर्गत दुकान तथा एसएचजी दीदी के दुकान का फीता काट कर किया उद्घाटन भी किया।

इस दौरान उपायुक्त आदित्य रंजन ने कोयला सचिव विक्रम देवदत्त को बेलगड़िया टाउनशिप में चल रहे विकास कार्यों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि पुनर्वास में विस्थापितों को उत्तम सुविधाए, विभिन्न योजनाओं का लाभ और उन्हें उनका अधिकार मिल सके, इसको लेकर कार्य

किये जा रहें हैं, ताकि विस्थापितों को किसी तरह की कोई परेशानी नहीं हो।

इस दौरान कोयला सचिव ने विस्थापितों से भी बातचीत कर चल रहे कार्यों तथा समस्याओं की जानकारी ली। साथ ही रोजगार, स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग के प्रति टाउनशिप के विस्थापितों से अपेक्षा भी जानने का प्रयास किया, ताकि उन्हें अन्य रोजगार के साधन उपलब्ध कराए जा सके। मौके पर उपस्थित लोगों ने उन्हें 20 ई-रिक्शा वितरण को लेकर भी आभार प्रकट किया।

भारत सरकार के कोयला सचिव विक्रम देवदत्त ने उपायुक्त आदित्य रंजन को बेलगड़िया टाउनशिप में रह रहे विस्थापितों को बेहतर से बेहतर व्यवस्था, रोजगार, शिक्षा तथा स्वास्थ्य सुविधाओं तथा सरकार की महत्वाकांक्षी योजना का लाभ देने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

इसके उपरांत कोयला भवन में झारिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकार (जेआरडीए) से संबंधित समीक्षात्मक बैठक की गई।

उपायुक्त आदित्य रंजन ने झारिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकार (जेआरडीए) से संबंधित चल रहे विकास कार्यों की जानकारी पीपीटी के माध्यम से दी। कोयला सचिव विक्रम देवदत्त ने बेलगड़िया टाउनशिप के विकास हेतु अपने सुझाव तथा निर्देश दिए। मौके पर उपायुक्त आदित्य रंजन, सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव, डीएसओ पंकज कुमार, एसडीएम राजेश कुमार समेत बीसीसीएल के पदाधिकारी व अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

# डीसी ने टाउन हॉल का किया निरीक्षण

**बोकारो।** जिला उपायुक्त अजय नाथ झा ने शनिवार को प्रस्तावित डीएमएफटी न्यास परिषद की बैठक को लेकर टाउन हॉल में निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बैठक स्थल की व्यवस्थाओं, सुरक्षा प्रबंधन, बैठक संचालन व्यवस्था एवं तकनीकी संसाधनों की तैयारियों का विस्तृत जायजा लिया।

डीसी ने संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि बैठक के मद्देनजर सभी व्यवस्थाओं को समय पर पूर्ण किया जाए। उन्होंने साफ-सफाई, बैठने की समुचित व्यवस्था, विद्युत एवं ध्वनि सिस्टम की कार्यक्षमता और अन्य आवश्यक सुविधाओं को दुरुस्त रखने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि डीएमएफटी न्यास परिषद की बैठक जिला विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए सभी विभाग सुनिश्चित करें कि किसी प्रकार की कमी नहीं रहे। मौके पर डीडीसी शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, अपर नगर आयुक्त संजीव कुमार, एनडीसी प्रभाष दत्ता, डीएमओ रवि कुमार, डीपीआरओ रवि कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत अन्य उपस्थित थे।

# सरकार आपके द्वार शिविर के अंतिम दिन उमड़े लाभुक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**खूंटी।** आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार₹ कार्यक्रम के अंतिम दिन जिले के सभी प्रखंडों के चयनित पंचायतों में शिविर का आयोजन किया गया। खूंटी प्रखंड के बिरहु, कर्रा प्रखंड के मेहा, छाता, कर्रा, मुरहू प्रखंड के बिचना, कुंजला, अड़की प्रखंड के बोहंडा, मदहातू, कोचांग, तोरपा पूर्वी, पश्चिमी, अम्मा, रानियां के बनई और खूंटी नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड 18 तथा 19 में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों के द्वारा स्टॉल लगाकर आधार, ई-केवाईसी, राशन कार्ड, स्वास्थ्य एवं कृषि बीमा, जाति एवं निवासी प्रमाणपत्र सहित अन्य सेवाओं से जुड़े जनहित के कार्यों का निष्पादन तथा लोगों की समस्याओं के समाधान किया गया। शिविर में लोगों को केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराया गया तथा योजनाओं का लाभ देने के लिए नए आवेदन प्राप्त किए गए। शिविर में विभिन्न योजनाओं के तहत लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण भी किया गया। सभी प्रखंडों के प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों ने खुद सभी स्टॉलों का निरीक्षण किया।पदाधिकारियों ने कहा कि ऐसे शिविर सभी प्रखंड पंचायतों में लगातार लगाए गए , शिविर में ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित निष्पादन किया जा रहा है और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लोगों तक लाभ पहुंचाने की पहल की जा रही है। सबसे ज्यादा मईया सम्मान योजना और अबुआ आवास योजना का लाभ लेने के लिए ग्रामीण आवेदन भरते नजर आए। शिविर में पंचायत स्तरीय सभी प्रतिनिधि, विभिन्न गांवों के ग्रामप्रधान, प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी, रोजगार सेवक, मनरेगा कर्मी, चिकित्सा पदाधिकारी, आंगनबाड़ी सेविका, सहायिका, जेएसएलपीएस कर्मी समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण शिविर में पहुंचे।

# विधायक राज सिन्हा श्रमिकों की समस्याओं को ले मिले कोयला सचिव से

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**धनबाद।** झारखंड विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा ने आज भारत सरकार के कोयला मंत्रालय के सचिव विक्रम देव दत्त से मुलाकात कर धनबाद के कोलकर्मियों एवं बीसीसीएल के श्रमिकों की समस्याओं से अवगत कराते हुए उनके शीघ्र समाधान की मांग की। साथ विधायक श्री सिन्हा ने उन्हें लिखित मांग पत्र भी सौंपा।

विधायक सिन्हा ने कोयला सचिव विक्रम देव दत्त से निम्न गंभीर मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की विधायक सिन्हा ने भारत कोकिंग कोल इंडिया लि. में केंद्रीय चिकित्सालय जगजीवन नगर धनबाद को सुपर स्पेशलिटी अस्पताल बनाए जाने, केंद्र सरकार की आयुष्मान स्वास्थ्य योजना भारत कोकिंग कॉल लिमिटेड के केंद्रीय चिकित्सालय जगजीवन नगर चिकित्सालय में तत्काल प्रभाव से लागू कराये जाने, केंद्रीय चिकित्सालय जगजीवन नगर में तत्काल प्रभाव से कंपनी को 82 डॉक्टर जीडीएमओ, 26 स्पेशलिस्ट, डॉक्टर ,20 फार्मासिस्ट 50 नर्सिंग वार्ड बॉय, 31 ,आया 27 एवं रेडियोलॉजी दो एवं डॉक्टर की, अवकाश आयु 65 वर्ष किए जाने केंद्रीय औद्योगिक, न्यायाधिकरण ( केंद्रीय) में विगत दो वर्षों से जज का पद रिक्त है। न्यायधिकरण में हजारों श्रमिकों की समस्याओं के समाधान हेतु दोनों सेंट्रल गवर्नमेंट इंडस्ट्रियल ट्रिब्यूनल में जजों की नियुक्ति सुनिश्चित किए जाने, भारत कोकिंग कॉल इंडिया लिमिटेड सेल में पूर्व की भांति रोगी श्रमिकों को मेडिकल अनफिट कर कर्मीयों के आश्रितों को कंपनी में नियोजन की व्यवस्था लागू किए जाने, बीसीसीएल के सभी कोलियरी क्षेत्र में ओपन कास्ट के कारण डस्ट का पहाड़ बन गया है। उन सभी क्षेत्र के प्रदूषित हवाओं से लोगों को सांस की बीमारी के साथ-साथ अन्य तरह के कई गंभीर बीमारियां हो रही हैं इसका निराकरण जल्द से जल्द कराए जाने, बीसीसीएल में चल रहे आउटसोर्सिंग कंपनी में कार्यरत श्रमिकों को एचपीसी भुगतान के अंश से काटे गए राशि का सीएमपीएफ में जमा कराना सुनिश्चित किया जाए तथा सामाजिक सुरक्षा के अंतर्गत चिकित्सा एवं आवास मुहैया कराए जाने, अवकाश प्राप्त कर्मियों का पेंशन रिव्यू किया जाए तथा कैसलेस उपचार हेतु स्मार्ट कार्ड उपलब्ध कराए जाने, आउटसोर्सिंग कार्य के दौरान ब्लास्टिंग से ग्रामीण स्थानीय निवासी एवं रैयतों को जो नुकसान हुआ है उनको एच पी सी पॉलिसी के तहत विस्थापित किया जाए एवं अन्य ग्रामीणों को भी लाभ दिये जाने की माँग की।

स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसरों में वृद्धि आदि का मांगा पत्र भी सौंपा। विधायक श्री सिन्हा ने कहा कि कोयला उद्योग धनबाद की जीवनरेखा है और यहां के श्रमिकों के हितों की रक्षा करना सर्वोच्च प्राथमिकता है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार लगातार श्रमिकों के हित में कार्य कर रही है, सचिव द्वारा सकारात्मक कार्रवाई किए जाने की अपेक्षा व्यक्त की गई।

कोयला सचिव विक्रम देव दत्त ने आश्वस्त किया कि प्रेषित सभी विषयों पर संवेदनशीलता के साथ विचार कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे। इनपर अविलंब कार्रवाई किए जाने की बात कही। विधायक सिन्हा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं भारत सरकार श्रम हितैषी दृष्टिकोण के साथ काम कर रही है और धनबाद के श्रमिकों के हक एवं सम्मान के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे।

इस अवसर पे सी एम डी मनोज अग्रवाल, बालमुकुंद राम,हर्ष सिंह, मनोज मालाकार आदी उपस्थित थे।

# डाककर्मियों ने निकाली जागरूकता रैली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**धनबाद।** धनबाद प्रधान डाकघर की ओर से शुक्रवार को शहर में एक भव्य जागरूकता रैली निकाली गई। रैली का उद्देश्य आम नागरिकों को डाक विभाग की आधुनिक सेवाओं, विभिन्न बचत योजनाओं और डिजिटल सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी देना था।

रैली में प्रधान डाकघर के सभी अधिकारी और कर्मचारी उत्साहपूर्वक शामिल हुए। सभी हाथों में आकर्षक प्लेकार्ड और बैनर लिए हुए थे, जिन पर विभिन्न योजनाओं से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ दर्शाई गई थी। रैली जैसे ही मुख्य मार्गों पर आगे बढ़ी लोगों ने इसे उत्सुकता से देखा और जानकारी लेने के लिए रुचि दिखाई। रैली के दौरान डाक विभाग की कई प्रमुख योजनाओं और सेवाओं का प्रचार-प्रसार भी किया गया। जिनमें सुकन्या समृद्धि योजना, वरिष्ठ नागरिक बचत योजना, डाक जीवन बीमा, ग्रामीण डाक जीवन बीमा, इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक की सुविधाएं, स्पीड पोस्ट, पार्सल सेवा, आधार अपडेट सुविधा सहित कई आधुनिक डिजिटल सेवाएं शामिल थीं। कर्मचारियों द्वारा नागरिकों को योजनाओं के लाभ और आवेदन प्रक्रिया के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान वरीय डाक अधीक्षक उत्तम कुमार ने कहा कि डाक विभाग तेजी से आधुनिक हो रहा है और अपनी सेवाओं का विस्तार लगातार कर रहा है।

उन्होंने बताया कि जानकारी के अभाव में कई लोग योजनाओं का लाभ नहीं ले पाते हैं, इसलिए विभाग समय-समय पर इस तरह की जागरूकता रैलियों का आयोजन करता है ताकि घर-घर तक सही जानकारी पहुँच सके।

उन्होंने यह भी कहा कि डाकघर अब केवल पारंपरिक पत्र सेवा तक सीमित नहीं है, बल्कि डिजिटल बैंकिंग, बीमा, बचत योजनाएं तथा सरकारी सेवाओं का महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है। आने वाले समय में विभाग और भी हाईटेक सेवाओं को आम नागरिकों तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है। रैली के सफल संचालन में कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण रही। शहरवासियों ने भी रैली का स्वागत किया और डाक विभाग की योजनाओं के प्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। कार्यक्रम के अंत में सभी कर्मचारियों ने यह संकल्प लिया कि वे विभाग की सेवाओं और योजनाओं को अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाकर जागरूकता बढ़ाने का कार्य निरंतर जारी रखेंगे।

## शीत बेलन शाला में सुझाव मेला

**बोकारो।** बोकारो इस्पात संयंत्र के औद्योगिक इंजीनियरिंग विभाग (आईईडी) के तत्वावधान में शीत बेलन शाला-क एवं विभाग में एक दिवसीय सुझाव मेला आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक, शीत बेलन शाला एवं अरुण कुमार उपस्थित थे। उनके साथ महाप्रबंधक (आईईडी) हिमांशु गुप्ता, महाप्रबंधक अलोक कुमार, तथा संजीव कुमार मिश्रा, संजय पूर्ति, बिनोद कुमार, वरीय प्रबंधक (आईईडी) प्रीति प्रिया सहित कई अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। मुख्य महाप्रबंधक अरुण कुमार ने सुझाव मेले की सराहना करते हुए कहा कि बीएसएल की समृद्धि, कार्यकुशलता और सतत विकास में कर्मचारियों की रचनात्मक सहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने उपस्थित कर्मियों को सुरक्षा, उत्पादन तथा गुणवत्ता सुधार से संबंधित नवाचारी एवं व्यवहारिक सुझाव देने के लिए प्रोत्साहित किया।

## शराब लदी बोलेरो जप्त, चालक गिरफ्तार

**डालटनगंज।** पलामू के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के नारायणपुर बाजार में पुलिस ने कार्रवाई कर 28 पेटी अवैध शराब लदी एक बोलेरो को जप्त किया है। उसके चालक को गिरफ्तार किया गया है। 28 पेटी में 700 पीस टनाका शराब की बोतल भरी हुई थी। चालक की पहचान हुसैनाबाद के अलीनगर के सौरभ सिंह 24 वर्ष के रूप में हुई है।

जिले की पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने शुक्रवार दोपहर एक बजे प्रेस रिलीज जारी कर यह जानकारी दी।

हुसैनाबाद के थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सोनू कुमार चौधरी के अनुसार थाना की गश्ती दल नारायणपुर बाजार के पास पहुंची तो विपरीत दिशा पथरा की ओर से एक सफेद रंग की बोलेरो (बीआर 26ए 7477) आती दिखी। गश्ती दल को देखकर चालक गाड़ी घुमाकर भागने का प्रयास किया। जवानों के सहयोग से गाड़ी को रोका गया और तलाशी ली गयी तो प्लास्टिक के पांच बोरे में 28 पेटी देशी टनाका शराब पायी गयी। शराब से संबंधित वैध कागजात प्रस्तुत नहीं किया गया।

# झारखंड स्थापना दिवस पर होमगार्डों ने किया रक्तदान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**धनबाद।** झारखंड राज्य की 25वीं स्थापना दिवस के अवसर पर सरकार के निदेशानुसार 12 नवंबर से 28 नवंबर तक राज्य भर में चलाये जा रहे स्वेक्षिक रक्तदान कार्यक्रम के तहत शुक्रवार धनबाद गृह रक्षा वाहिनी कार्यालय में एसएनएमएमसीएच के सहयोग से आयोजित रक्तदान शिविर में होमगार्ड जवानों ने रक्तदान करते हुए समाज के प्रति अपना योगदान दिया। इस दौरान डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट सूर्यकान्त कुमार ने बताया कि सरकार से प्राप्त निदेशानुसार शिविर आयोजित की गई है। होमगार्ड जवानों ने स्वेच्छा पूर्वक अपना रक्तदान किया है। पुरे दिन चलनेवाले इस शिविर से कम से कम 50 यूनिट रक्त संग्रह का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि रक्तदान एक महादान है और डोनेट किया गया रक्त किसी के जीवन को बचा सकता है। उन्होंने सभी लोगों से एवं खासकर युवा वर्ग से आगे आकर नियमित रुप से रक्तदान करने की अपील ।

# "बीएसएल तथा अखिल भारतीय चेतना दर्पण" द्वारा काव्य गोष्ठी का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

**बोकारो।** बोकारो स्टील सिटी के पुस्तकालय मैदान में बीएसएल तथा अखिल भारतीय चेतना दर्पण के संयुक्त प्रयास से एक काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बोकारो महानगर के साहित्यकारों और कवियों को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बी एस एल के महाप्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन) चौधरी रत्नेश कुमार सुधांशु ने कहा कि साहित्यकारों के कंधे पर समाज की दिशा तय करने का दायित्व होता है जिसे साहित्यकारों ने सामयिक तरीके से सफलतापूर्वक अपने दायित्व का निर्वहन किया है।

समय-समय पर साहित्यकार, कवि और रचनाकार अपनी रचनाओं के माध्यम से राष्ट्र और समाज की सेवा करते रहते हैं। महाप्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन) चौधरी रत्नेश कुमार सुधांशु ने कहा कि बोकारो महानगर के साहित्य प्रेमियों के लिए यह आयोजन बोकारो पुस्तकालय जनवृत्त - 5 के प्रांगण में प्रत्येक माह के तीसरे बृहस्पतिवार को सायं 4:00 बजे से आयोजित किया जायेगा।

इस मौके पर कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि बेरमो के अनुमंडलाधिकारी मुकेश मछुआ ने कवियों के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए अपनी कविता कवियों का एक सम्मेलन देखा तथा ज्ञान कथा का सागर मंचन देखा को प्रस्तुत किया तथा कहा कि बीएसएल साहित्यकारों को मंच उपलब्ध कराकर बहुत ही अनुकरणीय कार्य कर रहा है। संपर्क एवं प्रशासन विभाग के मानस चंद्र रजवार ( सहायक प्रबंधक) ने भी कवियों को संबोधित करते हुए उनके द्वारा कृतप्रयत्नो की सराहना की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अखिल भारतीय चेतना दर्पण के अध्यक्ष डॉ० नरेंद्र कुमार राय ने बीएसएल को धन्यवाद दिया तथा कहा कि बीएसएल ने बोकारो में रहने वाले साहित्यकारों एवं कवियों को मंच प्रदान कर हिंदी साहित्य के क्षेत्र में सीखने-सिखाने का एक वातावरण तैयार किया है।

इस मौके पर बोकारो के गणमान्य कवियों ने अपनी अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम का शुभारंभ गंगेश प

ाठक के द्वारा सरस्वती वंदना ₹मां शारदे वर दे₹ से किया गया। डॉ नरेंद्र कुमार राय ने हिंदी यह अपनी भाषा-मीठी प्यारी है भाषा गीता गुस्ताख ने मेरी यादों के पन्ने पर रेणुका सिन्हा ने मानवता का अमर संदेश, सोनी कुमारी ने ₹सात फेरे, ऋचा प्रियदर्शनी ने मैं बेटी हूँ , डॉ आशा पुष्प ने आवाज मेरे दिल की, पद्मावती कोमल ने वर्तमान समाज, अमृता शर्मा ने जब राम रोए, कस्तूरी सिन्हा ने दायरों में जिंदगी बंद कर कहीं ना रह जा , लव कुमार ने पेंसिल की आत्मकथा , कृपानंद सिन्हा ने ₹भगवान तू ना बदला₹ करुणा कालिका ने ₹छुपा कर नजर में नजर देखिएगा₹ रिंकू गिरि ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, संजू गिरि ने ₹मंजिल रास्ता देख रही है₹ , सुप्रिया कुमारी ने ₹रिश्ते हुए रिश्ते₹ और राबिया ने ₹बचपन₹ कविता सुनाकर श्रोताओं और कवियों को मंत्रमुग्ध किया।

इस मौके पर संपर्क एवं प्रशासन विभाग के आरके सिंह, एम के अभिमन्यु, कौशलेंद्र कुमार पंकज, क्रांति श्रीवास्तव,अनिल श्रीवास्तव , राजू बावरी तथा प्रकाश कुमार आदि उपस्थित थे। काव्य गोष्ठी के मंच का संचालन कस्तूरी सिन्हा तथा धन्यवाद ज्ञापन लव कुमार ने किया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी.कॉर्प.लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर 31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक: मनोज विशाल फोन नंबर: 9431145865, 8210783623, आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या: JHAHIN/2017/72655, Email : bokaronbt@gmail.com